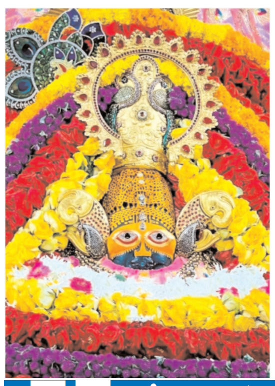

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 23। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,19 सितंबर 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

शहर पर मंडराता खौफनाक खतरा: हमारे अपने ही निवालों में घोला जा रहा है 'धीमा जहर'

ब्रांडेड सामान से लेकर गली-मोहल्लों की दुकानों तक मिलावट का साम्राज्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली / मुंबई / लखनऊ। क्या आप जानते हैं कि आज सुबह आपने जो दूध पिया, जो मिठाइयां या मसाले इस्तेमाल किए, वे वास्तव में आपकी सेहत बना रहे हैं या आपको अस्पताल के बिस्तर तक पहुंचा रहे हैं? 'महानगर मेट्रो' की एक चौंकाने वाली खोजी पड़ताल में यह कड़वा सच सामने आया है कि शहर के प्रमुख बाजारों से लेकर गली-मोहल्लों की राशन दुकानों तक 'धीमे जहर' (मिलावटी खाद्य पदार्थों) का खुला कारोबार चल रहा है। सबसे डरावनी बात यह है कि इस जानलेवा खेल को रोकने के लिए जिम्मेदार खाद्य सुरक्षा विभाग पूरी तरह आंखें मूंदे बैठा है।

1. प्लेट में सेहत नहीं, बीमारियों का ढेर: जांच रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासे

हाल ही में अलग-अलग इलाकों से लिए गए सैंपल और विशेषज्ञों की राय के आधार पर जो तथ्य सामने आए हैं, वे किसी के भी रोंगटे खड़े कर देने के लिए काफी हैं:

दूध और डेयरी उत्पाद: दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, स्टार्च और सिंथेटिक केमिकल की भारी मिलावट। पनीर और मावा (खोया) को सिंथेटिक तेल और हानिकारक डिटर्जेंट से तैयार किया जा रहा है।

मसाले और खाद्य तेल: लाल मिर्च पाउडर में ईंट का चूरा और हानिकारक रंग, धनिया पाउडर में लकड़ी का बुरादा, और सरसों के तेल में कार्सिनोजेनिक (कैंसर पैदा करने वाले) सस्ते तेल की मिलावट।

सब्जियां और फल: हरी सब्जियों को चमकीला दिखाने के लिए कॉपर सल्फेट और केमिकल युक्त रंगों से धोया जा रहा है, जबकि फलों को रातों-रात पकाने के लिए खतरनाक 'कार्बाईड' का इस्तेमाल हो रहा है।

2. 'सेटिंग' का खेल: हफ्ता वसूली के बदले बिकी जनता की सांसें!

'महानगर मेट्रो' की टीम ने जब इस पूरे मामले की अंदरूनी परतें उघाड़ीं, तो विभाग के अधिकारियों और मिलावटखोरों के बीच का गठजोड़ बेनकाब हो गया।

नाममात्र के छापे: त्योहारी सीजन या मीडिया के दबाव में जो छापे मारे भी जाते हैं, वे सिर्फ 'दिखावा' होते हैं। छोटे दुकानदारों को बलि का बकरा बनाया जाता है, जबकि सिंडिकेट चलाने वाले बड़े मगरमच्छ आसानी से बच निकलते हैं।

लैब रिपोर्ट में हेरफेर: सैंपल लेने के बाद महीनों तक जांच रिपोर्ट दबाकर रखी जाती है। सेटिंग होते ही 'असुरक्षित' सैंपल की रिपोर्ट को कागजों में 'सुरक्षित' बना दिया जाता है।

हफ्ता वसूली का फिक्स रेट: सूत्र बताते हैं कि हर इलाके के मिलावटखोरों से अधिकारियों का मासिक कट तय है। पैसा पहुंचता रहता है, और कार्रवाई के नाम पर केवल फाइलें धूल फांकती रहती हैं।

3. डॉक्टरों की चेतावनी: कैंसर और लिवर फेलियर के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

शहर के शीर्ष डॉक्टरों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में पेट के गंभीर रोग, कैंसर, लिवर और किडनी फेलियर के मरीजों की संख्या में 40% तक का इजाफा हुआ है।

'हम जो रोज खा रहे हैं, वह धीरे-धीरे हमारे अंगों को सड़ा रहा है। यह कोई साधारण अपराध नहीं है, यह एक तरह का 'स्लो मर्डर' है।'

— डॉ. ए. के. शर्मा
(वरिष्ठ फिजिशियन)

हमारा संकल्प: महानगर मेट्रो इस जानलेवा सिंडिकेट के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखेगा। जब तक इन गुनहगारों और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कानूनी शिकंजा नहीं कसता, हमारी खोजी टीम इस भ्रष्टाचार की हर एक परत को जनता के सामने लाती रहेगी।

महानगर मेट्रो के 4 तीखे सवाल

सवाल 1: जब हर मोड़ पर नकली और मिलावटी सामान बिक रहा है, तो खाद्य सुरक्षा निरीक्षक अपनी बंद वातानुकूलित गाड़ियों से बाहर क्यों नहीं निकलते?

सवाल 2: जिन दुकानों से मिलावटी सैंपल फेल पाए गए, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द करने के बजाय सिर्फ मामूली जुर्माना लगाकर छोड़ क्यों दिया जाता है?

सवाल 3: आम जनता के टैक्स के पैसों से चल रही सरकारी टेस्टिंग लैब आखिर किसके दबाव में फर्जी रिपोर्ट तैयार करती हैं?

सवाल 4: क्या शासन और प्रशासन किसी बड़े जन-स्वास्थ्य हादसे का इंतजार कर रहा है, तभी मिलावटखोरों पर नकेल कसी जाएगी?

यूपीआई शुल्क से आमजन की जेब पर बढ़ेगा बोझ

● स्मार्ट स्कूल से पहले बुनियादी सुविधाएं जरूरी : मायावती

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 15 अक्टूबर से लागू होने वाली नई यूपीआई शुल्क व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के बाद अब इस पर शुल्क लगाने की व्यवस्था से आम जनता के खर्च पर असर पड़ सकता है। मायावती ने उत्तर प्रदेश में 14,429 परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल बनाने के लिए मंजूर करीब 300 करोड़ रुपये की योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा से पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को पहले खूब बढ़ावा देने

के बाद अब सरकार द्वारा उस लेनदेन पर शुल्क वसूलने की नई व्यवस्था लोगों की नजर में प्रथमदृष्टया मुनाफाखोरी के पूंजीवादी रवैये के तहत जनता से दोनों हाथों से टैक्स वसूली है, जिससे जनता में बेचैनी व आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की इस व्यवस्था को 'कर' मानने को तैयार नहीं है, लेकिन 15 अक्टूबर से लागू होने वाली इस व्यवस्था को चाहे जो भी नाम दिया जाये, जेब तो अन्ततः आम जनता की ही कटेगी, उसका ही खर्च बढ़ेगा। मायावती ने कहा कि साथ ही, यह भी सर्वविदित है कि देश की बहुसंख्यक जनता अपार गरीबी व जबरदस्त महंगाई आदि की मार से त्रस्त है व उनके बच्चे अशिक्षा, बेरोजगारी व अव्यवस्था आदि से पीड़ित हैं; ऐसे में सरकार की नीति व कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक कम व कल्याणकारी ज़्यादा हो तो यह उचित होगा।

पंजाब के बटाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला

फेंके गए अंडे-टमाटर

एजेंसी

बटाला । पंजाब के बटाला में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर हमला हुआ है। कुछ लोगों ने उनके काफिले पर अंडे और टमाटर फेंके। इस हमले के बाद बिट्टू ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं और तीन हमलावरों को पकड़ने का दावा किया है। रवनीत सिंह बिट्टू पर बटाला के घासीतपुर गांव के पास हमला हुआ है। वह ड्रग्स के खिलाफ भाजपा की यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी बीच उनके काफिले पर हमला हुआ। कई लोगों ने अंडे और टमाटर फेंके। साथ ही, लोगों को नारेबाजी करते हुए देखा गया। बिट्टू ने दावा किया कि इस हमले में उनकी गाड़ी के शीशे भी टूटे हैं। घटनास्थल पर ही रवनीत बिट्टू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'आज हमें ड्रग्स के खिलाफ एक यात्रा निकालनी थी, क्योंकि आम आदमी पार्टी की सरकार और ड्रग एडिक्ट्स सब मिले हुए हैं। वे पिछले साढ़े चार साल से यही कर रहे हैं। वहां करीब 500 लोग थे। मैं अपनी गाड़ी से उनके बीच से गुजरा। मेरे पास जेड-प्लस सिक्योरिटी है और मेरे साथ करीब 100 सुरक्षाकर्मी होते हैं। सुरक्षा के लिए स्थानीय डीएसपी और एसपी भी पुलिस के साथ वहां मौजूद थे।' उन्होंने तीन लोगों को पकड़ने का दावा करते हुए कहा कि इन लोगों को फोन जब्त कर लिए गए हैं। उनके फोन चालू हैं, जिन पर लगातार कहा जा रहा था कि 'उन्हें घेरो, उन्हें मारो, उनकी जान ले लो।' उन्होंने गाड़ियों पर हमला किया और गाड़ियों की खिड़कियां तोड़ दीं। अंडे और टमाटर तो छोटी बात है।

दुबई-अमृतसर उड़ान के 8 क्रू सदस्य तीन महीने के लिए निलंबित, ब्रीथ एनालाइजर जांच में देरी पर कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने दुबई-अमृतसर उड़ान से जुड़े आठ क्रू सदस्यों को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया है। इनमें चार पायलट भी शामिल हैं। यह कार्रवाई अनिवार्य उड़ान के बाद होने वाली श्वास विश्लेषक जांच में देरी को लेकर की गई है। मामला 2 अगस्त को संचालित दुबई-अमृतसर उड़ान का है। विमान के अमृतसर स्थित श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद सभी क्रू सदस्यों को निर्धारित दो घंटे के भीतर शराब की जांच करानी थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान के बाद क्रू सदस्य पहले होटल चले गए थे। इसके बाद वे हवाई अड्डे पर लौटे और निर्धारित समय के बजाय उतरने के करीब दो घंटे 35 मिनट बाद श्वास विश्लेषक जांच कराई। जांच में सभी आठ सदस्यों की रिपोर्ट नकारात्मक आई, यानी उनके शरीर में शराब की मौजूदगी नहीं मिली। इसके बावजूद निर्धारित समयसीमा में जांच नहीं कराने को विमानन सुरक्षा नियमों का उल्लंघन माना गया। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को दी। इसके बाद सभी आठ क्रू सदस्यों को ड्यूटी से हटा दिया गया। निलंबन की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया और विमानन सुरक्षा संबंधी नियमों के पालन से जुड़ी है। पायलटों की शराब संबंधी जांच का मुद्दा इससे

पहले 4 अगस्त को हुई फुकेट-दिल्ली उड़ान की घटना के बाद भी सामने आया था। इस उड़ान के दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था। घटना के बाद विमान के मुख्य पायलट की जांच की गई थी, जिसमें शराब की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। इसके बाद एअर इंडिया अपने सभी पायलटों की प्रतिबंधित पदार्थों और दवाओं से संबंधित अतिरिक्त जांच कर रही है। यह जांच प्रशिक्षण तथा उड़ान के बाद की प्रक्रिया के दौरान की जा रही है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने पायलटों और अन्य कर्मचारियों से मनो-सक्रिय पदार्थों के इस्तेमाल या उन पर निर्भरता से जुड़ी जानकारी स्वेच्छा से देने की अपील की है। एयरलाइन के अनुसार, ऐसी जानकारी को गोपनीय रखा जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर ही चिकित्सा, मानव संसाधन तथा उड़ान सुरक्षा अधिकारियों के साथ साझा किया जाएगा।

'झूठ का प्रोपेगेंडा चला रहे राहुल गांधी'

● यूपीआई भुगतान चार्ज पर कांग्रेस को भाजपा नेताओं का जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को समर्थन से कांग्रेस सांसदों के इनकार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी झूठ का एक प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। यूपीआई चार्ज विवाद पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि विपक्ष जो कुछ भी कर रहा है, वह उसकी मजबूरी है, क्योंकि उसके पास कोई और काम नहीं है। चुनावों में जनता उन्हें लगातार पराजित करती है, तो राजनीति नैरेटिव बनाने के लिए विपक्ष ऐसे बयानबाजी करता है। हर विषय पर विपक्ष ने विवाद खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि यूपीआई से देश को बहुत बड़ा लाभ हुआ है। 95 प्रतिशत से अधिक लोग

यूपीआई ट्रांजेक्शन चार्ज से बाहर हैं। ऐसे में गलत बयानबाजी और आंकड़े देकर विपक्ष लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है।' बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, 'किसी भी काम का विरोध करना कांग्रेस की नीयती बन चुकी है। आज डिजिटल भुगतान के माध्यम से देश में क्रांति आई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों में बताया गया कि 97 प्रतिशत लेनदेन डिजिटली हो रहा है। कांग्रेस के नेता, जो बयान दे रहे हैं, उसमें यूपीआई पर व्यक्ति से व्यक्ति एक भी रुपए चार्ज नहीं लगेगा। छोटे दुकानदार महीने में एक लाख रुपए तक की बिक्री यूपीआई के माध्यम से करते हैं तो उस पर भी चार्ज नहीं है। इससे ऊपर से यूपीआई पेमेंट पर जो चार्ज लगेगा, वह दुकानदार पर लगेगा।' सरावगी ने कहा कि इससे आम जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 2 हजार रुपए तक के यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट को भी कोई चार्ज नहीं देना है। व्यक्ति से व्यक्ति कितना भी लेनदेन करें, उस पर कोई चार्ज नहीं है।

यूपीआई पर एमडीआर से जुड़े प्रस्ताव पर समर्थन देने से गौरव गोगोई और मनीष तिवारी के इनकार को लेकर भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा, 'दस्तावेज झूठ नहीं बोलते हैं। इस मामले का अध्ययन करने के लिए उस समय संसदीय उप समिति बनी थी और जो रिपोर्ट सौंपी गई थी, उसमें कांग्रेस के सांसदों ने भी समर्थन दिया था। इन नेताओं में पी. चिदंबरम, गौरव गोगोई और मनीष तिवारी भी थे। वे खुद से समिति में रहकर वकालत करते हैं यूपीआई भुगतान पर चार्ज होना चाहिए। बाहर निकलकर वे इनकार करते हैं। इसे बेशर्मी ही कहा जा सकता है।'

यूजीसी-नेट जून 2026 की फाइनल आंसर-की जारी

● एनटीए ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । यूजीसी-नेट जून 2026 के इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की फाइनल आंसर-की जारी कर दी गई है। इन विषयों की पुनर्परीक्षा 9 और 10 सितंबर को देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी संबंधित फाइनल आंसर-की जाकर देख सकते हैं। एनटीए ने एक बयान जारी कर बताया कि इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की फाइनल आंसर-की जारी कर दी गई है, जिसे वेबसाइट पर देखा जा सकता है। इंग्लिश और कॉमर्स विषयों की पुनर्परीक्षा 9 सितंबर को आयोजित की गई थी। इंग्लिश का पेपर पहली शिफ्ट में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, जबकि कॉमर्स का पेपर दूसरी शिफ्ट में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक हुआ था।

वहीं, सोशियोलॉजी की परीक्षा 10 सितंबर को पहली शिफ्ट में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई थी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी के प्रश्नपत्रों में कई गलतियां होने की शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों की जांच के लिए एक समिति गठित की गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश की संभावनाएं कम

वायु गुणवत्ता 'ग्रीन जोन' में बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, अब

बारिश की संभावनाएं काफी हद तक कम हो गई हैं। आने वाले दिनों में आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं, जिससे लोगों को तेज धूप से कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, 18 सितंबर को दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) का स्तर 70 से 60 प्रतिशत के बीच रहेगा। इस दिन आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 19 और 20 सितंबर को भी मौसम लगभग इसी तरह का रहेगा। दोनों दिनों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हवा में नमी 19 तारीख को 70 से 55 प्रतिशत और 20 तारीख को 65 से 55 प्रतिशत रहने का अनुमान है। दोनों ही दिन आंशिक बादल छाए रहेंगे।

मौसम विभाग के मुताबिक, 21, 22 और 23 सितंबर को दिल्ली का आसमान और भी साफ हो जाएगा। इन तीनों दिनों में मौसम 'मुख्यतः साफ' रहेगा। तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

मौसम के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता भी लोगों के लिए राहत भरी है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हवा की गुणवत्ता 'ग्रीन जोन' यानी संतोषजनक श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली के प्रमुख मॉनिटरिंग स्टेशनों की बात करें तो आया नगर (62), बवाना (58), आशोक विहार (70), कैंटोनमेंट एरिया (71), कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (71), अलीपुर (74) और चांदनी चौक (83) में एक्यूआई 100 के नीचे यानी ग्रीन जोन में है।

कांग्रेस ने धामी सरकार पर उत्तराखंड अडाणी को बेचने का आरोप लगाया

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने उत्तराखंड की धामी सरकार को निशाना बनाते हुए धामी सरकार पर राज्य को गौतम अडाणी को बेचने का आरोप लगाया है ।कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता ने पवन खेड़ा ने धामी सरकार पर आरोप लगाया कि उत्तराखंड में ज्वाइंट वेंचर के तहत थर्मल पावर प्लांट लगाने की योजना बनाई गई थी । जिसके तहत दो पब्लिक सेक्टर यूनिट - यूजीवीएन और टीएचडीसी मिलकर लगाएंगे जिससे उत्तराखंड में बिजली की आपूर्ति को और बेहतर बनाया जाए । लेकिन 1320 मेगावाट की इस परियोजना को उत्तराखंड में मंजूरी मिलने के छह महीने के अंदर ही ये कहकर बंद कर दिया गया कि इसे पीएसयू समय पर पूरा नहीं कर सकती। वहीं दूसरी तरफ़ गौतम अडाणी का अडाणी पावर लगभग हज़ार किलोमीटर दूर छत्तीसगढ़ के अमरकंटक में 1320 मेगावाट के एक थर्मल पावर प्लांट का अधिग्रहण कर रहा था। पवन खेड़ा ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार पर बिजली आपूर्ति का ये टेंडर नियमों में बहुत बड़ा परिवर्तन कर गौतम अडाणी को देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही यूपीसीएल पर 86 में से 84 नियमों को गौतम अडाणी के पक्ष में बदलने का भी आरोप लगाया जिससे राज्य के थर्मल पावर प्लांट को गौतम अडाणी को आसानी से बेचा जा सके।

पासपोर्ट पर नया नियम लागू

15 साल से कम उम्र के बच्चों का पासपोर्ट अब 5 साल तक रहेगा वैध

एजेंसी

नई दिल्ली । 15 साल से कम उम्र के बच्चों को जारी होने वाले साधारण भारतीय पासपोर्ट अब पांच साल या बच्चे के 18 साल का होने तक, जो भी पहले हो, तक वैध रहेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नए नियमों के तहत यह बदलाव किया गया है। पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026, भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है, जो पासपोर्ट नियम, 1980 में संशोधित करता है। संशोधित नियम 12(1ए) के तहत, 15 साल से कम उम्र के बच्चे को जारी किया गया 36 पन्नों वाला साधारण पासपोर्ट जारी होने की तारीख से पांच साल की अवधि तक, या बच्चे के 18 साल

की उम्र पूरी होने तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा।15 सितंबर की अधिसूचना में पासपोर्ट आवेदन शुल्क से संबंधित नियम 8 में भी संशोधन किया गया है, जिसमें कहा गया है कि आवेदन की प्रत्येक श्रेणी के लिए देय शुल्क नियमों की अनुसूची IV में निर्दिष्ट के अनुसार होगा। संशोधित नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू हो गए हैं। विदेश मंत्रालय ने 1 जुलाई से पासपोर्ट से जुड़ी सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी की थी। बढ़ा हुआ शुल्क नए पासपोर्ट आवेदन, नवीनीकरण, तत्काल सेवाओं, खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के बदले नए पासपोर्ट, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) और अन्य पासपोर्ट से जुड़ी सेवाओं पर लागू है। आठ साल से कम उम्र के बच्चों और 60 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए नए पासपोर्ट आवेदन पर 10 प्रतिशत की छूट जारी रहेगी।

खराब सड़क निर्माण ने सोसायटियों को खाई में धकेला: 50 से ज़्यादा घरों में आधा फुट पानी घुसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। यहां शिनोर चौकड़ी के पास विमल सोसायटी, साथ ही गोविंद पार्क-1 और गोविंद पार्क-2 इलाकों में वहीवटदार की बड़ी लापरवाही और अनाड़ी काम सामने आया है। सिर्फ़ सामान्य और सिर्फ़ बारिश में ही नहीं, पूरी सोसायटी चमगादड़ बन गई हैं। वहीवटदार के अनाड़ी सड़क निर्माण के काम की वजह से आज सैकड़ों लोगों को बहुत परेशानी हुई है।

घरों में आधा फुट पानी: गणेशोत्सव में पूजा करना भी मुश्किल

गोविंद पार्क-2 सोसायटी समेत करीब 50 घरों के लोग बहुत परेशान हैं क्योंकि आस-पास के इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। लगभग हर घर के बैठक कक्ष में आधा फुट पानी घुस गया है। पवित्र गणेशोत्सव का त्योहार चल रहा है, लेकिन घरों में स्थापित विघ्नहर्ता बप्पा की मूर्तियों के बीच पूजा-अर्चना करना और छोटे बच्चों को स्कूल भेजना बहुत मुश्किल हो गया है। वहीवटदार का लचर काम और टूटी जल निकासी लाइन इसकी मुख्य वजहें हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पिछले 20 दिनों से इलाके में नई सड़क का काम चल रहा है। सड़क के काम के दौरान पुरानी जल निकासी लाइन तोड़ दी गई और पानी निकलने का कोई दूसरा इंतज़ाम नहीं किया गया। नतीजतन, सामान्य बारिश का पानी भी बाहर निकलने के बजाय सीधे सोसायटी में भर गया है।

अधिकारियों की बेपरवाही के खिलाफ लोगों का गुस्सा: गांधीवादी तरीके से आंदोलन की तैयारी

स्थानीय लोगों ने जलभराव की इस गंभीर समस्या के बारे में वहीवटदार और संबंधित अधिकारियों से बार-बार दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब या सही जवाब नहीं मिला। वहीवटदार की इस गैर-जिम्मेदाराना नीति के खिलाफ निवासियों में बहुत गुस्सा है। स्थानीय लोगों ने साफ तौर पर धमकी दी है कि अगर वहीवटदार ने पानी की निकासी का तुरंत और पक्का समाधान नहीं किया तो पूरी सोसायटी के लोग सड़कों पर उतरकर गांधीवादी तरीके से जमकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

पीपलग ओवरब्रिज पर कार पलटी: राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के पानी से बड़ा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पीपलग। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर पीपलग ओवरब्रिज के पास एक भयानक हादसा हुआ है। सड़क पर बारिश के पानी की वजह से चालक गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा और कार अचानक पलट गई। खुशकिस्मती से इस हादसे में बड़ी जनहानि टल गई, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के पानी की वजह से हुए इस हादसे से गाड़ी चलाने वालों और स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है। स्थानीय लोगों और

लगातार चलने वाले गाड़ी चलाने वालों के आरोपों के मुताबिक, सामान्य बारिश में भी पीपलग ओवरब्रिज और राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे भारी मात्रा में पानी भरा रहता है। सड़क पर पानी भरने की वजह से तेज रफ्तार गाड़ियों के फिसलने या नियंत्रण खोने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इस बारे में कई बार शिकायत करने के बाद भी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पानी निकालने के लिए कोई पक्का काम नहीं किया है। इस हादसे ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि शुल्क (टोल) वसूलने में डूबा राष्ट्रीय राजमार्ग वहीवटदार गाड़ी चलाने वालों की सुरक्षा को लेकर कितना बेपरवाह है। अगर समय रहते बारिश के पानी की निकासी का सही इंतज़ाम नहीं किया गया तो यह जगह आने वाले दिनों में किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। गाड़ी चलाने वालों की मांग है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और संबंधित अधिकारी पीपलग ओवरब्रिज के आसपास जमा हो रहे पानी को निकालने के लिए तुरंत सही जल निकासी प्रणाली बनाएं और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

18,500 करोड़ का सालाना बजट पानी में चला गया? शेला इलाके को वहीवटदार ने 'वेनिस' बना दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मेगा शहर और स्मार्ट शहर अहमदाबाद को 'पेरिस' बनाने के बड़े-बड़े झूठे दावे करने वाली अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) का असली चेहरा सामान्य मानसून की बारिश में सामने आ गया है। पश्चिमी अहमदाबाद का शेला इलाका, जो बेहद पॉश और महंगा माना जाता है, आज बारिश के पानी की सही निकासी की व्यवस्था न होने की वजह से पूरे 'वेनिस' शहर की तरह झील में बदल गया है। कीचड़ और कीचड़ और चारों तरफ घुटनों तक पानी भरने की वजह से शेला के लोग घरों में रहने को मजबूर हैं, जबकि पूरे इलाके में शासकों के खिलाफ भारी गुस्सा है। 18,500 करोड़ रुपये के सालाना बजट का हिसाब कौन देगा? हर साल जनता की जेब से अरबों रुपये संपत्ति कर और विकास कर के तौर पर वसूलने वाली निगम पर अब सीधे सवाल उठ रहे हैं। शेला और आस-पास के इलाकों में जल निकासी और बारिश के पानी की पाइपलाइन बिछाने में हुए करोड़ों के भ्रष्टाचार की वजह से आज यह नौबत आई है। महापौर हितेश बारोट और स्थायी समिति अध्यक्ष कमलेश पटेल: क्या आप कभी इस जल-बम वाली हालत के बीच ज़मीनी स्तर पर आकर जनता की अदालत में जवाब देने की हिम्मत दिखाएंगे? नगर निगम आयुक्त साहब: इतना बड़ा सालाना बजट आखिर किस में जा रहा है? नागरिकों की असली समस्याएं वातानुकूलित कक्ष में बैठकर या सोशल मीडिया पर लुभावनी वीडियो बनाकर हल नहीं की जा सकतीं। अगर आप सड़क पर निकलकर देखेंगे तो पता चल जाएगा कि यह 'स्मार्ट शहर' है या सिर्फ 'टूटी सड़को वाला शहर'! पूरब से पश्चिम तक जनता बदहाल: जनता के कर से अफ़सरों का मुनाफा? पूर्वी अहमदाबाद के नागरिक पिछले कई सालों से टूटी-फूटी सड़कों, उफनते नालों और जलभराव से परेशान हैं। लेकिन अब शेला और बोपल जैसे पॉश इलाकों, जो करोड़पतियों और मध्यम वर्ग के नए घर हैं, को बदहाल बनाकर वहीवटदार ने साबित कर दिया है कि उनके पास सही योजना नाम की कोई चीज़ नहीं है। शहर में यह गरमागरम बहस का विषय बन गया है कि चुनाव जीतने या कार्यालय में नए पार्षद बनने के बाद बड़ी आलीशान कारें, बंगले और आलीशान जीवन शैली कहाँ से आती है? सिर्फ़ 18,000 रुपये महीने के वेतन में इतना मज़ा और मनोरंजन कैसे मुमकिन है? गरीब और मध्यम वर्ग की मेहनत की कमाई से कर के पैसे से यह मुनाफ़ाखोरी और भ्रष्टाचार कब रुकेगा? वहीवटदार को तुरंत जागना चाहिए वरना ज़ोरदार आंदोलन के लिए तैयार रहना चाहिए! अहमदाबाद में भूमिगत मार्ग बंद होना, सड़कें बह जाना और सोसाइटियों में पानी घुसना जैसी घटनाएँ अब रोज़ की बात हो गई हैं। अगर एएमसी ने तुरंत शेला इलाके से पानी निकालने के लिए पंप नहीं लगाए और टूटी-फूटी सड़कों की मरम्मत नहीं की, तो यह तय है कि आने वाले दिनों में शेला समेत पूरे शहर के लोग सड़कों पर उतरकर नगर निगम के अधिकारियों और अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

IKDRC और GUTS में 'मोदी' राज?

गुजरात के प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों में प्रशासनिक अनियमितताएं

वित्तीय घोटाले और खुलेआम भाई-भतीजावाद का पर्दाफाश, रजनीकांत मकवाणा के सनसनीखेज खुलासे

6 साल से गैर-कानूनी 'इंचार्ज' शासन, पति कुलपति, पत्नी डीन और दोषियों को प्रमोशन का खेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात के अत्यंत संवेदनशील और प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों ह्वयष्ठत्रष्ट (इंसटीट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एंड रिसर्च सेंटर) और त्नड्ढस्न (गुजरात यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज) में इस वक्त इलाज नहीं, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग, वित्तीय घोटालों और खुलेआम पनपते भाई-भतीजावाद का खेल चल रहा है। रजनीकांत मकवाणा द्वारा जारी किए गए सबूतों ने इन संस्थानों के प्रशासनिक खोखलेपन को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है।

आइए समझते हैं कि कैसे इन संस्थानों में नियमों और कानूनों को ताक पर रखकर सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है:

1. आरोपी खुद बना जज: कुदरती न्याय के सिद्धांतों की धज्जियां

त्नड्ढस्न के इंचार्ज कुलपति डॉ. प्रांजल मोदी के खिलाफ गंभीर अनियमितताओं की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस शिकायत की जांच के लिए इसे ह्वयष्ठत्रष्ट के निदेशक (डायरेक्टर) के पास भेजा गया। लेकिन असली खेल यहीं हुआ–डॉ. प्रांजल मोदी खुद ही IKDRC के निदेशक हैं! उन्होंने अपने ही खिलाफ

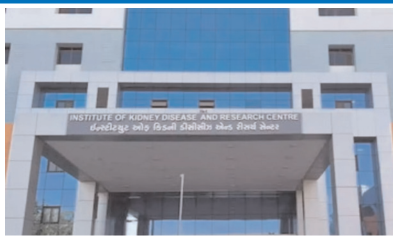

आई शिकायत पर खुद हस्ताक्षर करके केस बंद (Case Closed) कर दिया। 'आरोपी खुद अपना जज बने '–कानून का ऐसा मजाक बनाकर कुदरती न्याय के सिद्धांतों को तार-तार कर दिया गया।

2. पिछले 6 साल से गैर-कानूनी 'इंचार्ज' शासन

'द गुजरात यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2024' के अनुसार, कुलपति की नियुक्ति 5 साल के निश्चित अनुबंध (कांट्रैक्ट) के आधार पर सिर्फ सार्वजनिक विज्ञापन और सर्च कमेटी की सिफारिश से ही हो सकती है। कानून में स्थायी 'इंचार्ज' पद का कोई प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद, बिना किसी विज्ञापन या सर्च कमेटी के, डॉ. प्रांजल मोदी अक्टूबर 2020 से (पिछले 6 सालों से) गैर-कानूनी तरीके से इस पद पर काबिज हैं।

3. पति 'कुलपति' और पत्नी 'डीन':

भाई-भतीजावाद की पराकाष्ठा

डॉ. प्रांजल मोदी खुद बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन हैं। उन्होंने संस्थान के अत्यंत वरिष्ठ और योग्य प्रोफेसरों को नजरअंदाज करते हुए अपनी ही पत्नी डॉ. मनीषा मोदी को त्नड्ढस्न का डीन (Dean) नियुक्त कर दिया। यह सीधे तौर पर हितों के टकराव (Conflict of Interest) और खुलेआम भाई-भतीजावाद (Nepotism) का जीता-जागता सबूत है।

4. दोषी कर्मचारी को 'ट्रिपल चार्ज' और प्रमोशन का इनाम

वर्ष 2015 में अपनी माताजी के फर्जी मेडिकल बिल क्लेम घोटाले में असिस्टेंट अकाउंटेंट (वर्ग-3) कमल मोदी दोषी साबित हुए थे और जांच समिति ने उन्हें बड़ी सजा देने की सिफारिश की थी। लेकिन सजा देने के बजाय उन्हें पदोन्नति (प्रमोशन) दी गई और त्नड्ढस्न यूनिवर्सिटी में Registrar, Chief Administrative Officer और Chief Accounts Officer–ये तीनों सबसे ताकतवर प्रशासनिक और वित्तीय पद एक साथ सौंप दिए गए।

5. बिना NOC के असंवैधानिक भर्ती

जब यूनिवर्सिटी द्वारा CAO के स्थायी पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई, तो कमल मोदी को उनके मूल विभाग से अनिवार्य 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' लिए बिना ही नियुक्त कर दिया गया। यह कदम पूरी भर्ती प्रक्रिया को असंवैधानिक बनाता है।

6. इंजीनियर बने 'परीक्षा नियंत्रक': सरकारी खजाने की बर्बादी

ह्वयष्ठत्रष्ट के पास तकनीकी और इंजीनियरिंग स्टाफ पहले से मौजूद होने के बावजूद, त्नड्ढस्न में अलग से सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों की भर्ती करके सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ डाला गया। ताज्जुब की बात यह है कि इनमें से एक इंजीनियर को उनके मूल काम के बजाय शैक्षणिक रूप से बेहद संवेदनशील Controller of Examinations (परीक्षा नियंत्रक) का प्रभार सौंप दिया गया है।

महानगर मेट्रो का बड़ा सवाल:

मरीजों की सेवा और मेडिकल शिक्षा के लिए बने ये संस्थान क्या कुछ लोगों के व्यक्तिगत स्वार्थ और प्रशासनिक अराजकता की बलि चढ़ते रहेंगे? कानून की धज्जियां उड़ाने वाले इन जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कब होगी?

अहमदाबाद में कुदरती बारिश या वहीवटदारी आफ़त: बीजेपी नेताओं और अफ़सरों की लापरवाही ने शहर को पानी में डुबो दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 18 सितंबर को हुई भारी बारिश के बाद बने भयानक हालात ने पूरे शहर को बंधक बना लिया है। बारिश भले ही कुदरती हो, लेकिन वहीवटदार की बड़ी लापरवाही और नाकाबिलियत ने इसे पानी की आफ़त बना दिया है।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक और प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने बीजेपी नेताओं और स्थानीय वहीवटदार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि अहमदाबाद को त्योहारों की चमक-दमक नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा, ज़िम्मेदारी और पारदर्शिता चाहिए। राजनीतिक जश्न और चापलूसी के चक्कर में पिछली गलतियों से कोई सबक नहीं सीखा गया है। पहले नर्मदा बांध से अचानक पानी छोड़ा गया था और भरूच और अंकलेश्वर के इलाके डूब गए थे, वही गलती आज अहमदाबाद में दोहराई गई है।

साबरमती नदी को सिर्फ़ दो किनारों पर बहता दिखाने के लिए साबरमती नदी के सभी गेट बंद रखकर वासना बैराज का जल स्तर 136.50 फ़ीट तक बढ़ा दिया गया।

आम हालात में और नगर निगम के नियमों के मुताबिक, जब भारी बारिश का अनुमान हो, तो नदी का स्तर 129 फीट से ऊपर नहीं जाना चाहिए। लेकिन, मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद, नदी को क्षमता से ऊपर रखा गया। अगर यह जमा पानी योजना के मुताबिक रात में धीरे-धीरे खाली कर दिया जाता, तो सुबह की बारिश का पानी शहर में बाढ़ लाने के बजाय आसानी से बह जाता। लेकिन अधिकारियों की नाकाबिलियत की वजह से सुबह एक साथ वासना बैराज के 14 गेट खोलकर 26,000 क्यूसेक पानी छोड़ना पड़ा। इस जल्दबाजी में लिए गए फैसले से निचले इलाकों, नीचे के गांवों और जमावड़े वाली जगहों को बहुत नुकसान हुआ है।

सबसे गंभीर सवाल यह है कि एक साथ 14 गेट खोलने से पहले निचले इलाकों में रहने वाले हजारों परिवारों को पहले से चेतावनी क्यों नहीं दी गई? क्या प्रशासन की यह ज़िम्मेदारी नहीं थी कि वह एसएमएस, सायरन या सार्वजनिक बयान के ज़रिए जनता को चेतावनी देता? 2016 की बाढ़ और वडोदरा में विश्वामित्री नदी की घटनाओं के बाद भी प्रशासन सबक सीखने को तैयार नहीं है। अहमदाबाद के लोगों की सुरक्षा के खिलाफ उठाए गए इन गंभीर मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने मांग की है कि इस पूरी घटना की समय पर और स्वतंत्र तकनीकी जांच की जाए। बैराज का हर घंटे का पानी का स्तर, पानी का बहाव, गेट खुलने का समय, पहले चेतावनी के सबूत और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की जांच की जाए।

मानक संचालन प्रक्रिया का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के नाम सार्वजनिक किए जाएं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अहमदाबाद में पानी की बमबारी करने वाले प्रशासन की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

सोमनाथ महादेव के भक्तों के लिए अच्छी खबर

एनआईडी और जीपीसीबी के संयुक्त उद्यम से प्रसाद लंबे समय तक ताज़ा और सुरक्षित रहेगा: प्लास्टिक-मुक्त अभियान को मिलेगी नई ताकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोमनाथ। पहले ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के दर्शन के लिए देश-विदेश से आने वाले लाखों भक्तों के लिए एक बहुत ही सुखद और खुशी की खबर सामने आई है। सोमनाथ दादा के पवित्र प्रसाद को लंबे समय तक शुद्ध, ताज़ा और पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए एक खास पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग तैयार की गई है। इस नई पहल से सोमनाथ मंदिर परिसर में प्लास्टिक-मुक्त और पर्यावरण-अनुकूल व्यवस्था और मजबूत होगी।

एनआईडी और जीपीसीबी के संयुक्त उद्यम से खास व्यवस्था

इस नई पैकेजिंग का आकर्षक डिज़ाइन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन (एनआईडी) और गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) की मिली-जुली कोशिशों से तैयार किया गया है। इस डिब्बे को विशेषज्ञों की एक टीम ने बनाया है, जिसमें सोमनाथ महादेव के प्रसाद की पवित्रता, गुणवत्ता और शान को बनाए रखने को प्राथमिकता दी गई है।

षट्कोणीय आकार और मज़बूत गत्ता पूरी सुरक्षा देगा

नए पैकेजिंग डिब्बे के लिए उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य-श्रेणी गत्ते का इस्तेमाल किया गया है। इसे बहुत ही आकर्षक षट्कोणीय आकार दिया गया है। इस तकनीकी डिज़ाइन की खासियत यह है कि यह हवा और नमी से पूरी सुरक्षा देता है। इस वायुरोधक व्यवस्था की वजह से, प्रसाद बिना खराब हुए लंबे समय तक अपनी ताज़गी और स्वाद बनाए रखेगा। पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, यह पूरी तरह से प्लास्टिक-मुक्त डिब्बा सोमनाथ धाम में एकल-उपयोग प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, इस डिब्बे का डिज़ाइन इतना सुंदर और मज़बूत रखा गया है कि प्रसाद इस्तेमाल करने के बाद, भक्त इसे फेंकने के बजाय अपनी सोमनाथ यात्रा की पवित्र यादगार के तौर पर घर पर रख सकेंगे। वहीवटदार और मंदिर ट्रस्ट के इस सराहनीय कदम का सोमनाथ आने वाले पर्यटकों और धार्मिक लोगों की तरफ़ से काफ़ी स्वागत हो रहा है।

राजकोट की उप महापौर दर्शनबेन वासानी पर फर्जी कागज़ात से सरकारी घर हड़पने का आरोप!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। नगर निगम (आरएमसी) में सत्ता के नशे में चूर हुक्मरानों की एक और शर्मनाक और नंगी सच्चाई सामने आई है। चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि राजकोट की उप महापौर दर्शनबेन वासानी ने झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में बहुत गरीब और बेसहारा परिवारों को जो सरकारी घर दिए थे, वे झूठे और फर्जी कागज़ात के आधार पर लिए गए थे। करोड़पति नेताओं द्वारा गरीबों के सिर से छत छीनकर अपने घर भरने की नीति अपनाने से पूरे राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। चुनाव के दौरान जमा किए गए अपने आधिकारिक शपथ पत्र में करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति बताने वाली उप महापौर दर्शनबेन वासानी को झुग्गी-झोपड़ी हटाने और गरीब आवास योजना के तहत फ्लैट कैसे मिल गया? यही सबसे बड़ा सवाल है।

एक बड़े नेता का ऐसी योजना पर अपना हक जताना, जो सिर्फ़ झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले और गुज़ारे के लिए जूझ रहे बहुत गरीब परिवारों के लिए है, कानून और नैतिकता दोनों को तोड़ने जैसा है। यह घोटाला सिर्फ़ घर लेने तक ही सीमित नहीं था। जांच और स्थानीय बातचीत से पता चला है कि सरकारी घर मिलने के बाद उसे किसी दूसरे व्यक्ति को किराए पर भी दे दिया गया और उससे महीने की कमाई भी हो रही थी!

गरीबों के लिए बने घर को अतिरिक्त आय का ज़रिया बनाने की इस सोच ने नगर निगम की पारदर्शिता पर एक बड़ा दाग लगा दिया है। इस खुलासे के बाद, राजकोट की जनता और विरोधी दल सीधे और तीखे सवाल पूछ रहे हैं: जब झुग्गी-झोपड़ियों के असली हकदार गरीब परिवार आज भी खुले में या छप्पर के नीचे रहने को मजबूर हैं, तो इन अमीर नेताओं को किस नियम के तहत घर दिए गए? क्या नगर निगम के अधिकारियों ने बिना दस्तावेज़ों का सत्यापन किए आँख बंद करके यह आवंटन किया? क्या गरीबों के हक को कुचलने वाले ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सिर्फ कागजी जांच होगी, या उन्हें उनके पदों से बर्खास्त कर कानूनी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी?

गांधी के गुजरात में गरीबों और वंचित वर्गों के हक को इस तरह कुचलने वाले शासकों के खिलाफ जनता का गुस्सा चरम पर है। नागरिक और सामाजिक संगठन मांग कर रहे हैं कि दर्शनबेन वासानी तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें, और झूठे दस्तावेज जमा करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए।

चोरवाड़ मेले में लाखों रुपये की शराब बिकी: कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच शराब कहां से आई?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गिर सोमनाथ। जिले के चोरवाड़ में लगने वाले मशहूर झुन भवानी लोक मेले में लाखों रुपये की शराब खपाए जाने की चौंकाने वाली जानकारी ने पूरे राज्य में बड़ा हंगामा मचा दिया है। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के इस पवित्र मेले में खुलेआम शराब बिकते ही वहीवटदारी व्यवस्था और पुलिस वहीवटदार के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच इतनी शराब कैसे आई?

हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए मेले में खाकी वर्दी वालों का काफिला तैनात किया गया था। तो फिर इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी शराब मेला परिसर में कहां से आई? क्या सिर्फ प्रवेश द्वार पर नाम की जांच हो रही थी या स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से यह बड़ा खेल किया गया? ये सवाल आज हर नागरिक की जुबान पर हैं।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी साहब... जनता जवाब चाहती है!

गुजरात में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं चोरवाड़ मेले में हुई इस घटना ने राज्य के गृह विभाग की पोल खोल दी है। सोशल मीडिया से लेकर आम चर्चाओं तक, अब गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी से सीधा सवाल पूछा जा रहा है:

पवित्र लोक मेले को शराब पार्टी में बदलने वालों पर क्या कार्रवाई होगी? अगर पुलिस की नाक के नीचे लाखों रुपये की शराब बेची और पी गई, तो लापरवाह अधिकारियों में से किसे निलंबित किया जाएगा? क्या इतनी बड़ी घटना के बाद भी सिर्फ कागजी जांच करके मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा? गांधी के गुजरात में धार्मिक मेलों में शराब की इस तरह खुलेआम बिक्री देखकर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में भारी गुस्सा है। लोगों की मांग है कि इस पूरे मामले में एक उच्च-स्तरीय जांच समिति बनाई जाए और मेले की सुरक्षा में तैनात जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। अगर वहीवटदार इस मामले में संतोषजनक जवाब नहीं देता और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई नहीं करता है, तो आने वाले दिनों में यह मामला और गंभीर होने की पूरी संभावना है।

डभोई में टीवी गेट के पास तेंदुआ दिखने से स्थानीय लोगों में भारी दहशत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। शहर में टीवी गेट के पास रेलवे विकास निगम के रेलवे शेड गेट के पास रात के अंधेरे में एक तेंदुआ दिखने के दावे ने पूरे इलाके में भारी रहस्य और दहशत पैदा कर दी है। जैसे ही सोशल मीडिया पर तेंदुआ होने की फोटो वायरल हुई, स्थानीय लोगों, किसानों और गाड़ी चलाने वालों में दहशत फैल गई। आमतौर पर रात में आस-पास के गन्ने के खेतों में काम करने जाने वाले किसान और खेत मजदूर इस घटना के बाद बहुत डरे हुए हैं। रात के अंधेरे में

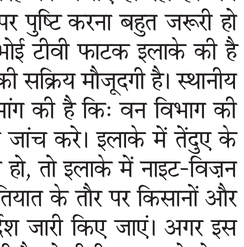

जंगली जानवरों के घूमने की इस खबर ने खेतों में जाने वाले लोगों के लिए बड़ी चिंता पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस फोटो की सच्चाई पर फिलहाल कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। वन विभाग के लिए यह आधिकारिक तौर पर पुष्टि करना बहुत जरूरी हो गया है कि वायरल फोटो असल में डभोई टीवी फाटक इलाके की है या नहीं और क्या उस इलाके में तेंदुओं की सक्रिय मौजूदगी है। स्थानीय लोगों और किसानों ने वन विभाग से मांग की है कि: वन विभाग की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरी जांच करे। इलाके में तेंदुए के पैरों के निशान जांचे जाएं। अगर ज़रूरी हो, तो इलाके में नाइट-विज़न कैमरा ट्रैप और पिंजरे लगाए जाएं। एहतियात के तौर पर किसानों और स्थानीय लोगों के लिए तुरंत दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। अगर इस इलाके में तेंदुए की मौजूदगी साबित होती है, तो टीवी फाटक से लेकर रेलवे लोको शेड और आसपास के घने गन्ने के खेतों तक पूरी पट्टी में रात की गश्त और खास निगरानी ज़रूरी होगी। लोगों की मांग है कि वहीवटदार इस मामले पर आधिकारिक सफाई दे और लोगों को डर से आज़ाद करे।

अहमदाबाद में 'स्मार्ट' कैफे की आड़ में चल रहा था हुक्का बार: सोला उच्च न्यायालय पुलिस ने छापा मारा, मशहूर कैफे का भंडाफोड़!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में नशीले पदार्थों की बिक्री को रोकने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त (क्षेत्र-01) द्वारा दिए गए विशेष निर्देशों के आधार पर, सोला उच्च न्यायालय पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने भड़ाज गांव सुपरसिटी रोड पर एक मशहूर कैफे में 'हर्बल' के नाम पर ग्राहकों को निकोटीन वाला जहर परोसने वाले एक अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ करके सख्त कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने जांच चौकियों का एक नेटवर्क बनाया। पुलिस निरीक्षक के.एन. भूकन के नेतृत्व में, पुलिस उपनिरीक्षक एन.एस. सिंह और उनकी टीम रात की गश्त पर थी। उस दौरान पुलिस को पुख्ता व सटीक सूचना मिली कि भड़ज गांव सुपरसिटी रोड पर स्थित 'द विंटेज ब्रू कैफे' के संचालक केवल निजी आर्थिक लाभ के लिए हर्बल स्वाद के बहाने ग्राहकों को अवैध रूप से निकोटीन और तंबाकू युक्त हुक्का परोस रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने दो स्वतंत्र समितियों के साथ कैफे पर अचानक छापा मारा और तलाशी अभियान चलाया। छापे के दौरान देखा गया कि कैफे के अंदर ग्राहकों को हुक्का परोसा जा रहा था। पुलिस ने मौके से कैफे संचालक हर्ष चेतनभाई पटेल (उम्र 27, निवासी भड़ज) को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह अपने साथी विशाल खेंगरभाई रबारी (निवासी वासणा) के साथ किराए पर यह कैफे चला रहा था और ज्यादा कमाई के लालच में हुक्का बार चला रहा था। 6,020/- रुपये का सामान ज़ब्त किया गया है, जिसमें शामिल हैं: हुक्का: 07 पीस (कीमत 5,600/-) फ़िल्टर: 07 पीस (कीमत 210/) स्वाद डिब्बा: सीलबंद डिब्बा और स्वाद से भरा डिब्बा (कीमत 210/)इस मामले में, सोला उच्च न्यायालय पुलिस स्टेशन में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन पर रोक और व्यापार, वाणिज्य, निर्माण, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 (कोटपा) की धारा 7 और 20(2) के तहत जुर्म दर्ज किया गया है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। सोला पुलिस ने ऐसे कैफे और हुक्का बार चलाने वालों पर कड़ा रुख अपनाया है जो युवाओं को नशे की राह पर धकेल रहे हैं और आने वाले दिनों में भी ऐसे काले धंधों के खिलाफ अभियान जारी रखने की साफ चेतावनी दी है।

उमरगाम में भयानक सड़क हादसा: स्विफ्ट कार पेड़ से टकराई, 3 दोस्तों की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वलसाड। जिले के उमरगाम तालुका में एक बहुत ही दुखद और भयानक सड़क हादसा हुआ है। होटल लौट रहे पांच दोस्तों की स्विफ्ट कार तेज रफ्तार में एक पेड़ से टकरा गई, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस भयानक हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई है, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल होने के कारण उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हादसा इतना भयानक था कि काले रंग की स्विफ्ट कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से पिचक गया और कार पलट गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों को कार में फंसे मृतकों और घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिर में कार के हिस्से काटकर शवों को बाहर निकाला गया। मिली जानकारी के मुताबिक, पांचों दोस्त होटल से रात का खाना खत्म करके अपने घर लौट रहे थे, तभी कार चालक का स्टीयरिंग से नियंत्रण खो गया और कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हादसे की आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को बताया। घटना की खबर मिलते ही उमरगाम पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शवों को शव परीक्षण के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है, जबकि गंभीर रूप से घायल दो युवक अस्पताल में ज़िंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। इस घटना के बाद मृतकों के परिवारों में दुख की लहर दौड़ गई है।

विश्व उमियाधाम में पाटीदार किसानों का भारी हंगामा: अभी फंड देना बंद करो!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जसपुर में विश्व उमियाधाम में पाटीदार किसानों का भारी गुस्सा और हंगामा सामने आया है। एक तरफ पूरे गुजरात के किसान अपने हक, सही दाम और बुनियादी सुविधाओं के लिए सरकार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ किसानों में इस आरोप को लेकर भारी गुस्सा है कि पाटीदार समाज के बड़े संगठन और नेता किसानों के मुद्दे पर चुप बैठे हैं। गुस्साए किसानों ने उमियाधाम परिसर में ऊंची आवाज में नारे लगाए और कहा: 'अभी ऐसे संगठनों को तुरंत फंड और दान देना बंद करो!' नेता सत्ता की गुलामी में डूबे हैं, किसान सड़कों पर हंगामा कर रहे हैं! किसानों ने बहुत ही तीखे शब्दों में अपना विरोध जताते हुए कहा कि पाटीदार समुदाय के नाम पर करोड़ों-अरबों रुपये इकट्ठा करने वाले संगठन और उनके पदाधिकारी सरकार के सामने किसानों का पक्ष रखने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं। जब किसान सड़कों पर उतरकर अपने हक के लिए लड़ रहे हैं, तब समुदाय के कुछ नेता अधिकारियों की चापलूसी करने और फोटो खिंचाने में लगे हुए हैं। किसानों का सीधा आरोप: संगठन के मंच से समुदाय के नाम पर सिर्फ भाषण देना और जब किसान मुश्किल में हों तो सरकार के खिलाफ मुंह तक नहीं खोलना! जागरूक किसानों का फैसला: 'गुजरात के किसान अब जाग चुके हैं। अगर नेताओं ने किसानों के पेंडिंग मुद्दों पर सरकार के खिलाफ आवाज नहीं उठाई, तो समुदाय के खुशहाल किसान इन संगठनों को एक रुपया भी फंड नहीं देंगे।

सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज: देश भर में पाटीदार किसानों का मोर्चा

गुजरात में किसान इस समय खाद की कमी, बिजली घोटाले और सही दाम न मिलने जैसी कई समस्याओं को लेकर आंदोलन की राह पर हैं। ऐसे समय में विश्व उमियाधाम में हुई इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि जमीनी किसान अब समाज के नाम पर हो रही राजनीति और गुटबाजी से तंग आ चुका है। किसानों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर पाटीदार समाज के नेता किसानों के साथ खड़े नहीं हुए और सरकार के खिलाफ मजबूती से अपनी बात नहीं रखी तो आने वाले दिनों में यह विरोध सिर्फ उमियाधाम तक ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे गुजरात में संस्थाओं के प्रमुखों और चापलूस नेताओं के खिलाफ एक उग्र आंदोलन का रूप ले लेगा!

गुजरात और भारत में बिजली का करंट 'मौत का जाल' बन गया है: हर दिन इंसान और जंगली जानवर मौत के इस चक्र का शिकार हो रहे हैं!

बिजली कंपनियों की अंधाधुंध वायरिंग और बड़ी लापरवाही से सड़कों पर मौत: एनसीआरबी के चौंकाने वाले आंकड़े व्यवस्था की पोल खोलते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात समेत पूरे देश में बिजली कंपनियों की बड़ी लापरवाही और अंधाधुंध बिछाई गई लाइनें अब लोगों और जंगली जानवरों के लिए मौत का जाल साबित हो रही हैं। हाल ही में, 229 केवी मांजा गांव के भटगाम सबस्टेशन लाइन के पास तार टूटने की घटना ने व्यवस्था के रखरखाव के काम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ये हादसे, जिन्हें सरकारी कार्यालय 'दुर्घटनावश बिजली का झटका' के तौर पर दर्ज करता है, असल में वहीवटदारी लापरवाही का नतीजा हैं।

एनसीआरबी के चौंकाने वाले आंकड़े: देश में हर दिन 30 लोगों की करंट लगने से मौत

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक: 10 साल में 1.1 लाख मौतें: 2011 से 2020 तक 10 साल के समय में पूरे भारत में करंट लगने से 1,10,000 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई। हर साल 11,000 पीड़ित: औसतन, देश में हर साल 11,000 से ज़्यादा लोगों की मौत होती है और इस इंसानी तबाही की वजह से हर दिन लगभग 30 लोगों की मौत होती है। 50' की बड़ी बढ़ोतरी: जहां 2011 में 8,945 मौतें रिपोर्ट हुई थीं, वहीं 2020 तक यह आंकड़ा बढ़कर 13,446 हो गया। अकेले साल 2020 में 2,000 महिलाओं और 1,700 मासूम बच्चों की जान चली गई। सबसे ज़्यादा प्रभावित राज्य: मध्य प्रदेश (2,412), महाराष्ट्र (1,499) और उत्तर प्रदेश (1,347) के बाद गुजरात में जिस तरह से लाइनें बेतरतीब ढंग से बिछाई जा रही हैं, उससे यह डरावने हालात हैं कि राज्य जल्द ही मौत के आंकड़ों में शीर्ष पर पहुंच सकता है।

गुजरात की दयनीय हालत: हर दिन 1 इंसान और सैकड़ों बेगुनाह जानवरों की बलि दी जाती है

गुजरात में बिजली के तारों से होने वाली मौतों का आंकड़ा भी आंखें खोलने वाला है। हाल ही में खंभालिया में करंट लगने से 2 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जानवरों का नुकसान: अकेले साल 2008-09 में राज्य में 417 लोगों की मौत हुई और 342 लोग गंभीर रूप से जल गए। इनमें से 45 मौतें टूटे तारों की वजह से, 65 लापरवाही की वजह से और 56 मौतें सही देखभाल की कमी की वजह से हुईं। 28 जून, 2025 को सूरत के पिपोदरा रोड पर करंट लगने से 7 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। 2016-17 में 249 और उससे पिछले साल 460 मवेशियों की करंट लगने से मौत हुई थी, जबकि 2008-09 में यह आंकड़ा 528 तक पहुंच गया था।

वन्यजीव भी सुरक्षित नहीं: वन विभाग और बिजली कंपनियां चुप

लटकते बिजली के तार जंगली जानवरों के लिए भी खतरे का स्थान साबित हो रहे हैं। 2010 से 2020 तक 10 सालों में 1,300 जंगली जानवरों की करंट लगने से मौत हो चुकी है। पिछले 5 सालों के आंकड़े के मुताबिक, 350 से ज़्यादा हाथी, 180 फ्लेमिंगो, 65 तेंदुए, 20 बाघ, 15 भालू और 10 शेर बिजली के तारों की वजह से अपनी जान गंवा चुके हैं।

नागरिकों के लिए ज़रूरी जानकारी और शिकायत करने का तरीका

अगर आपको अपने इलाके में कोई खुला हुआ 11 केवी तार, मुड़े हुए खंभे या खतरनाक तरीके से लटके हुए तार दिखें, तो बिना देर किए तुरंत तस्वीर लें और अधिकारियों को इस तरह बताएं: शिकायत के लिए सबसे पास की बिजली कंपनी नियंत्रण कक्ष सहायता नंबर: 19124 (यूजीवीसीएल / पीजीवीसीएल / डीजीवीसीएल / एमजीवीसीएल) मुख्य विद्युत निरीक्षक, गांधीनगर को लिखकर या ईमेल से बताएं। बिजली कंपनियों की लापरवाही से हुए हादसों में, पीड़ित परिवार या पशुपालक मुआवज़े का पूरा हक़दार है। यह ज़रूरी है कि व्यवस्था सिर्फ़ कागज़ों पर मानसून-पूर्व का काम दिखाने के बजाय ज़मीन पर मुड़े हुए खंभों और खुले तारों की मरम्मत करे।

अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात एएसआई की गोली मारकर हत्या

आम जनता कहां सुरक्षित है? कानून और व्यवस्था को हिला देने वाली भयानक घटना: सुबह-सुबह खाकी वर्दी वालों पर अंधाधुंध गोलीबारी से पूरा अमृतसर कांप उठा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमृतसर। पंजाब में कानून और व्यवस्था की हालत कितनी खराब हो चुकी है, इसका एक और खूनी और भयानक सबूत धार्मिक शहर अमृतसर से सामने आया है। यहां ड्यूटी पर तैनात एक सहायक उपनिरीक्षक (एसआई) की अज्ञात हमलावरों ने नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी। ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी की इतनी बेरहमी से हत्या से पूरे पंजाब पुलिस बल में काफी भ्रम और सन्नाटा छा गया है। इस भयानक घटना के बाद सबसे बड़ा झटका तब लगा जब 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' (टीटीएच) नाम के एक आतंकी संगठन ने इस हत्या की आधिकारिक जिम्मेदारी ली। हालांकि, पंजाब पुलिस फिलहाल इस बात से साफ इनकार कर रही है कि इस दावे में कोई आतंकी कोण है।

हमलावरों ने ड्यूटी बिंदु पर ही धावा बोला: एएसआई लहूलुहान हालत में गिर पड़े

मिली पूरी जानकारी के मुताबिक, मृतक एएसआई हरजीत सिंह अमृतसर के एक भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील इलाके में अपनी नियमित ड्यूटी पर तैनात थे। उसी समय, अचानक हथियारबंद हमलावरों ने धावा बोल दिया और हरजीत सिंह को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। गोलियां चलते ही हरजीत सिंह बुरी तरह लहूलुहान होकर ज़मीन पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों में भारी भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल हरजीत सिंह को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आतंकी संगठन का दावा या गिरोहबंद लड़ाई? पंजाब पुलिस शिविर में दहशत

हत्या के कुछ देर बाद ही सोशल मीडिया और मीडिया हलकों में खबरें फैल गईं कि 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' (टीटीएच) नाम के एक संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दावे ने राज्य के सुरक्षा तंत्र और खुफिया एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। दूसरी तरफ, पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने आधिकारिक बयान देते हुए कहा है कि अभी की शुरुआती जांच के मुताबिक, इस घटना में किसी भी आतंकवादी कोण का कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस इस मामले को आपसी रंजिश, स्थानीय आपराधिक गिरोह या किसी साज़िश के तौर पर देख रही है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला टीम और विशेष प्रकोष्ठ ने सीसीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों का स्थान खंगालना शुरू कर दिया है। फिलहाल, किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए पूरे अमृतसर शहर और आस-पास के सीमावर्ती इलाकों में कड़ी सुरक्षा कर दी गई है, और सभी गाड़ियों की गहन जांच की गई है।

सूरत के महिधरपुरा में अरबों डॉलर के सोने के कारोबार के बीच एक बड़ा धोखा

बंगाली कारीगर 1 करोड़ से ज़्यादा कीमत का 24 कैरेट शुद्ध सोना लेकर रफूचक्कर हो गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत का दिल माने जाने वाले और आभूषण उद्योग के लिए मशहूर महिधरपुरा इलाके से करोड़ों के धोखे और धोखाधड़ी की एक बहुत ही सनसनीखेज घटना सामने आई है। आकर्षक सोने के गहने और आभूषण बनाने के नाम पर एक बंगाली कारीगर एक व्यापारी का 24 कैरेट शुद्ध सोना चुराकर रफूचक्कर हो गया था, जिसे पुलिस ने पश्चिम बंगाल में उसके गृह नगर से गिरफ्तार कर लिया है।

मीठी-मीठी बातें करके जाल बिछाकर 1 करोड़ का सोना निकलवाया

सरथाना इलाके में सर्राफा का व्यापार करने वाले संदीपभाई लिंबानी ने सुनार और आकर्षक आभूषण बनाने वाले बिल्टू बलराम सामंत नाम के कारीगर पर भरोसा किया और उसे काम के बदले करोड़ों रुपये का शुद्ध सोना दिया। शुरुआत में कारीगर ने समय पर काम पूरा कर दिया और व्यापारी का गहरा भरोसा जीत लिया। लेकिन, पिछले कुछ दिनों से आरोपी सोने के आभूषण बनाने के नाम पर सिर्फ वादे कर रहा था। शक तब हुआ जब व्यापारी खुद जांच करने के लिए महिधरपुरा जड़खड़ी में उसके कार्यालय गया, वहां एक बड़ा ताला लटका हुआ था और उसका फोन भी बंद था। कुल धोखाधड़ी: 659.886 ग्राम (24 कैरेट शुद्ध सोना) कीमत: लगभग 1 करोड़ से ज़्यादा, आरोपी: बिल्टू बलराम सामंत (मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला)

पुलिस कार्रवाई में: आरोपी अपने मूल पश्चिम बंगाल से पकड़ा गया!

जैसे ही व्यापारी को एहसास हुआ कि उसके साथ करोड़ों रुपये की ठगी हुई है, वह तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंचा और आरोपी के खिलाफ धोखे और धोखाधड़ी की आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तकनीकी निगरानी, मोबाइल लोकेशन और सीसीसीटीवी फुटेज के आधार पर तेजी से जांच शुरू कर दी। पुलिस की एक विशेष टीम ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी कारीगर बिल्टू बलराम सामंत को उसके घर पश्चिम बंगाल से पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और सोना बरामद करने के लिए कानूनी कार्रवाई कर रही है।

थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव पुलिस की कार्रवाई, नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। मामले का विवरण: दिनांक 16.08.2026 को प्रार्थी ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग पुत्री दिनांक 14.08.2026 की शाम 17:00 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। प्रार्थी ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया है। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 438/26 धारा 137 (2) बीएनएस दर्ज कर घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस कार्रवाई: प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर (रा.पु.से.) तथा नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सत्यप्रकाश तिवारी (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में जांच शुरू की गई। जांच के दौरान दिनांक 17.08.2026 को अपहृता को बरामद कर पूछताछ की गई। पीड़िता ने बताया कि मनोज बड़ोले (निवासी अचानक नगर, गौरी नगर, राजनांदगांव) उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया और उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी मनोज बड़ोले (उम्र 27 साल, निवासी अचानक नगर, गौरी नगर, जिला राजनांदगांव) घटना के बाद से फरार था। पुलिस द्वारा लगातार पतासाजी कर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 64 (2) (एन), 65 (2), 351 (3), 3 (5) बीएनएस और 5 (ड), 6 पॉक्सो एक्ट जोड़कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। आज दिनांक 18.09.2026 को आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया है। उपरोक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह, सहायक उपनिरीक्षक नंदनी ठाकुर एवं थाना कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

ज्ञान के मंदिरों में सरस्वती की पूजा में गुलामी के दीये और नेताओं की चापलूसी कब से शुरू हो गई?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। यहां के विश्वेश्वरैया सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज (वीजीईसी) में आज एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जिससे पढ़ाई और अनुशासन की चिंता बढ़ गई है। कॉलेज वहीवटदार ने अचानक छात्रों के मध्य-सत्र परीक्षा का तय समय बदल दिया। सुबह की जगह शाम 5:00 बजे से 6:30 बजे तक परीक्षा रखी गई। कोई बड़ी शैक्षणिक या तकनीकी समस्या नहीं थी, लेकिन असली वजह जानकर गुस्सा आ सकता है। साहेब का जन्मदिन है और शाम को दीये जलाने और फोटो खिंचवाने की गुटबाजी है। जहां फोटो खिंचाना और नेताओं की चापलूसी छात्रों के करियर और भविष्य से ज़्यादा ज़रूरी हो गई है, वाह रे हमारा शिक्षा तंत्र! सुबह के सत्र की परीक्षाएं सिर्फ इसलिए बदली जा रही हैं ताकि छात्रों को शाम 7:00 बजे कॉलेज में बिठाकर तारीफ़ के कार्यक्रम के लिए बलि का बकरा बनाया जा सके। क्या सरकारी कॉलेज अब ज्ञान के मंदिर बन गए हैं या किसी नेता के प्रचार का अड्डा? वहीवटदार के सामने ये ज्वलंत सवाल उठ रहे हैं: क्या अब उपाधि या इंजीनियरिंग की उपाधि पढ़ाई करके नहीं, बल्कि किसी नेता की आरती उतारकर मिलेगी? एक पार्टी के नेता के फोटो खिंचाने के लिए सैकड़ों छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य से छेड़छाड़ करने का हक किसने दिया? जब वहीवटदार शिक्षा के मंदिर जैसी पवित्र जगह को राजनीतिक गुलामी का मंच बनाता है, तो उसके पेट में मरोड़ क्यों नहीं उठती? ऐसे बेवकूफी भरे आदेश देने वाले अधिकारी छात्रों के गुस्से और बुरे भविष्य से क्यों नहीं डरते? दूर-दराज से आने वाले छात्रवास के छात्रों और आने-जाने में दिक्कत झेल रहे युवाओं के लिए आखिरी समय में परीक्षा का समय बदलना कहां का इंसाफ है? शिक्षा को ऐसे सस्ते राजनीतिक तमाशों से पूरी तरह मुक्त रखना चाहिए। यह साफ और मजबूत मांग है कि आज की परीक्षा खत्म होने के तुरंत बाद छात्रों को छुट्टी दी जाए, ताकि वे ऐसे फालतू के झगड़ों में फंसे बिना घर जा सकें। अगर छात्रों के शैक्षणिक हितों को इसी तरह कुचला जाता रहा, तो आने वाले दिनों में इतना ज़बरदस्त विरोध होगा जिसकी इन चापलूसों ने कल्पना भी नहीं की होगी! उपाधि इंजीनियर के लिए होती है, किसी नेता की पूजा के लिए नहीं। युवा अब शिक्षा की कीमत पर इन राजनीतिक समूहों को बर्दाश्त नहीं करेंगे!

श्रीसंघ की एकता और अखंडता सदैव बनी रहे—साध्वीश्री अर्हमवृता श्रीजी

27वीं नवकार कलश यात्रा श्रद्धा-भक्ति के साथ सम्पन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा (ब्रजेश बोहरा)। धर्मनगरी नागदा में चल रही 36 दिवसीय नवकार महामंत्र आराधना के अंतर्गत आज शुक्रवार को 27वीं नवकार कलश यात्रा साध्वीश्री अर्हमवृता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुई। श्री शांतिनाथ जिनालय, जैन कॉलोनी सभागृह में प्रवचन के पश्चात नवकार महामंत्र जाप एवं आराधना हुई। कलश यात्रा के लाभार्थी प्रमोद कुमार, शैलेन्द्र कुमार, विपुल कोठारी एवं कोठारी परिवार रहे। प्रवचन में साध्वीश्री अर्हमवृता श्रीजी ने श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ, नागदा की एकता एवं सामूहिक सहभागिता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पार्श्व प्रधान पाठशाला भवन में लगातार 26 वर्षों से चातुर्मास आयोजित होते आ रहे हैं। पूरे चातुर्मास के दौरान संघ के सदस्यों का निरंतर सहयोग एवं सहभागिता मिलना श्रीसंघ की एकता का परिचायक है। साध्वीश्री ने कहा कि नगर में कितने भी जिनालय बनें, चातुर्मास इसी स्थल पर होना चाहिए। श्रीसंघ की एकता एवं अखंडता सदैव बनी रहनी चाहिए। उन्होंने संघ के सदस्यों से धार्मिक आयोजनों में इसी प्रकार सामूहिक सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर धार्मिक पाठशाला में निःशुल्क सेवा देने वाली श्रीमती कोमलबेन का ट्रस्टीगण की ओर से बहुमान किया गया। साध्वीश्री के आगामी चातुर्मास की विनती करने भीलवाड़ा श्रीसंघ से आए अतिथियों का श्री राजेन्द्र सूरि जैन ज्ञान मंदिर ट्रस्ट मंडल की ओर से सम्मान किया गया। अभय चोपड़ा के उद्बोधन के पश्चात ट्रस्ट अध्यक्ष ब्रजेश बोहरा ने जैन कॉलोनी में आठ दिनों तक प्रवचन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। ट्रस्ट मंडल ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए साध्वीश्री से सामूहिक रूप से विनती की। कार्यक्रम में श्री सकल जैन श्रीसंघ अध्यक्ष राजेश धाकड़, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष शरद आंचलिया , अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के अध्यक्ष दिलीप गांधी एवं पदाधिकारी सहित श्रीसंघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभा का संचालन मनोज वागरेचा ने किया। नवकार महामंत्र आराधना के क्रम में 19 सितंबर को 28वीं कलश यात्रा सुबह 9 बजे श्री पार्श्व प्रधान पाठशाला भवन से निकलेगी। विभिन्न मार्गों से होते हुए यात्रा चिकित्सालय मार्ग स्थित ओरा परिवार के निवास पर पहुंचेगी। यहां सुबह 9:30 बजे प्रवचन होगा। इसके पश्चात सुबह 11 बजे से अगले दिन सुबह 8 बजे तक अखंड नवकार महामंत्र जाप का आयोजन किया जाएगा। आयोजन के लाभार्थी राकेश कुमार ओरा परिवार (नूतन स्कूल) ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर नवकार महामंत्र आराधना में धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।

कर्जा चुकाने के लिए सीए का अपहरण, चार दोस्तों ने बनाया था प्लान; तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सेंट्रल पार्क से चार्टर्ड अकाउंटेंट के अपहरण मामले का अशोक नगर थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार है। पुलिस ने एक हजार से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंच बनाई। 10 सितंबर को 50 वर्षीय सीए राजीव गुप्ता को दो बदमाशों ने हथियार के दम पर उनकी मर्सिडीज कार में अगवा किया था। बचने के प्रयास में राजीव ने चलती कार का गेट खोलकर पैर बाहर निकाल लिए। संघर्ष के दौरान कार आमेर क्षेत्र में दो वाहनों से टकराकर नाले में पलट गई। इसके बाद बदमाश फरार हो गए और पुलिस ने सीए को सुरक्षित बरामद किया।पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कर्जा चुकाने और मौज-मस्ती के लिए अपहरण की योजना बनाई थी। आरोपियों ने करीब एक महीने तक रेकी की और पहले भी वारदात की कोशिश की थी। पुलिस ने चेतन शर्मा, हनुमान प्रजापत और जैनुल खान को गिरफ्तार कर दो बाइक, इलेक्ट्रिक स्कूटी, नकली पिस्टल और चाकू बरामद किया है।इसके बाद बदमाश फरार हो गए और पुलिस ने सीए को सुरक्षित बरामद किया।पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कर्जा चुकाने और मौज-मस्ती के लिए अपहरण की योजना बनाई थी। आरोपियों ने करीब एक महीने तक रेकी की और पहले भी वारदात की कोशिश की थी। पुलिस ने चेतन शर्मा, हनुमान प्रजापत और जैनुल खान को गिरफ्तार कर दो बाइक, इलेक्ट्रिक स्कूटी, नकली पिस्टल और चाकू बरामद किया है।

पटवारी की हत्या का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तारःयुवती से छेड़छाड़ की बात आई सामने, हत्या कर एक्सीडेंट का रूप देने का प्रयास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरलूट,।थाना क्षेत्र में पटवारी छगनलाल की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। छगनलाल का शव 10 सितंबर की रात कैलाश नगर रोड पर जावाल की तरफ मिला था। सिरोही एसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मृतक के भाई रामाराम मेघवाल निवासी बरलूट थाने में मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई छगनलाल ओड़ा गांव में पटवारी था और उसके पास कैलाश नगर का अतिरिक्त प्रभार भी था। 10 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे उन्हें सूचना मिली कि छगनलाल का एक्सीडेंट हो गया है।परिजन उसे

अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। छगनलाल के दोनों पैर टूटे हुए थे, जिससे परिजनों को उसकी मौत संदिग्ध लगी और उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पता चला कि छगनलाल की मौत दुर्घटना से नहीं, बल्कि मारपीट से हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया।जांच में सामने आया कि छगनलाल पटवारी के पास ओड़ा और कैलाश नगर दोनों का प्रभार था। पटवारी ने 7 सितंबर को कैलाश नगर की एक युवती छेड़छाड़ की थी। इसका वीडियो भी शेयर हुआ था। आरोपियों ने इसी का बदला लेने और छगनलाल को सबक सिखाने के लिए उसकी हत्या की थी।पूरी जांच होने पर पता चला कि धमकी देने वाली युवती के भाई समीर सागर रावल निवासी कैलाश नगर ने पटवारी छगनलाल से बदला लेने और सबक सिखाने के लिए मौसेरे भाई मनीष कुमार उर्फ माही निवासी पीपल और उसके दोस्त प्रवीण मेघवाल निवासी कैलाश नगर हाल रामपुर के साथ मिलकर योजना बनाई। योजना के तहत पटवारी के ड्यूटी से वापस लौटते समय जावाल और माडानी के बीच में छगनलाल को मोटरसाइकिल से नीचे गिरकर उसके साथ मारपीट कर गंभीर चोटें पहुंचाई, जिससे उसकी मौत हो गई।पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से 4 दिन के लिए पुलिस अभिरक्षा में भेजा गया है।इस मामले में डीएसपी मनीष चरण सिरोही, सदर थाना अधिकारी घनश्याम सिंह, बरलूट थाना अधिकारी कैलाश दान, सहायक उप निरीक्षक जसवंत सिंह के साथ हेड कॉन्स्टेबल दौलत सिंह टीकमदान, प्रवीण सिंह,प्रवीण कुमार, लक्ष्मण सिंह, नरेंद्र कुमार शामिल थे।

एसएमएस अस्पताल की रूमेटोलॉजी ओपीडी में अव्यवस्था, रोज 150 से ज्यादा मरीज, 50 को भी नहीं मिल रहा इलाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। एसएमएस अस्पताल की रूमेटोलॉजी ओपीडी में मरीजों की बढ़ती भीड़ के बीच व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यहां रोजाना 150 से अधिक मरीज गठिया के इलाज के लिए पहुंचते हैं, लेकिन 50 मरीजों को भी उपचार नहीं मिल पा रहा है। ओपीडी सप्ताह में केवल तीन दिन संचालित होने से मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़

रहा है। मरीजों के अनुसार सुबह 5 बजे से ही पर्ची के लिए कतार लगने लगती है और 6 बजे तक करीब 200 लोगों की लाइन हो जाती है। भीड़ बढ़ने पर धक्का-मुक्की की स्थिति भी बन जाती है। वहीं, ओपीडी में डॉक्टर सीमित मरीजों को देखने के बाद दोपहर से पहले ही उपलब्ध नहीं रहते। वर्तमान में रूमेटोलॉजी विभाग में तीन डॉक्टर हैं और ओपीडी सोमवार, मंगलवार व शुक्रवार को संचालित होती है। इसके मुकाबले न्यूरोलॉजी और एंडोक्राइनोलॉजी में रोजाना 300 से 400 मरीज तथा जनरल मेडिसिन में 700 से 800 मरीजों की पर्चियां बनती हैं और ओपीडी समय तक मरीजों को देखा जाता है। मरीजों की मांग है कि रूमेटोलॉजी ओपीडी का संचालन सप्ताह में अधिक दिन किया जाए, ताकि भीड़ कम हो और जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके। वहीं, ओपीडी में डॉक्टर सीमित मरीजों को देखने के बाद दोपहर से पहले ही उपलब्ध नहीं रहते। वर्तमान में रूमेटोलॉजी विभाग में तीन डॉक्टर हैं और ओपीडी सोमवार, मंगलवार व शुक्रवार को संचालित होती है। इसके मुकाबले न्यूरोलॉजी और एंडोक्राइनोलॉजी में रोजाना 300 से 400 मरीज तथा जनरल मेडिसिन में 700 से 800 मरीजों की पर्चियां बनती हैं और ओपीडी समय तक मरीजों को देखा जाता है। मरीजों की मांग है कि रूमेटोलॉजी ओपीडी का संचालन सप्ताह में अधिक दिन किया जाए, ताकि भीड़ कम हो और जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके। वहीं, ओपीडी में डॉक्टर सीमित मरीजों को देखने के बाद दोपहर से पहले ही उपलब्ध नहीं रहते। वर्तमान में रूमेटोलॉजी विभाग में तीन डॉक्टर हैं और ओपीडी सोमवार, मंगलवार व शुक्रवार को संचालित होती है। इसके मुकाबले न्यूरोलॉजी और एंडोक्राइनोलॉजी में रोजाना 300 से 400 मरीज तथा जनरल मेडिसिन में 700 से 800 मरीजों की पर्चियां बनती हैं और ओपीडी समय तक मरीजों को देखा जाता है। मरीजों की मांग है कि रूमेटोलॉजी ओपीडी का संचालन सप्ताह में अधिक दिन किया जाए, ताकि भीड़ कम हो और जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

14 जुलाई को मानपुर क्षेत्र में हुआ था हादसा, आबूरोड से उदयपुर और गुजरात तक चला इलाज

आबूरोड में सड़क हादसे में घायल युवक की दो महीने बाद मौत, कार की टक्कर से हुआ था गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। शहर में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की करीब दो महीने तक चले इलाज के बाद मौत हो गई। हादसा 14 जुलाई को मानपुर क्षेत्र में हुआ था। कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार ईश्वर गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे के बाद परिजनों ने उसे बचाने के लिए अलग-अलग अस्पतालों में इलाज कराया, लेकिन करीब दो महीने तक उपचार चलने के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका। आखिरकार उपचार के दौरान उसकी मौत हो

गई।मानपुर क्षेत्र में कार और मोटरसाइकिल की हुई थी टक्करशहर पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई को मानपुर क्षेत्र में कार और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो गई थी। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मोटरसाइकिल सवार ईश्वर पुत्र सवाराम, निवासी चड़ेला, गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया।र्घटना के बाद ईश्वर को आबूरोड के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार शुरू किया गया। उसकी हालत गंभीर होने के कारण बाद में चिकित्सकों की सलाह पर उसे अन्य अस्पतालों में भी ले जाया गया। परिजन लगातार उसके बेहतर इलाज की कोशिश करते रहे।परिजनों के अनुसार, ईश्वर का इलाज आबूरोड के बाद उदयपुर के दो अलग-अलग चिकित्सा महाविद्यालयों में कराया गया। इसके बाद उसे गुजरात के सिविल अस्पताल में भी भर्ती कराया गया। करीब दो महीने तक अलग-अलग अस्पतालों में उसका उपचार चलता रहा। परिजनों को उम्मीद थी कि वह स्वस्थ होकर घर लौट आएगा, लेकिन हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।लगातार उपचार के बावजूद ईश्वर की हालत में सुधार नहीं हो सका और आखिरकार उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

महापौर पद के लिए सुमित्रा, नमिता और राजबाला मैदान में, तीन निर्दलीय ने नाम वापस लिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। नगर निगम में महापौर पद के चुनाव की तस्वीर अब साफ हो गई है। नाम वापसी के अंतिम दिन शुक्रवार को दोपहर 3 बजे तक तीन निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। कुसुम सोनी, पुष्पा सोमनानी और राशिदा बानो के नाम वापस लेने के बाद अब महापौर पद के लिए कांग्रेस की सुमित्रा जैन, भाजपा की नमिता बुबकिया और निर्दलीय राजबाला हिंगड़ मैदान में रह गई हैं। ऐसे में चुनाव मुकाबला अब तीन प्रत्याशियों के बीच होगा।नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न भी आवंटित कर दिए गए। निर्दलीय प्रत्याशी राजबाला हिंगड़ को 'सोफा' चुनाव चिह्न मिला है। महापौर पद के लिए मतदान 21 सितंबर को नगर निगम के निर्वाचित पार्षद करेंगे।राजबाला हिंगड़ पहले कांग्रेस से महापौर पद की दावेदारी कर रही थीं। पार्टी की ओर से सुमित्रा जैन को अधिकृत

प्रत्याशी बनाए जाने के बाद राजबाला ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया। उनके मैदान में बने रहने से कांग्रेस के लिए चुनावी समीकरण बदल गए हैं।राजबाला के पति और पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़ ने टिकट और चुनाव चिह्न को लेकर कांग्रेस संगठन पर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि जयपुर कांग्रेस मुख्यालय से राजबाला के नाम पर सिंबल आया था, लेकिन पाली में प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। हालांकि इन आरोपों पर पार्टी की ओर से अलग पक्ष भी सामने आ सकता है। रिटर्निंग अधिकारी एवं नगर निगम आयुक्त शैलेन्द्र सिंह के अनुसार महापौर पद के लिए छह प्रत्याशियों की ओर से कुल 10 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए थे। नामांकन पत्रों की गुरुवार को जांच की गई थी, जिसमें सभी छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में बने रहे।शुक्रवार को नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने तक तीन निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए। चुनाव मैदान में रह गए हैं।शुक्रवार को नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने तक तीन निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए।

हैदराबाद में राष्ट्रीय रोप स्किपिंग प्रतियोगिता में माउंट आबू के युवराज ने जीता स्वर्ण, शिल्पा ने हासिल किया रजत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। माउंट आबू। केन्द्रीय विद्यालय माउंट आबू के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की रोप स्किपिंग प्रतियोगिता-2026 में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली की ओर से 9 से 13 सितंबर तक हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्यालय के चार विद्यार्थियों ने जयपुर संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अलग-अलग आयु वर्ग और स्पर्धाओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता की यू-19 आयु वर्ग की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में केन्द्रीय विद्यालय माउंट आबू के विद्यार्थी युवराज जायसवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करना युवराज की मेहनत और नियमित अभ्यास का परिणाम माना जा रहा है।वहीं यू-17 डबल डच फ्रीस्टाइल टीम स्पर्धा में विद्यालय की छात्रा शिल्पा ने रजत पदक हासिल किया। शिल्पा ने टीम स्पर्धा में बेहतरीन तालमेल और प्रदर्शन के दम पर दूसरा स्थान प्राप्त किया। दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।प्रतियोगिता में विद्यालय के चांदमल मीणा और वंदना ने भी हिस्सा लिया। दोनों विद्यार्थियों ने 3 मिनट इंड्यूरेंस इंडिविजुअल मास्टर स्पर्धा में भाग

लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्हें प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।विद्यार्थियों की राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि पर केन्द्रीय विद्यालय माउंट आबू के प्राचार्य ओमप्रकाश जाखड़ ने सभी प्रतिभागियों और उनके अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे नियमित अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय के विद्यार्थियों का पदक हासिल करना अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।प्राचार्य ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने वाले शारीरिक शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने ग्रीष्मावकाश के दौरान आयोजित प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों को अभ्यास कराने वाले शारीरिक शिक्षक प्रभुराम गरासिया, मगनाराम माली और अंजलि तिवारी के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। विद्यालय प्रबंधन ने उम्मीद जताई प्रेरित करेंगी प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

गुर्जर की थड़ी से मानसरोवर का रास्ता 6 महीने रहेगा बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। गुर्जर की थड़ी से मानसरोवर आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। जयपुर विकास प्राधिकरण ने इस मार्ग को 20 सितंबर से करीब छह महीने के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। द्रव्यवती नदी पर शांति नगर मार्ग में बनी पुलिया पर प्रस्तावित विकास कार्य के चलते यहां से गुजरने वाले यातायात को पूरी तरह बंद रखा जाएगा। इस दौरान वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना होगा।जेडीए की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, शांति नगर मार्ग पर बनी पुलिया पर विकास कार्य किया जाना प्रस्तावित है। निर्माण कार्य के दौरान यातायात संचालन में परेशानी और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ज्ञान आश्रम पुलिया से होकर गुजरने वाले वाहनों का आवागमन 20 सितंबर से अगले छह महीने तक बंद रखा जाएगा।मार्ग बंद होने के बाद गुर्जर की थड़ी से शिप्रा पथ और मानसरोवर की ओर जाने वाले वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करना होगा। वाहन चालक गंगा-जमुना पेट्रोल पंप मार्ग से होकर आगे जा सकेंगे। इसके अलावा रिद्धि-सिद्धि मॉडर्न स्कूल मार्ग का भी उपयोग किया जा सकेगा।मानसरोवर और शिप्रा पथ की तरफ से गुर्जर की थड़ी आने वाले वाहन चालकों के लिए भी यही वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। यानी दोनों दिशाओं में आने-जाने वाले वाहन चालकों को बंद मार्ग की जगह इन रास्तों से होकर गुजरना पड़ेगा।जेडीए के अनुसार पुलिया पर विकास कार्य पूरा होने तक यह यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। निर्धारित अवधि करीब छह महीने की है। हालांकि निर्माण कार्य की प्रगति के आधार पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है।रास्ता बंद होने से गुर्जर की थड़ी, शिप्रा पथ और मानसरोवर के बीच रोजाना आवागमन करने

वाले लोगों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ सकती है। खासकर सुबह और शाम के व्यस्त समय में वैकल्पिक मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है। ऐसे में वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और निर्धारित यातायात व्यवस्था का पालन करें।द्रव्यवती नदी पर बनी पुलिया पर प्रस्तावित विकास कार्य पूरा होने के बाद इस मार्ग को दोबारा यातायात के लिए खोलने की योजना है। जेडीए का उद्देश्य निर्माण कार्य के दौरान यातायात को सुरक्षित तरीके से संचालित करना और कार्य को निर्धारित अवधि में पूरा करना है। 20 सितंबर से मार्ग बंद होने के बाद वाहन चालकों को नए मार्गों के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनानी होगी।

पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ डोडा पोस्त तस्करी का आरोपी गिरफ्तार, कार में मिला था 117 किलो नशीला पदार्थ

डांगियावास पुलिस ने कोटा के नयापुरा से दबोचा, झालावाड़ और कोटा में ठिकाने बदलकर काट रहा था फरारी; कार के चोरी की होने की भी आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। डांगियावास थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 117.370 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त की तस्करी का मामला दर्ज है। पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से अपनी वर्ना कार छोड़कर फरार हो गया था। इसके बाद वह लगातार अपने ठिकाने बदलकर झालावाड़ और कोटा क्षेत्र में छिपता रहा। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 16 सितंबर को कोटा के नयापुरा क्षेत्र से आरोपी को पकड़ लिया।पुलिस के अनुसार आरोपी नरेश पुत्र लादुराम विश्नोई, उम्र 32 वर्ष, निवासी धायलों की ढाणी, बिसलपुर वर्ना, भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त लेकर अपनी कार से घर पहुंचा था। इसी दौरान पुलिस को उसके पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम

ने आरोपी के ठिकाने पर दबिश दी। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपी मौके से भाग निकला। वह अपनी वर्ना कार वहीं छोड़कर फरार हो गया। पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो उसके अंदर भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद हुआ। वजन करने पर कुल 117.370 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त मिला।पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। कार्रवाई के बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था।पुलिस के अनुसार आरोपी पहले झालावाड़ क्षेत्र में रहा और इसके बाद कोटा की तरफ चला गया। लगातार स्थान बदलने के कारण पुलिस को उसकी गिरफ्तारी में परेशानी आ रही थी। इसी दौरान डांगियावास थाना पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कोटा में छिपा हुआ है।सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने 16 सितंबर को कोटा के नयापुरा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए नरेश को दस्तयाब कर लिया। इसके बाद उसे डांगियावास थाना लाया गया और मामले में पूछताछ शुरू की गई। थानाधिकारी राजूराम काला ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

लद्दाख की 122 किमी दौड़ 12 घंटे 35 मिनट में पूरी कर जयपुर के सूरज मीणा ने बनाया रिकॉर्ड, गैर-लद्दाखी धावकों में सबसे तेज

चोट के बावजूद नहीं छोड़ी ट्रेनिंग, रातभर नौकरी के बाद सुबह दौड़ते थे सूरज; खंभे से टकराकर भी जारी रखा सफर, रजत पदक के साथ मिले 3.50 लाख रुपए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर। राजस्थान के जयपुर निवासी अल्ट्रा धावक सूरज मीणा ने लद्दाख की बेहद कठिन सिल्क रूट अल्ट्रा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 122 किलोमीटर की दूरी 12 घंटे 35 मिनट में पूरी कर दूसरा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के साथ सूरज इस दूरी को पूरा करने वाले सबसे तेज गैर-लद्दाखी धावक बन गए हैं। 2026 की 13वीं लद्दाख मैराथन के तहत आयोजित इस दौड़ में लद्दाख के नवांग त्सेरिंग ने 12 घंटे 12 मिनट 18 सेकंड में पहला स्थान हासिल किया, जबकि सूरज मीणा 12 घंटे 35 मिनट के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।सूरज को रजत पदक के साथ 3 लाख 50 हजार रुपए की पुरस्कार राशि और ट्रॉफी मिली। 122 किलोमीटर की यह दौड़ लद्दाख के ऊंचाई वाले दुर्गम इलाके से होकर गुजरती है और इसमें धावकों को कम ऑक्सीजन, कठिन चढ़ाई और बदलते मौसम जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस वर्ष सिल्क रूट अल्ट्रा और खारदुंग ला चैलेंज में कुल 477 धावकों ने हिस्सा लिया। चोट लगी, फिजियोथेरेपिस्ट ने आराम की सलाह दी, लेकिन नहीं रुकेसूरज के लिए इस उपलब्धि तक पहुंचना आसान नहीं था। तैयारी के दौरान उन्हें दो बार पैरों में चोट लगी। पहली बार उन्हें आईटी बैंड की समस्या हुई। फिजियोथेरेपिस्ट ने उन्हें दौड़ कम करने और आराम बढ़ाने की सलाह दी। सूरज ने पूरी तरह ट्रेनिंग बंद करने के बजाय अपनी गति कम की और रिकवरी पर ध्यान दिया। धीरे-धीरे जब पैर ठीक हुआ तो उन्होंने फिर से प्रशिक्षण बढ़ाना शुरू किया। इसके बाद उन्हें दूसरी चोट का सामना करना पड़ा। जिम में काम करने के दौरान उन्हें शिन स्प्लिंट की समस्या हो गई। सूरज के अनुसार, उस समय दो-तीन किलोमीटर दौड़ने के बाद पैरों में इतना दर्द होता था कि पैर उठाना भी मुश्किल हो जाता था।

फिजियोथेरेपिस्ट ने फिर ट्रेनिंग कम करने की सलाह दी। इसके बाद सूरज ने नौकरी छोड़ दी और अपना पूरा ध्यान रिकवरी तथा दौड़ की तैयारी पर लगाया।लद्दाख और राजस्थान की परिस्थितियों में बड़ा अंतर है। खासकर लद्दाख की ऊंचाई धावकों के लिए बड़ी चुनौती बनती है। सूरज ने बताया कि इसके लिए उन्होंने जयपुर के नाहरगढ़ में नियमित प्रशिक्षण किया। सप्ताह में दो दिन वे नाहरगढ़ जाकर चढ़ाई और ऊंचाई वाले रास्तों पर दौड़ते थे। लद्दाख की सिल्क रूट अल्ट्रा में दौड़ का मार्ग नुब्रा घाटी के क्यागर गांव से शुरू होकर खारदुंग ला की करीब 17,618 फीट ऊंची चढ़ाई से गुजरते हुए लेह तक पहुंचता है। ऐसे में केवल लंबी दूरी की दौड़ ही नहीं, बल्कि ऊंचाई के अनुरूप शरीर को ढालना भी जरूरी होता है।सूरज की संघर्ष की कहानी उनकी खेल उपलब्धि से कहीं आगे जाती है। कोविड के बाद जयपुर आने पर उन्हें पैसों की जरूरत थी। उन्होंने बर्गर किंग में रात की पाली में नौकरी शुरू की। कई बार प्रशिक्षण के दौरान बैठते-बैठते भी उन्हें नींद आ जाती थी।

भारत में लोगों पर टैक्स या सज़ा? टैक्स देने के बाद भी लोगों को क्या मिलता है: सर्विस या सज़ा?

गांधी के गुजरात और पूरे देश में, आज आम लोगों के मन में एक ही तीखा और जलता हुआ सवाल घूम रहा है: 'हम हर महीने जो टैक्स देते हैं, वह देश के विकास के लिए है या शासकों की शान के लिए?' लोग ईमानदारी से अपनी कमाई से इनकम टैक्स, तस्ञ्ज, प्रॉपर्टी टैक्स और टोल टैक्स देते हैं। लेकिन टैक्स देने के बाद भी लोगों को मिलने वाली बेसिक सुविधाएँ ज़ीरो हैं। जब टैक्स वसूलने की बात आती है, तो एडमिनिस्ट्रेशन शेर जैसा हो जाता है, लेकिन जब अच्छी सर्विस देने की बात आती है, तो चुप हो जाता है।

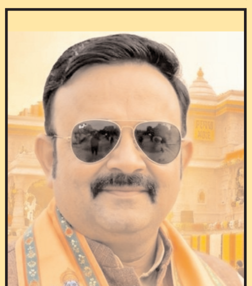

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

गरीब और मिडिल क्लास की बुरी सच्चाई:

पढ़ाई में डर: ईमानदारी से टैक्स देने के बाद भी, अगर हमारा बच्चा सरकारी स्कूल में जाता है, तो माता-पिता उसके भविष्य और सुरक्षा की चिंता करते हैं। सेहत पर भरोसा नहीं: सरकारी अस्पतालों की लापरवाही और अनदेखी देखकर, अगर कोई इंसान मरने की हालत में भी हो, तो वह कर्ज़ लेकर भी प्राइवेट अस्पताल जाना पसंद करता है।

सरकारी दफ़्तरों में टॉर्चर: सरकारी दफ़्तर में छोटा सा काम हो, तो 100 बार सोचना पड़ता है, 'आज जाऊं या कल? '।

जान जोखिम में डालकर सफ़र: जब नेताओं के काफ़िले निकलते हैं, तो सड़कों से मवेशी, कुत्ते यागड्डे गायब हो जाते हैं। लेकिन आम आदमी अपने घर सुरक्षित पहुँचेगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं!

टैक्स, टोल और ट्रैफ़िक: शोषण की तिकड़ी:

नई कार खरीदने पर रोड टैक्स दो, उसमें पेट्रोल-डीज़ल भरवाने पर भारी टैक्स दो, और जब वही कार सड़क पर ले जाओ, तो अपनी जेब खाली करो और हर कुछ किलोमीटर पर टोल टैक्स दो! इतना टैक्स देने के बाद भी आम नागरिक को क्या मिलता है? टूटी सड़कें, घंटों लंबा ट्रैफ़िक जाम, टूटे-फूटे ओवरब्रिज और जानलेवा गड्डे! दूसरी तरफ, जब किसी नेता या मंत्री का काफिला आता है, तो सायरन बजाया जाता है, ट्रैफिक रोक दिया जाता है और काफिला गुस्से में निकल जाता है। आम आदमी घंटों धूप में सड़क पर खड़ा होकर तमाशा देखता रह जाता है।

गिफ्ट या भीख नहीं, यह जनता का अपना पसीना है!

सबसे ज़्यादा गुस्सा तब आता है जब करोड़ों की लागत से बनी सड़क, पुल या हॉस्पिटल का उद्घाटन करने आए नेता ऐसे भाषण देते हैं जैसे जनता को कोई 'गिफ्ट' दे रहे हों! नेता ये इवेंट अपने मामा के घर या अपनी निजी प्रॉपर्टी से नहीं करते। यह इस देश के करोड़ों नागरिकों का खून-पसीना है। जनता भीख या गिफ्ट नहीं मांगती, बल्कि अपने हक के पैसे के लिए अच्छी पब्लिक सर्विस मांगती है। जब आपकी नौकरी चली जाती है या आप रिटायर हो जाते हैं, तो आपको सोशल सिक्योरिटी के नाम पर ज़ीरो मिलता है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का कॉर्पोरेशन टैक्स देने के बाद भी आपको साफ पीने के पानी या सीवेज की सुविधा के लिए गुहार लगानी पड़ती है। 'टैक्स दो!' कहकर नागरिक को उसका फ़र्ज़ याद दिलाना बहुत आसान है, लेकिन आज हर भारतीय का एक ही सीधा सवाल है: 'मैंने भी टैक्स दिया है सर... मैंने भी टोल दिया है... अब उसके मुकाबले क्वालिटी सर्विस कहाँ है? '

बिजली के लटकते तार: मौत का जाल और वहीवटदारी बेपरवाही

गुजरात सहित पूरे देश में बिजली कंपनियों की लापरवाही और रखरखाव के अभाव में बिछाई गई लाइनें अब इंसानों और वन्यजीवों के लिए काल बन चुकी हैं। हाल ही में भटगाम सबस्टेशन के पास तार टूटने और खंभालिया में दो लोगों की दर्दनाक मौत जैसी घटनाएं यह साफ करती हैं कि ये हादसे प्राकृतिक नहीं, बल्कि वहीवटदारी बेपरवाही का नतीजा हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े एक खौफनाक तस्वीर पेश करते हैं। वर्ष 2011 से 2020 के बीच देश में 1.10 लाख से अधिक लोगों की जान करंट लगने से गई। औसतन हर साल 11,000 लोग अपनी जान गंवाते हैं, यानी प्रतिदिन लगभग 30 मौतें। गुजरात में भी स्थिति दयनीय है, जहां हर दिन औसतन एक व्यक्ति और सैकड़ों मवेशी इस गैर-जिम्मेदाराना व्यवस्था की बलि चढ़ रहे हैं। वन्यजीव भी इससे अछूते नहीं हैं; पिछले एक दशक में 1,300 से अधिक जंगली जानवर, जिनमें हाथी, शेर, तेंदुए और फ्लेमिंगो शामिल हैं, करंट की चपेट में आकर दम तोड़ चुके हैं। केवल कागजों पर मानसून-पूर्व रखरखाव का दिखावा करने के बजाय बिजली वितरण कंपनियों (यूजीवीसीएल, पीजीवीसीएल, डीजीवीसीएल, एमजीवीसीएल) को जमीन पर मुड़े खंभों और खुले तारों को तुरंत दुरुस्त करना होगा। जनता को भी सतर्क रहकर 19124 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। व्यवस्था को यह समझना होगा कि जब तक लापरवाही पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को उचित मुआवजा सुनिश्चित नहीं होगा, तब तक यह खूनी सिलसिला थमने वाला नहीं है। प्रशासनिक बेपरवाही और सिस्टम की नाकामी को कटघरे में खड़े करते हुए लेख के अंत के लिए कुछ कड़े सवाल: क्या हर बार मासूम जिंदगियों की बलि चढ़ने के बाद ही बिजली विभाग और वहीवटदार की नींद खुलेगी? कागजों पर मानसून-पूर्व रखरखाव का फर्जी ढांचा दिखाकर जनता और वन्यजीवों को मौत के मुंह में धकेलने वाले अधिकारियों पर आपराधिक मामला दर्ज क्यों नहीं होना चाहिए?

(शनिवार) 19 सितंबर 2026

दैनिक राशिफल

राशि	राशिफल
मेष	रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। नए काम के सिलसिले में यात्रा के योग हैं।
वृषभ	कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। नया व्यापार शुरू करने का विचार बनेगा।
मिथुन	सामाजिक संपर्कों और पुराने मित्रों से बिजनेस में नए शानदार अवसर मिलेंगे।
कर्क	पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। आज व्यापार में कोई बड़ी डील करने से बचें।
सिंह	ऑफिस और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी। रुके हुए काम पूरे होंगे।
कन्या	आत्मविश्वास और स्पष्टता बढ़ेगी। धन और निवेश के मामलों में समझदारी से काम लें।
तुला	घर-परिवार के मामलों पर ध्यान देंगे। परिवार में सुख-शांति और सहयोग बना रहेगा।
वृश्चिक	आपकी बातचीत का तरीका दूसरों को प्रभावित करेगा। किसी के बहकावे में आने से बचें।
धनु	आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पैसों के मामलों में व्यावहारिक और बजट के अनुसार चलें।
मकर	आत्मविश्वास और लीडरशिप क्वालिटी बढ़ेगी। लोग आपकी सलाह मानेंगे।
कुंभ	ऑफिस के टारगेट पूरे होंगे। हालांकि, अपनी वाणी और गुस्से पर पूरा कंट्रोल रखें।
मीन	आपकी कल्पनाशीलता और नए आइडियाज से लोग प्रभावित होंगे। सेहत का ध्यान रखें।

रिश्तों में रोमांच से कहीं अधिक कीमती है मन की शांति

दर्शना पटेल (नेशनल मेडलिस्ट एवं नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर

जिंदगी के शुरुआती दौर में हमें रिश्तों में चिंगारी, तीव्र भावनाएं, नाटकीयता और लगातार बना रहने वाला रोमांच बेहद आकर्षक लगता है। लेकिन जैसे-जैसे जिंदगी अनुभवों की कसौटी पर घिसती है, वैसे-वैसे यह समझ आने लगता है कि क्षणिक दिखावे की चकाचौंध से कहीं अधिक मूल्यवान अंधेरे में लगातार जलता हुआ एक छोटा सा दीया है। आज के भागदौड़ और दिखावे से भरे दौर में किसी रिश्ते की सबसे बड़ी परीक्षा यह नहीं है कि आपने साथ में कितने रोमांचक पल बिताए, बल्कि यह है कि साथ होने पर भीतर कितनी गहरी शांति महसूस होती है। जिस रिश्ते में खुद को लगातार साबित करने की मशक्कत करनी पड़े, वह ऊर्जा देने के बजाय सोख लेता है। सच्चा रिश्ता तो वास्तव में आत्मा की एक खुली सांस की तरह होता है। जिस रिश्ते में शब्दों की पहरेदारी करनी पड़े वह कैदखाना है; सच्चा साथ तो वह है जहां खामोशी भी सुरक्षित महसूस हो।

'परफेक्ट' बनने का बोझ और शब्दों की पहरेदारी

आज के समय में ज्यादातर लोग रिश्तों में कच्चे अंडे के छिलकों पर चलने जैसी स्थिति में जी रहे हैं। थोड़ी सी आवाज ऊंची हुई या कोई सच जुबां पर आया, कि फौरन सामने से गलतफहमी का बवंडर उठने का डर सताने लगता है। जब इंसान को अपना ही रिश्ता बचाने के लिए शब्द तौल-तौल कर बोलने पड़ें, अपने मूल स्वभाव को समेटकर सामने वाले की पसंद के सांचे में ढलना पड़े, तब वह रिश्ता जीवनसाथी का नहीं बल्कि एक अदृश्य जज का बन जाता है।

जहां भावनाओं को व्यक्त करने के लिए भी पहले यह भूमिका बनानी पड़े कि 'कहीं वह बुरा तो नहीं मान जाएगा?', वहां प्यार हो सकता है, लेकिन शांति नहीं होती। और जिस रिश्ते में मानसिक शांति न हो, उसकी उम्र भले ही लंबी हो जाए, पर वह भीतर से खोखला हो जाता है।

तूफानी समंदर और शांत किनारा

समुद्र में उठती तूफानी लहरें देखने में बेहद रोमांचक लगती हैं। वे पल भर के लिए आंखों को चौंधिया देती हैं और रगों में उत्तेजना भर देती हैं। लेकिन कोई भी जहाज तूफानी लहरों के बीच लंगर डालकर लंबे समय तक टिक नहीं सकता; जहाज को सुरक्षित रहने और विश्राम पाने के लिए एक शांत खाड़ी या सुरक्षित बंदरगाह की ही जरूरत होती है।

रिश्तों का भी कुछ ऐसा ही है। जीवन की बाहरी दुनिया–नौकरी, व्यापार, सामाजिक जिम्मेदारियां और प्रतिस्पर्धा–एक तूफानी समंदर जैसी है, जहां रोज लड़ना है और रोज खुद को बचाना है। दिनभर के ऐसे संघर्ष के बाद शाम को जब इंसान अपने किसी करीबी रिश्ते के पास लौटता है, तब उसे वहां कोई नया रोमांच या उम्मीदों की नई जंग नहीं चाहिए होती। उसे बस एक ऐसा 'शांत किनारा' चाहिए होता है जहां वह अपनी थकान उतार सके, जहां उसके उलझे विचारों को भी बिना किसी आलोचना के सुना जाए। यदि अपने ही घर में या सबसे नजदीकी रिश्ते में भी हथियार सजाकर ही रहना पड़े, तो बाहर के युद्ध की तुलना में अंदर की यह अशांति इंसान को बहुत जल्दी तोड़ देती है। सच ही है: रोमांच आंखों को आकर्षित कर सकता है, लेकिन मन के घाव भरने के लिए केवल स्वीकार्यता और शांति की ही आवश्यकता होती है।

सच्चे रिश्ते की पहचान

एक उम्र और परिपक्वता के बाद इंसान को यह अहसास होता है कि महंगे तोहफे, घूमने-फिरने की उत्तेजना या लगातार की जाने वाली तारीफें किसी रिश्ते की बुनियाद नहीं होतीं। रिश्ते की असली कीमत उन पलों में है जहां गलत साबित होने का डर न हो आप किसी फैसले में मात खा जाएं, फिर भी सामने वाला ताने मारने के बजाय कंधे पर हाथ रखकर खड़ा रहे। सच्चा रिश्ता वह है जहां सफाई देने की जरूरत न पड़े, जहां सामने वाला इंसान आपकी गलती के पीछे छुपी मंशा को समझ ले और रिश्ता किसी अहंकार की अदालत न बने। दुनिया के सामने भले ही आप कितने भी मजबूत या होशियार बने रहें, लेकिन उस एक इंसान के सामने अपनी कमजोरी, आंसू या बेबसी बिना किसी झिझक के बयां कर सकें।

यदि आपके जीवन में कोई ऐसा इंसान है जिसके साथ चुपचाप बैठने पर भी कोई असहजता न हो, और जिसकी मौजूदगी दिमाग के बोझ को हल्का कर देती हो, तो मान लीजिए कि आप इस दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। रोमांच तो वक्त के साथ फीका पड़ जाता है, लेकिन एक-दूसरे को दी गई 'मानसिक शांति' जिंदगी के आखिरी पड़ाव तक साथ निभाती है।

मोदी सरकार के शासन का विस्तृत विश्लेषण: सत्ता, दावों और ज़मीनी हकीकत के बीच का अंतर

भारत में 2014 में शुरू हुए नरेंद्र मोदी शासन के दौरान देश में राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे क्षेत्रों में बड़े-बड़े दावे किए गए। लेकिन इसी शासन में देश के इतिहास के कुछ सबसे बड़े आंदोलन, नीतिगत फैसलों से हुई तबाही, बेरोजगारी और सामाजिक नाराजगी की भयानक घटनाएं भी दर्ज की गईं। जनता के कर के पैसे, युवाओं के भविष्य और गरीब-मध्यम वर्ग के वजूद के खिलाफ उठे इन तीखे मुद्दों की विस्तृत तस्वीर इस तरह है:

1. जनाक्रोश और ऐतिहासिक आंदोलन: लोकतंत्र के इतिहास के बड़े विरोध प्रदर्शन ऐतिहासिक किसान आंदोलन (2020-2021):

पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत देश भर के लाखों किसानों ने सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं (सिंघू, टिकरी, गाजीपुर) पर एक साल से ज़्यादा समय तक विरोध प्रदर्शन किया। आरोप थे कि ठंड, धूप, बारिश और कड़ाके की ठंड के बीच 700 से ज़्यादा किसानों की मौत हो गई। आखिर में, चुनाव पास आते ही सरकार को इन तीनों कानूनों को वापस लेने का ऐलान करना पड़ा।

सीएए-एनआरसी और शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन (2019-2020):

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के मुद्दे पर पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों की ज़बरदस्त लहर उठी। दिल्ली के शाहीन बाग में महीनों तक महिलाओं ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। इस मुद्दे पर दिल्ली में भयानक दंगे भी हुए, जिसमें पचास से ज़्यादा लोगों की जान चली गई।

सशस्त्र बलों के लिए अग्निपथ योजना का विरोध (2022):

जैसे ही सेना में स्थायी भर्ती बंद करने और सिर्फ़ 4 साल के लिए 'अग्निवीर' बनाने की योजना का ऐलान हुआ, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा समेत कई राज्यों में युवा सड़कों पर उतर आए। ट्रेनें जलाई गईं और भारी तोड़फोड़ हुई। युवाओं का आरोप था कि 4 साल बाद उनके पास कोई सामाजिक या आर्थिक सुरक्षा नहीं होगी।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों का आंदोलन (2023):

ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की बेटियों (साक्षी मलिक, विनेश फोगट, बजरंग पुनिया) को कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोपों के साथ महीनों तक सड़कों पर बैठना पड़ा। दिल्ली पुलिस ने उनके साथ जो ज़बरदस्ती की, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया।

2. बड़ी नाकामियां, घोटाले और संकट पेपर लीक घोटाला और युवाओं के साथ धोखा:

देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होना रोज़ की बात हो गई है। नीट-यूजी घोटाला, यूजीसी-नेट रद्द होना, इसके अलावा गुजरात में कनिष्ठ लिपिक, तलाटी, मुख्य लिपिक भर्ती के पेपर लीक होना और मध्य प्रदेश में व्यापम तथा राजस्थान में शिक्षक भर्ती के पेपर लीक होना, करोड़ों युवाओं की सालों की मेहनत और माता-पिता के पैसे बर्बाद हुए हैं।

नोटबंदी की मुसीबत (8 नवंबर, 2016):

रातों-रात 500 और 1000 के नोट बंद करने के फैसले से काला धन या नकली नोट खत्म होने का दावा किया गया था। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, 99.3' नोट बैंकों में वापस आ गए। बदले में, 100 से ज़्यादा लोग लाइनों में खड़े-खड़े मर गए, छोटे व्यापार ठप हो गए और करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए।

कोरोना तालाबंदी (2020) में प्रवासी मजदूरों की हालत:

सिर्फ 4 घंटे के नोटिस पर पूरे देश में तालाबंदी घोषित होने के बाद लाखों गरीब मजदूर बिना रोजी-रोटी के फंस गए। ट्रेनें और बसें बंद होने से, गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हजारों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर जाने को मजबूर हो गए। सैकड़ों मजदूर भूख, प्यास और सड़क तथा रेलवे पटरी पर दुर्घटनाओं से मर गए।

मणिपुर हिंसा और वहीवटदार की लाचारी:

मणिपुर राज्य में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच हुई सांप्रदायिक हिंसा में 200 से ज़्यादा लोग मारे गए, हजारों घर जला दिए गए और महिलाओं को नंगा किया गया। इतनी भयानक स्थिति के बावजूद, केंद्र और राज्य सरकारें स्थिति को नियंत्रित करने में नाकाम रहीं।

चुनावी बांड घोटाला:

उच्चतम न्यायालय ने राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले दान को गुप्त रखने वाली चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक घोषित कर दिया और इसे रद्द कर दिया। आंकड़ों से पता चला कि प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई की रेड के बाद, कई कंपनियों ने सत्ताधारी दल को करोड़ों रुपये का दान दिया, जिससे 'किश्तों में वसूली' के आरोप लगे।

बैंकिंग धोखाधड़ी और भगोड़े उद्योगपति:

विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चोकसी और जतिन मेहता जैसे अरबपति देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अरबों रुपये का चूना लगाकर आसानी से विदेश भाग गए, जबकि बैंक आम आदमी के ऋण वसूली पर सख्त रवैया अपना रहे हैं।

3. महंगाई, कर और ऐतिहासिक बेरोजगारी एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर:

2014 से पहले, सिलेंडर लगभग 400 - 450 में मिलता था और अब बढ़कर 800 से 1100 से भी ज़्यादा हो गया है।

पेट्रोल और डीज़ल:

2014 से पहले, ईंधन की कीमत 60 - 70 प्रति लीटर थी और अब बढ़कर 90 से 100 से भी ज़्यादा हो गई है।

जीएसटी का अतिरिक्त बोझ:

पहले दूध, दही और आटे जैसी खाने की चीज़ों पर कोई कर नहीं था, जिस पर अब 5' से 18' तक जीएसटी लग रहा है।

ऐतिहासिक बेरोज़गारी:

उपादियों के बावजूद, सही नौकरी न मिलने की वजह से पिछले चार दशकों में सबसे ज़्यादा बेरोज़गारी दर दर्ज की गई है।

देश का आम नागरिक हर दिन आय कर, जीएसटी, सड़क कर और चुंगी कर देता है। लेकिन इतना कर देने के बाद भी, उसे मिलने वाली सरकारी सेवाओं (स्कूल, अस्पताल, सड़कें) की गुणवत्ता बहुत खराब है। ये सभी बातें और घटनाएं साबित करती हैं कि दिखावटी विज्ञापनों और बड़े-बड़े दावों के पीछे, देश का आम नागरिक, युवा और किसान आज भी अपने ज़िंदा रहने की लड़ाई लड़ रहा है।

एक तरफ गरीबी और महंगाई की मार है, तो दूसरी तरफ करोड़ों का तेल दिखाया जा रहा है: 'आत्ममुग्ध' सरकार की छवि के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है!

क्या यह जनता के कर के पैसे का गलत इस्तेमाल नहीं है?

जिस देश में आज आम नागरिक महंगाई के असहनीय बोझ से दबा हुआ है, जहां गरीब और मध्यम वर्ग परिवार अपनी रसोई चलाने के लिए तेल की एक-एक बूंद बचाने को मजबूर हैं, उसी देश में हुक्मरान अपनी शान-शौकत के लिए करोड़ों रुपये का तेल दीयों में जला रहे हैं। अब देश के कई हिस्सों से हुक्मरानों के इन बड़े और घमंडी कार्यक्रमों के खिलाफ तीखे विरोध और गुस्से की आवाजें उठ रही हैं।

गरीबों की थाली खाली है, और राजनीतिक त्योहारों पर अरबों खर्च हो रहे हैं

दिवाली या दूसरे खास मौकों के साथ-साथ नेताओं के जन्मदिन या सरकारी त्योहारों पर भी अरबों रुपये खर्च करके लाखों दीये जलाकर रिकॉर्ड बनाने की होड़ मची हुई है। लेकिन इस प्रदर्शन के पीछे की कड़वी सच्चाई यह है कि आज देश का एक बड़ा हिस्सा कुपोषण, गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है। एक तरफ देश का गरीब नागरिक पेट पर पट्टी बांधकर राशन की दुकानों या बाजारों से महंगा सरसों या खाने का तेल खरीदता है। दूसरी तरफ, जनता के कर के पैसे से खरीदा गया करोड़ों लीटर तेल सिर्फ कुछ पल के फोटो-सेशन और तालियों के लिए जमीन पर जला दिया जाता है।

खुद पर तरस या जनता का मजाक?

नागरिक और जागरूक विचारक अब खुलकर सवाल उठा रहे हैं कि जिस देश में लाखों बच्चों को पौष्टिक खाना नहीं मिलता, जहां हजारों लोग रात को भूखे सोने को मजबूर हैं, वहां ऐसे बड़े-बड़े और आलीशान योजनाएं क्यों? लोकतंत्र में राजा या शासक का पहला कर्तव्य जनता की भलाई होना चाहिए, न कि अपनी निजी शान-शौकत और लोकप्रियता के लिए सरकारी खजाने को बर्बाद करना। ऐसे प्रदर्शनों को स्थानीय जनता और विपक्षी दल 'खुद पर तरस खाने वाली तानाशाही' का उत्कृष्ट उदाहरण बता रहे हैं। अगर लोगों के कर के इस पैसे का इस्तेमाल शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीब कल्याण योजनाओं पर किया जाता, तो देश के लाखों गरीब परिवारों का जीवन स्तर सुधर सकता था। लेकिन जनकल्याण को किनारे रखकर 'रिकॉर्ड' बनाने की इस दौड़ में, देश का आम नागरिक आज भी अपनी बुनियादी ज़रूरतों के लिए तरस रहा है।

सरलता, सौम्यता और सेवाभाव की समृद्ध पहचान : श्री भरतभाई खीमजीभाई कावत्रा

मनुष्य का वास्तविक व्यक्तित्व उसकी संपत्ति या पद से नहीं, बल्कि उसकी सरलता, संवेदनशीलता, सेवाभाव और समाज के प्रति जिम्मेदारी से पहचाना जाता है। भचाऊ के सार्वजनिक जीवन में ऐसे विरल और सौम्य व्यक्तित्व के रूप में श्री भरतभाई खीमजीभाई कावत्रा का नाम आदरपूर्वक लिया जा सकता है। श्री भरतभाई खीमजीभाई कावत्रा श्री वाणी विनायक आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, भचाऊ, श्री लेवा पाटीदार बोर्डिंग संचालित सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भचाऊ तथा श्री लेवा पाटीदार बोर्डिंग संचालित सरस्वती विद्यालय, भचाऊ के मैनेजिंग ट्रस्टी के रूप में शिक्षा क्षेत्र से निरंतर जुड़े हुए हैं। उनका व्यक्तित्व सरलता, सौम्यता और निर्मलता का सुंदर संगम है। शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की उनकी भावना तथा शैक्षणिक गतिविधियों के प्रति उनका लगाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। 'जो हाथ किसी को आगे बढ़ने के लिए सहारा देता है,उस हाथ की उदारता समय से भी अधिक लंबे समय तक जीवित रहती है। ' भचाऊ के प्रतिष्ठित नागरिक तथा पटेल समाज के अग्रणी व्यक्ति के रूप में भी वे सामाजिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में भी वे विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। विद्यार्थियों के प्रति उनका प्रेम और उन्हें प्रोत्साहित करने की भावना विशेष रूप से उल्लेखनीय है। हाल ही में 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री लेवा पाटीदार बोर्डिंग, भचाऊ में आयोजित देशभक्तिपूर्ण गतिविधियों में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने एक लाख रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की थी। विद्यार्थियों में राष्ट्रभावना, प्रतिभा और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने वाले ऐसे प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। उनका सेवाभाव केवल शैक्षणिक संस्थाओं तक सीमित नहीं है। धार्मिक एवं सामाजिक अवसरों पर भी वे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करते रहते हैं। विभिन्न धार्मिक मंदिरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में महाप्रसाद के दाता के रूप में सेवा करने की उनकी भावना उनके दानवीर एवं सेवाभावी स्वभाव को उजागर करती है।

'दान से धन कम नहीं होता,
संवेदना बढ़ती है;
सेवा कभी छोटी नहीं होती,
वह जीवन को महान बनाती है। '

आज के समय में व्यक्ति की सफलता को अक्सर संपत्ति और प्रतिष्ठा के मापदंड से देखा जाता है। ऐसे समय में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए शिक्षा, विद्यार्थियों और समाज के लिए अपनी सामर्थ्य के अनुसार योगदान देने वाले लोग प्रेरणास्रोत बनते हैं। श्री भरतभाई खीमजीभाई कावत्रा का व्यक्तित्व भी इसी भावना को उजागर करता है। उनकी विशेषता यह है कि सरलता के साथ प्रबंधन, सौम्यता के साथ संबंध, दान के साथ निःस्वार्थता और शिक्षा के साथ संवेदनशीलता–इन सभी गुणों का सुंदर समन्वय उनके व्यक्तित्व में दिखाई देता है। समाज को आगे बढ़ाने के लिए केवल विचारों की नहीं, बल्कि सकारात्मक कार्य, सहयोग और सेवाभाव से जुड़े व्यक्तित्वों की आवश्यकता होती है। भरतभाई खीमजीभाई कावत्रा जैसे सेवाभावी लोग शिक्षा और सामाजिक जीवन में प्रोत्साहन का वातावरण निर्मित करने में अपना योगदान दे रहे हैं–यह निःसंदेह प्रशंसनीय है।

लेखक : रूपेश सोलंकी

पत्नी ने जुड़वा बच्चों को दिया जन्म, एक बेटी देख तमतमाया पति, अस्पताल में चेहरे पर किया हमला; गिरफ्तारी के बाद बदला मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित कमला राजा अस्पताल में जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद भर्ती महिला पर उसके पति द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। महिला ने सर्जरी के जरिए जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था। इनमें एक बेटा और एक बेटी थी। परिजनों का आरोप है कि बेटी के जन्म की जानकारी मिलने के बाद पति नाराज हो गया और उसने अस्पताल में ही पत्नी के चेहरे पर हमला कर दिया। घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, पूछताछ में पति ने बेटी होने की वजह से नाराज होने और चाकू से हमला करने के आरोप से इनकार किया है। सर्जरी से हुई थी महिला की प्रसूति जानकारी के अनुसार, हजीरा क्षेत्र की रहने वाली पूजा को प्रसव के लिए कमला राजा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला की सर्जरी के जरिए प्रसूति हुई और उसने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। बच्चों में एक बेटा और एक बेटी थी। प्रसूति के बाद महिला अस्पताल में ही उपचार और निगरानी के लिए भर्ती थी। इसी दौरान उसके पति उदयभान के साथ उसका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद पति ने महिला के चेहरे पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में महिला के चेहरे और शरीर पर चोट आई। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल के कर्मचारी और परिजन मौके पर पहुंचे और घायल महिला को संभाला। अस्पताल परिसर में अचानक हुई इस घटना से अफरा-तफरी का

माहौल बन गया। बेटी होने पर नाराजगी का लगाया आरोप महिला के परिजनों ने आरोप लगाया कि पति जुड़वा बच्चों में बेटी होने से नाराज था। उनका कहना है कि इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ और गुस्से में आरोपी ने महिला पर हमला कर दिया। परिजनों के इस आरोप के बाद मामला और गंभीर हो गया। हालांकि, आरोपी पति ने पुलिस के सामने बेटी होने की वजह से नाराज होने की बात से इनकार किया है। उसका कहना है कि पत्नी पर चाकू से हमला नहीं किया गया था। उसने गुस्से में पत्नी का चेहरा नोच लिया था। पुलिस अब महिला के बयान, आरोपी के बयान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। अस्पताल में मच गया हड़कंप महिला पर हमले की घटना के बाद अस्पताल में मौजूद कर्मचारियों और परिजनों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची। महिला ने अपने पति उदयभान के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पुलिस के अनुसार, महिला के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार को लेकर भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला पर वास्तव में किस तरह हमला हुआ और विवाद की वास्तविक वजह क्या थी। समय से पहले पैदा हुए थे जुड़वा बच्चे पूछताछ के दौरान आरोपी पति ने पुलिस को बताया कि जुड़वा बच्चे साढ़े सात माह में ही पैदा हो गए थे। समय से पहले जन्म लेने के कारण दोनों बच्चों को अलग रखा गया था और उनकी विशेष देखरेख की जा रही थी। आरोपी के मुताबिक, बच्चों की देखभाल को लेकर उसकी पत्नी से विवाद हुआ था। आरोपी का कहना है कि इसी विवाद के दौरान उसका गुस्सा बढ़ गया और उसने पत्नी के साथ मारपीट की। उसने चाकू से हमला करने के आरोप से इनकार करते हुए केवल चेहरे को नोचने की बात कही है। पुलिस उसके इस बयान की भी जांच कर रही है।

स्कूल बस खराब होने पर आठ साल की छात्रा को ई-रिक्शा से भेजा, चालक पर आपत्तिजनक हरकत का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोण्डा। उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिले के खोड़ारे थाना क्षेत्र में स्कूल की परिवहन व्यवस्था को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल बस खराब होने के बाद आठ वर्षीय छात्रा को एक अनजान ई-रिक्शा चालक के भरोसे घर भेज दिया गया। रास्ते में चालक द्वारा बच्ची के साथ आपत्तिजनक हरकत किए जाने का आरोप है। घर पहुंचने के बाद बच्ची रोने लगी और उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। बभनजोत डड़वा निवासी महिला के अनुसार, उसकी आठ वर्षीय बेटी हाजी जमीरुउल्लाह पब्लिक स्कूल में पढ़ती है। स्कूल की ओर से बच्चों को लाने-ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था की जाती थी। महिला का आरोप है कि 11 सितंबर को स्कूल बस खराब होने के बाद प्रबंधन ने बच्ची समेत अन्य छात्रों को ई-रिक्शा से घर भेज दिया। आरोप है कि इसी दौरान चालक ने बच्ची को आगे बैठाया और उसके साथ गलत तरीके से स्पर्श किया। घर पहुंचकर रोते हुए बताई घटना महिला के मुताबिक, घर पहुंचते ही बच्ची रोने लगी और उसने मां को रास्ते में हुई घटना के बारे में बताया। इसके बाद मां ने स्कूल प्रबंधक बब्बू को फोन कर मामले की जानकारी दी। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन की ओर से मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद महिला ने 16 सितंबर को खोड़ारे पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शुरू की जांच खोड़ारे थाने के प्रभारी निरीक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

नहर में मिली देवर-भाभी की लाश, दोनों के हाथ बंधे मिले, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के मिरहची थाना क्षेत्र में हजारा नहर से नौ दिन से लापता देवर-भाभी के शव बरामद होने से हड़कंप मच गया। दोनों के हाथ बंधे मिले हैं। परिजनों ने गांव में पुरानी दुश्मनी का हवाला देते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। कासगंज जिले के रहने वाले कृष्णकांत और उसकी भाभी प्रियंका 8 सितंबर को नदरई नहर में छलांग लगाने के बाद से लापता थे। गुरुवार को एटा के मिरहची क्षेत्र में कुटैना माफी गांव के पास हजारा नहर में ग्रामीणों को दोनों के शव एक साथ तैरते दिखाई दिए। सूचना मिलने पर पुलिस और बाढ़ राहत दल मौके पर पहुंचा और दोनों शवों को नहर से बाहर निकलवाया। नहर में मिले देवर-भाभी के शव मिरहची थाना क्षेत्र के कुटैना माफी स्थित हजारा नहर में गुरुवार सुबह दो शव तैरते हुए मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शवों को बाहर निकलवाकर उनकी पहचान कराई। मृतकों की पहचान कासगंज निवासी कृष्णकांत, पुत्र गिरीश चंद्र और उसकी भाभी प्रियंका, पत्नी पंकज के रूप में हुई। पति ने जताई हत्या की आशंका मृतका प्रियंका के पति पंकज ने बताया कि मृतकों में उसका सगा भाई और उसकी पत्नी शामिल हैं। पंकज का कहना है कि उसका भाई आत्महत्या नहीं कर सकता। उसने गांव में पुरानी दुश्मनी होने की बात बताते हुए दोनों की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। शवों के हाथ बंधे मिलने की बात ने भी मामले को संदिग्ध बना दिया है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार मिरहची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

देवर से संबंध के शक में पत्नी से भिड़ा पति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के लुहारा गांव में पत्नी के छोटे भाई से संबंध होने के शक को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि गुस्से में पति ने पत्नी की गर्दन पर कैंची से कई वार कर दिए। इसी दौरान तीन माह की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत को लेकर परिवार और पुलिस के सामने अलग-अलग दावे सामने आए हैं। परिवार का कहना है कि मारपीट के दौरान बच्ची मां की गोद से गिर गई, जबकि पुलिस को बच्ची को जमीन पर पटकने की सूचना मिली थी। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के लुहारा गांव में खजूर वाली मस्जिद के पास सलमान अपने परिवार के साथ रहता है और वेल्डिंग व शटरिंग का काम करता है। पुलिस और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, गुरुवार सुबह सलमान और उसकी पत्नी शीबा के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से भी घरेलू विवाद चल रहा था। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि विवाद के दौरान सलमान ने शीबा की गर्दन पर कैंची से कई वार कर दिए। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उसके गले से खून निकलने लगा। घटना के बाद परिजनों ने महिला का गांव में ही डॉक्टर से इलाज कराया और उसके गले में टांके लगाए। इसी दौरान तीन माह की बच्ची भी वहां मौजूद थी। बच्ची की मौत को लेकर सामने आए अलग-अलग दावे घटना के बाद बच्ची की मौत कैसे हुई, इसको लेकर अलग-अलग बातें सामने आईं।

घर में मां की लाश, धान के खेत में बेटी... बलिया में एक ही परिवार में दो मौतों से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सराय भारती गांव में मां-बेटी की मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मां का शव घर के अंदर मिला, जबकि 22 वर्षीय बेटी की लाश घर से कुछ दूरी पर धान के खेत में पड़ी मिली। दोनों के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को यह भी शक है कि हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश की गई। फिलहाल मामले की जांच जारी है। यह मामला रसड़ा थाना क्षेत्र का है। पुलिस को गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे सूचना मिली कि गांव में दो शव पड़े हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घर के अंदर मांति गुप्ता का शव मिला, जबकि उनकी 22 वर्षीय बेटी गौरी का शव घर से कुछ दूरी पर धान के खेत में पड़ा था। बताया गया है कि गौरी दृष्टिबाधित थी। मां और बेटी के शव अलग-अलग स्थानों पर मिलने से पुलिस के सामने कई सवाल खड़े हो गए हैं। दोनों के सिर पर मिले चोट के निशान पुलिस के मुताबिक, मां और बेटी दोनों के सिर पर किसी भारी वस्तु से चोट मारे जाने के निशान मिले हैं। शुरुआती जांच में मामला हत्या का माना जा रहा है। परिवार में मांति गुप्ता, उनके पति रामचीज गुप्ता और बेटी गौरी रहते थे। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य कहां थे और वारदात किस तरह हुई, पुलिस इन सभी बिंदुओं की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के मुताबिक, घटनास्थल को देखने पर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश की गई। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

लाड़ली बहना योजना पर हाईकोर्ट का नोटिस, मध्य प्रदेश सरकार से चार सप्ताह में जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना योजना को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में योजना की उपयोगिता, सरकार पर पड़ रहे वित्तीय भार और महिलाओं को दी जा रही राशि के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए गए हैं। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। साथ ही योजना के लाभार्थियों की संख्या, उन्हें दी जा रही राशि और भुगतान से जुड़े अभिलेख भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्वालियर की सुधा दुबे की ओर से दायर जनहित याचिका में योजना की मौजूदा व्यवस्था और इसके वित्तीय प्रभाव को लेकर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल कुमार मिश्रा ने अदालत के सामने पक्ष रखा। याचिका में यह मांग की गई है कि योजना पर होने वाले खर्च, लाभार्थियों की संख्या, भविष्य में पड़ने वाले वित्तीय दायित्व और महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर योजना के प्रभाव का आकलन किया जाए। हर महीने करीब 1,900 करोड़ रुपये खर्च होने का दावा याचिकाकर्ता की ओर से योजना पर होने वाले खर्च को लेकर करीब 1,900 करोड़ रुपये प्रतिमाह के वित्तीय भार का दावा किया गया है। वहीं, उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार योजना में वर्तमान में प्रत्येक पात्र महिला को 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं और लाभार्थियों की संख्या करीब 1 करोड़ 25 लाख बताई गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि महिलाओं के कल्याण के लिए सीधे राशि देने के बजाय रोजगार, स्वरोजगार, उद्योग और स्थायी आर्थिक अवसर पैदा करने पर सरकारी धन खर्च किया जा सकता था। उनका तर्क है कि इससे महिलाओं को लंबे समय तक आर्थिक लाभ मिल सकता है। यह याचिकाकर्ता की ओर से रखी गई दलील है और इस पर राज्य सरकार का जवाब अभी आना बाकी है। राज्य के वित्तीय बोझ पर भी

उठाए सवाल याचिका में मध्य प्रदेश की वित्तीय स्थिति और योजना से जुड़े भविष्य के खर्च को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से राज्य पर करीब 3.08 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का दावा किया गया है। हालांकि, यह आंकड़ा याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में रखी गई दलीलों का हिस्सा है और इस संबंध में सरकार का पक्ष अभी सामने आना बाकी है। याचिका में योजना शुरू किए जाने के समय को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार, योजना मार्च 2023 में शुरू की गई थी और उस समय चुनावी माहौल था।

राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पर नितिन नबीन का पलटवार

बोले- कांग्रेस के अंदर की आवाज दबाने की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर पलटवार किया है। उज्जैन में मीडिया से बातचीत के दौरान नबीन ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी छात्रों के मुद्दों के जरिए कांग्रेस के भीतर उठ रही आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। 'कांग्रेस के अंदर से उठ रही आवाज को दबा रहे' नितिन नबीन ने कहा कि राहुल गांधी को पहले अपनी पार्टी के भीतर उठ रही आवाजों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के अंदर से राहुल गांधी के नेतृत्व में बदलाव की आवाजें उठ रही हैं और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के जरिए उन आवाजों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी के बेरोजगारी संबंधी मुद्दे उठाने पर भी निशाना साधा। इंदौर में 19 सितंबर को कार्यक्रम राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित है। कांग्रेस के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों से शिक्षा व्यवस्था, रोजगार और उनकी समस्याओं को लेकर सीधे संवाद करना है। राहुल गांधी ने भी छात्रों से अपने अनुभव और समस्याएं साझा करने की अपील की है। उज्जैन में 33.27 लाख दीप जलाए गए नितिन नबीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने मध्य प्रदेश पहुंचे थे। उज्जैन में मुख्यमंत्री मोहन यादव और नितिन नबीन की मौजूदगी में शिप्रा नदी के घाटों और महाकाल लोक क्षेत्र में 33.27 लाख दीप जलाए गए। राज्य सरकार के अनुसार, पूरे मध्य प्रदेश में कुल 3.55 करोड़ दीप प्रज्वलित किए गए। 50 लाख लोगों को निःशुल्क पंजीयन की योजना इंदौर में नितिन नबीन और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना से जुड़े अभियान की शुरुआत भी की। राज्य सरकार के अनुसार इस पहल के तहत 50 लाख लोगों को संपत्ति के निःशुल्क पंजीयन की सुविधा दी जाएगी। सरकार का कहना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन और संपत्ति से जुड़े अधिकारों के दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मध्य प्रदेश दौरा नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह मध्य प्रदेश का पहला दौरा बताया जा रहा है। उनके इंदौर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और रोड शो के जरिए कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया। इसी दौरान उन्होंने राहुल गांधी के आगामी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

दोस्त के साथ संबंध बनाने से इनकार किया तो सहेलियों ने छात्रा को पीटा, बनाया वीडियो, सोशल मीडिया पर किया प्रसारित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले में महाविद्यालय की एक छात्रा के साथ उसकी ही चार सहेलियों द्वारा मारपीट करने और घटना का वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यम पर प्रसारित करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक से संबंध बनाने और उसके दोस्त को खुश करने से इनकार करने के बाद छात्रा को बहाने से सुनसान इलाके में ले जाया गया, जहां चार छात्राओं ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान घटना का वीडियो भी बनाया गया। शिकायत मिलने के बाद कोलगवां थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लगातार संदेश भेजकर परेशान करने का आरोप जानकारी के अनुसार, पीड़िता महाविद्यालय में पढ़ाई करती है। आरोप है कि एक छात्र लगातार उसे संदेश भेजकर परेशान कर रहा था। छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो महाविद्यालय की ही एक अन्य छात्रा ने उस पर अपने दोस्त के साथ संबंध बनाने का दबाव बनाया। पीड़िता ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि छात्रा के इनकार करने के बाद उसे सबक सिखाने के लिए मारपीट की योजना बनाई गई। 6 सितंबर को आरोपी छात्रा ने पीड़िता को बाजार जाने का बहाना बनाया और उसे स्कूटर पर बैठाकर नगर वन के सामने स्थित सुनसान इलाके में ले गई। सुनसान जगह पर तीन छात्राएं पहले से मौजूद थीं पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, जब पीड़िता वहां पहुंची तो तीन अन्य छात्राएं पहले से मौजूद थीं। आरोप है कि चारों छात्राओं ने मिलकर उसे घेर लिया और उसके साथ लात-घूंसों तथा डंडों से मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुई मारपीट से छात्रा घबरा गई और उसने बचने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उसे जाने नहीं दिया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने घटना का वीडियो भी बनाया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि छात्रा पर एक युवक से वीडियो कॉल के माध्यम से माफी मांगने का दबाव बनाया गया। बताया जा रहा है कि पूरी घटना के दौरान छात्रा को मानसिक रूप से भी परेशान किया गया। घटना के बाद डरी रही छात्रा मारपीट की घटना के बाद छात्रा काफी डर गई थी। आरोप है कि उसने शुरुआत में परिवार के सदस्यों को भी घटना के बारे में जानकारी नहीं दी। इसी बीच मारपीट के दौरान बनाया गया वीडियो एक स्थानीय रिश्तेदार के पास पहुंच गया। वीडियो देखने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई। वीडियो सामने आने के बाद परिवार ने छात्रा से पूरी घटना के बारे में जानकारी ली। इसके बाद परिजन उसे लेकर पुलिस थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। 11 सितंबर को थाने पहुंचकर दर्ज कराई शिकायत पीड़िता 11 सितंबर को अपने परिवार के साथ कोलगवां थाने पहुंची। यहां उसने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए शिकायत दी। शिकायत में चार छात्राओं पर

मारपीट करने, वीडियो बनाने और उसे सामाजिक माध्यम पर प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है। चार छात्राओं के खिलाफ नामजद मामला कोलगवां थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार छात्राओं के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। पुलिस ने प्रसारित वीडियो को जांच में शामिल किया है और पीड़िता के बयान भी दर्ज किए हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के पीछे वास्तविक विवाद क्या था और वीडियो किसने बनाया तथा उसे सामाजिक माध्यम पर किस प्रकार प्रसारित किया गया। नगर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह चौहान के अनुसार, चार छात्राओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस शिकायत, छात्रा के बयान और प्रसारित वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

तिलक और निर्धारित वेशभूषा अनिवार्य; गर्भगृह में मोबाइल पर रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की व्यवस्था, धार्मिक मर्यादा और अनुशासन बनाए रखने के लिए पुजारियों के लिए नई नियमावली लागू की गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की धार्मिक समिति की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में पुजारियों के पहनावे, तिलक, शुचिता, व्यवहार और गर्भगृह में मोबाइल ले जाने को लेकर स्पष्ट नियम तय किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत गर्भगृह में मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। तिलक और निर्धारित वेशभूषा जरूरी नई नियमावली के अनुसार सेवा के दौरान सभी अर्चकों को धार्मिक समिति की ओर से निर्धारित पारंपरिक वस्त्र ही पहनने होंगे। मंदिर परिसर में तिलक धारण करना भी अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही पंचकेशी क्षौर परंपरा का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें बाल, दाढ़ी, मूंछ और शिखा से संबंधित निर्धारित धार्मिक व्यवस्था का पालन करना होगा। राम मंदिर में सभी 35 अर्चकों के लिए पीत वस्त्रों की एकरूप व्यवस्था पहले ही लागू की जा चुकी है। गर्भगृह में मोबाइल फोन पर पूरी तरह रोक नए दिशा-निर्देशों का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा गर्भगृह में मोबाइल फोन और अन्य बाहरी सामग्री को लेकर है। ड्यूटी के दौरान किसी भी पुजारी या सेवक को गर्भगृह में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मंदिर व्यवस्था की ओर से उपलब्ध कराए गए भोग-प्रसाद के अलावा बाहर की कोई सामग्री भी गर्भगृह में ले जाने पर रोक रहेगी। इसका उद्देश्य पूजा के दौरान एकाग्रता और निर्धारित धार्मिक व्यवस्था को बनाए रखना बताया गया है। शुचिता और आचरण को लेकर भी निर्देश नई नियमावली में व्यक्तिगत शुचिता को भी विशेष महत्व दिया गया है। शौच जाने के बाद बिना स्नान किए मंदिर या कोठार में प्रवेश नहीं किया जा सकेगा। सेवाकाल के दौरान अर्चकों को अपने निर्धारित स्थान पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। किसी आवश्यक कारण से स्थान छोड़ना हो तो पाली प्रमुख को इसकी जानकारी देनी होगी। ड्यूटी के दौरान अनावश्यक बातचीत, समूह में चर्चा और हंसी-मजाक से भी बचने को कहा गया है। मंदिर व्यवस्था, धर्मगुरु और आचार्यों से जुड़े आवश्यक संवाद के अलावा ट्रस्ट के कर्मचारियों या सुरक्षा कर्मियों से अनावश्यक संपर्क और बातचीत नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों के उल्लंघन पर शुचिता से जुड़े प्रावधान रिपोर्टों के अनुसार, मंदिर की धार्मिक मर्यादा से जुड़े नियमों के उल्लंघन की स्थिति में शुद्धिकरण से संबंधित धार्मिक प्रक्रिया का प्रावधान भी रखा गया है। मंदिर सीमा से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर पंचगव्य प्राशन जैसे धार्मिक प्रावधानों का उल्लेख नियमावली में किया गया है। हालांकि, मंदिर व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों ने इसे पूजा-पद्धति और सेवा की मर्यादा बनाए रखने के लिए जारी दिशा-निर्देशों के रूप में बताया है। सेवाकाल के बाद देनी होगी लिखित समीक्षा नई व्यवस्था में अर्चकों के बीच समन्वय और जवाबदेही पर भी जोर दिया गया है। पाली समाप्त होने के बाद सहयोगियों और मंदिर व्यवस्था से संबंधित संक्षिप्त लिखित समीक्षा देने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम मोहन यादव ने लिया गौरव रणदिवे का नाम तो कैलाश विजयवर्गीय बोले- मुख्यमंत्री ने राज की बात बता दी

वीडियो सामने आने के बाद भाजपा के अंदरूनी समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की मौजूदगी में इंदौर में आयोजित स्वामित्व योजना के कार्यक्रम के दौरान मंच पर हुई एक टिप्पणी ने राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में भाजपा के प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे का नाम लेते हुए उन्हें कार्यक्रम का सूत्रधार बताया। इसके बाद मंच पर आभार व्यक्त करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक राज की बात बता दी है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि भाजपा की ओर से इस टिप्पणी को लेकर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्वामित्व योजना के कार्यक्रम में जुटे थे बड़े नेता इंदौर में 17 सितंबर को स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव सहित प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस दौरान योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों से जुड़े अधिकार अभिलेखों के पंजीयन अभियान की शुरुआत की गई। सरकार के अनुसार, प्रदेश में बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी स्वामित्व देने की दिशा में यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने रणदिवे को बताया कार्यक्रम का सूत्रधार कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आयोजन से जुड़े लोगों का उल्लेख करते हुए गौरव रणदिवे का नाम लिया। उन्होंने रणदिवे को कार्यक्रम का सूत्रधार बताया। रणदिवे वर्तमान में भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं और इससे पहले इंदौर शहर भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। मुख्यमंत्री के इस उल्लेख के बाद मंच पर मौजूद कैलाश विजयवर्गीय की टिप्पणी चर्चा में आ गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के संबोधन के बाद विजयवर्गीय जब मंच पर आभार व्यक्त करने पहुंचे तो उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर इशारा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने एक राज की बात बता दी है। इसके बाद उन्होंने गौरव रणदिवे का आभार जताया। मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया ने खींचा ध्यान कैलाश विजयवर्गीय की इस टिप्पणी के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव की प्रतिक्रिया भी कैमरे में दिखाई दी। वीडियो में मुख्यमंत्री मुस्कुराते हुए नजर आते हैं और इसके बाद मंच पर मौजूद नितिन नबीन से भी कुछ बातचीत करते दिखाई देते हैं। कार्यक्रम के वीडियो के सामने आने के बाद सामाजिक माध्यमों पर इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अलग-अलग तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

दिल्ली में कार ने बाइक को टक्कर मारकर दूर तक घसीटा, 73 वर्षीय चालक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के आरके पुरम इलाके में अफ्रीका एवेन्यू रोड पर गुरुवार रात एक सड़क हादसे के बाद हड़कंप मच गया। एक तेज रफ्तार नीले रंग की होंडा अमेज कार ने सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और उसे कुछ दूरी तक घसीटते हुए ले गई। इस दौरान सड़क पर बाइक से चिंगारी निकलती दिखाई दी। घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 73 वर्षीय कार चालक वेणु गोपाल को गिरफ्तार कर लिया। सड़क किनारे बाइक पर बैठे थे 21 वर्षीय युवक दिल्ली पुलिस के अनुसार हादसा भीकाजी कामा प्लेस से आरके पुरम मेट्रो स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। यहां मुनिरका निवासी 21 वर्षीय तनिष टोकस अपनी काली मोटरसाइकिल के पास बैठे थे। इसी दौरान नीले रंग की होंडा अमेज कार ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कुछ दूर तक घसीटती रही बाइक कार की टक्कर लगते ही तनिष मोटरसाइकिल से नीचे गिर गए। इसके बाद कार चालक ने वाहन को रोकने के बजाय मोटरसाइकिल को कुछ दूरी तक घसीट दिया। बाइक के सड़क से रगड़ खाने के कारण चिंगारियां निकलती नजर आईं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस दिल्ली पुलिस के मुताबिक आरके पुरम थाने की टीम रात करीब 10:22 बजे सूचना मिलने के बाद तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने हादसे में शामिल कार और मोटरसाइकिल को कब्जे में लिया। वहीं, घायल युवक तनिष को अस्पताल भेजकर उसकी चिकित्सकीय जांच कराई गई।

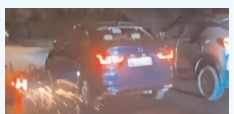

16 वर्षीय किशोरी से टेंपो में दुष्कर्म के बाद हत्या, आठ बार चाकू से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में 16 वर्षीय किशोरी से कथित दुष्कर्म के बाद चाकू घोंपकर हत्या का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में तीन नाबालिगों समेत चार संदिग्धों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार किशोरी 12 सितंबर को एक दोस्त से मिलने के लिए घर से निकली थी। बाद में वह सामान ढोने वाले टेंपो में आरोपियों के साथ गई। आरोप है कि टेंपो के अंदर उसके साथ यौन हमला किया गया और इसके बाद उसकी हत्या कर शव को कुशक रोड के पास खुले मैदान में फेंक दिया गया। खुले मैदान में मिला किशोरी का शव पुलिस के मुताबिक घटना 12 सितंबर की है। अगले दिन सुबह कुशक रोड के पास खुले मैदान में एक शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। शुरुआत में किशोरी की पहचान नहीं हो सकी थी। जांच में सामने आया कि उसके शरीर पर चाकू से कम से कम आठ वार किए गए थे। तीन आरोपियों पर दुष्कर्म का आरोप जांच में पुलिस ने चार संदिग्धों को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार इनमें से तीन पर किशोरी के साथ कथित दुष्कर्म करने का आरोप है। चौथे संदिग्ध ने पूछताछ में दावा किया कि वह यौन हमले में शामिल नहीं था, लेकिन हत्या में उसकी भूमिका थी। पुलिस उसके इस दावे की भी पुष्टि कर रही है और चारों की अलग-अलग भूमिका की जांच की जा रही है। 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की जांच मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने नहीं आया था और शुरुआत में किशोरी की पहचान भी स्पष्ट नहीं थी। ऐसे में पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। अपराध स्थल और आसपास के रास्तों को कवर करने वाले 50 से अधिक कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की गई। जांच के दौरान पुलिस को घटना के संभावित समय के आसपास एक टेंपो इलाके में आता-जाता दिखाई दिया। अंधेरा होने के कारण शुरुआत में उसका पंजीकरण नंबर स्पष्ट नहीं हो सका। इसके बाद पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर लगे कैमरों के जरिए टेंपो की आवाजाही का मार्ग खंगाला और स्थानीय स्तर पर की गई पूछताछ से उसका मिलान किया। टेंपो तक पहुंची पुलिस की जांच पुलिस के अनुसार 15 और 16 सितंबर की रात इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान संदिग्ध टेंपो स्वरूप नगर में खड़ा मिला। पुलिस ने उसके चालक की पहचान कर पूछताछ की। इसके बाद मामले में शामिल चार संदिग्धों तक पुलिस पहुंच सकी। दोस्त से मिलने के बाद टेंपो में गई थी किशोरी पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार किशोरी 12 सितंबर को एक दोस्त से मिलने के लिए निकली थी। इसके बाद उसने अपने कुछ दोस्तों को बुलाया और सभी एक सामान ढोने वाले टेंपो में सवार हुए। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में संदिग्धों ने शराब पीने की बात बताई है।

दिल्ली में ट्रैफिक चालान को कोर्ट में चुनौती देने के नियम बदले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रैफिक चालान को गलत मानने वाले वाहन चालकों के लिए कोर्ट जाने की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अब वाहन चालक सीधे अदालत में जाकर चालान को चुनौती नहीं दे सकेंगे। पहले संबंधित अधिकारी के सामने शिकायत या अपील करनी होगी। यदि अधिकारी चालान को गलत पाते हैं तो उसे वहीं रद्द किया जा सकेगा। वहीं, अधिकारी के फैसले से असंतुष्ट होने पर कोर्ट जाने का विकल्प रहेगा, लेकिन अदालत में सुनवाई से पहले चालान की 50 फीसदी राशि जमा करनी होगी। पहले अधिकारी के सामने करनी होगी शिकायत नई व्यवस्था के तहत यदि किसी वाहन चालक को लगता है कि उसका ई-चालान गलत जारी हुआ है, तो उसे सबसे पहले निर्धारित शिकायत निवारण अधिकारी के सामने अपनी आपत्ति दर्ज करानी होगी। अधिकारी चालान से जुड़े रिकॉर्ड और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच करेंगे। यदि जांच में चालान गलत पाया जाता है तो उसे रद्द किया जा सकेगा और वाहन चालक को इसकी जानकारी संबंधित माध्यम से दी जाएगी। चालान सही मिला तो कोर्ट जाने का विकल्प यदि अधिकारी जांच के बाद चालान को सही मानते हैं और वाहन चालक इस फैसले से संतुष्ट नहीं है, तो वह अदालत का रुख कर सकता है। हालांकि, अदालत में मामले की सुनवाई शुरू होने से पहले चालान की कुल राशि का 50 फीसदी जमा करना होगा। 2 हजार के चालान पर जमा करने होंगे 1 हजार नई व्यवस्था को उदाहरण से समझें तो अगर किसी वाहन चालक का 2,000 रुपये का चालान है, तो कोर्ट में चुनौती देने से पहले 1,000 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह 5,000 रुपये के चालान पर 2,500 रुपये और 10,000 रुपये के चालान पर 5,000 रुपये जमा करने होंगे। यह राशि चालान सही मानने की अंतिम स्वीकृति नहीं होगी, बल्कि अदालत में चुनौती आगे बढ़ाने के लिए जमा करनी होगी।चालान गलत निकला तो वापस मिलेगी रकम अगर अदालत सुनवाई के बाद चालान को गलत पाती है और उसे रद्द कर देती है, तो वाहन चालक द्वारा जमा की गई 50 फीसदी राशि वापस की जाएगी। वहीं, यदि अदालत चालान को सही मानती है तो पहले जमा की गई राशि कुल जुर्माने में समायोजित होगी और वाहन चालक को बाकी 50 फीसदी रकम जमा करनी होगी।

ग्लोबल स्टेज पर डराने वाली जम्मू की बेटी अर्शिया अब टीवी पर बनीं घर-घर की पसंद

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में 'मायरा' के किरदार से जीता दर्शकों का दिल

'अमेरिकाज़ गॉट टैलेंट' में जजों के रोंगटे खड़े करने वाली अर्शिया शर्मा के करियर का सबसे सुनहरा दौर...

जम्मू से मुंबई तक का संघर्ष लाया रंग...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कहते हैं कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या आधुनिक सुविधाओं की मोहताज नहीं होती। इस बात को सच कर दिखाया है जम्मू की रहने वाली प्रतिभावान कलाकार अर्शिया शर्मा ने। मात्र कुछ ही सालों के भीतर अर्शिया ने न सिर्फ भारत के बड़े डांस मंचों पर अपनी धाक जमाई, बल्कि 'अमेरिकाज़ गॉट टैलेंट' के ग्लोबल मंच पर जजों के रोंगटे खड़े कर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। वर्तमान में वह अपने करियर के सबसे शानदार पीक टाइम का आनंद ले रही हैं, जहां स्टार प्लस के आइकॉनिक शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में 'मायरा' के किरदार में उनकी एक्टिंग को घर-घर में बेहद पसंद किया रहा है। अर्शिया का यह सफर आसान नहीं था। उनका जन्म जम्मू के एक बेहद साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता एक छोटे व्यवसायी हैं और मां गृहणी हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उनके पास किसी बड़े शहर में जाकर महंगे डांस एकेडमी में दाखिला लेने की सुविधा नहीं थी। इसके ऊपर एक और बड़ी चुनौती यह थी कि शुरुआती दिनों में जम्मू में कोई फॉर्मल या प्रोफेशनल डांस स्टूडियो भी नहीं था। लेकिन जहां सुविधाएं कम थीं, वहां अर्शिया की जिद बड़ी थी। उन्होंने हार नहीं मानी और इंटरनेट व यूट्यूब के ऑनलाइन वीडियो देख-देखकर खुद ही अभ्यास करना शुरू किया। घर की छोटी और अस्थाई जगहों को ही उन्होंने अपना डांसिंग फ्लोर बना लिया और दिन-रात कड़ा अभ्यास किया। डांस में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अर्शिया ने सबसे पहले खुद को जिम्नास्टिक्स में तपाया। इसके लिए वह मौलाना आज़ाद इनडोर स्टेडियम में घंटों पसीना बहाया करती थीं। उनकी इसी कड़ी मेहनत का नतीजा था कि उन्होंने नेशनल चैंपियनशिप में दो गोल्ड मेडल जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। इस खेल से उन्होंने जो शरीर का लचीलापन हासिल किया, उसने आगे चलकर उनके हॉरर डांस को बिल्कुल अनोखा और अविश्वसनीय बना दिया। कलर्स टीवी के शो 'मंगल लक्ष्मी' से अपने अभिनय की शुरुआत करने के बाद, आज अर्शिया अपने करियर के सबसे सुनहरे मुकाम पर हैं। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में 'मायरा' का मुख्य और आकर्षक किरदार निभाकर वह टीवी इंडस्ट्री में छा गई हैं। शो में उनके एक्सप्रेशन्स, इमोशन्स और बेहतरीन स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। कल तक जो लड़की जम्मू के एक छोटे से कमरे में ऑनलाइन वीडियो देखकर डांस स्टेप्स सीखती थी, आज वह अपनी कड़ी मेहनत और अभिनय के दम पर भारतीय टेलीविजन की सबसे चमकती कलाकारों में से एक बन चुकी है।

सीसीटीवी से खुला कथित सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का खौफनाक राज!

नाबालिग के साथ हैवानियतः दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में खेत में 17 साल की लड़की की कटी-फटी लाश मिली,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। यहां के उत्तरी हिस्से के स्वरूप नगर इलाके से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। महिला सुरक्षा के दावों के बीच, दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक सुनसान गली के पास खेत में 17 साल की लड़की की कटी-फटी लाश मिलने से पूरे इलाके में भारी हंगामा और अफरा-तफरी मच गई। घटनास्थल पर आवारा कुत्तों के घूमने और मासूम किशोरावस्था की लड़की की लाश को नोचने का बेहद दर्दनाक मंजर देखकर स्थानीय लोग हैरान रह गए। इस घटना के बाद सीसीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की जांच में कथित सामूहिक दुष्कर्म और बेरहमी से हत्या का खुलासा हुआ, जिससे पुलिस वहीवटदार में भारी हंगामा मच गया है। कुत्ते नोच रहे थे, खून से लथपथ हालत में मिली देह मिली जानकारी के मुताबिक, लड़की की देह स्थानीय लोगों को स्वरूप नगर इलाके में एक खाली खेत में मिली। देह बहुत ही दयनीय और बुरी हालत में थी और आवारा कुत्ते उसकी देह को नोच रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस का काफिला तुरंत मौके पर पहुंचा। शुरुआती जांच में पता चला कि मरने वाली लड़की पास के इलाके की सिर्फ 17 साल की थी और उसकी बेरहमी से हत्या की गई थी। सीसीटीवी फुटेज से भयानक साजिश का पता चलाः कथित सामूहिक दुष्कर्म का शक स्वरूप नगर पुलिस मौके पर पहुंची और अपराध को सुलझाने के लिए आसपास की सड़कों और मुख्य इलाकों के सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू किया। सीसीटीवी में मिले चौंकाने वाले सुरागों ने पूरी घटना से पर्दा उठा दिया। इस बात का पक्का शक है कि नाबालिग को बहला-फुसलाकर या ज़बरदस्ती किसी सुनसान जगह पर ले जाया गया और कथित तौर पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और बाद में पकड़े जाने के डर से गला घोंटकर या किसी खतरनाक हथियार से उसकी हत्या कर दी गई। दिल्ली पुलिस का काफ़िला मौके परः विधि विज्ञान प्रयोगशाला और न्यायशास्त्र टीम की मदद मांगी गई घटना की गंभीरता को देखते हुए, दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, विधि विज्ञान प्रयोगशाला टीम और स्वान दस्ता तुरंत मौके पर पहुँचे। मौके से ज़रूरी वैज्ञानिक सबूत इकट्ठा किए गए हैं। नाबालिग की देह को शव परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। पैनल डॉक्टर की न्यायशास्त्र शव परीक्षण रिपोर्ट के बाद ही दुष्कर्म की आधिकारिक पुष्टि होगी। नाहगारों के लिए मौत की सज़ा की जनता की मांग ल्ली के स्वरूप नगर में एक मासूम 17 साल की लड़की के साथ अमानवीय जुल्म और हत्या से लोगों में भारी गुस्सा है। स्थानीय लोगों और नाबालिग के परिवार ने मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचाने गए सभी अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उन पर त्वरित अदालत में मुकदमा चलाया जाए और उन्हें मौत जैसी सख्त सजा दी जाए, ताकि भविष्य में कोई भी अपराधी ऐसा घिनौना काम करने के बारे में सोच भी न सके।

बोले- मेरे लिए सेलिब्रिटी नहीं, कानून की जिम्मेदारी निभाने वाले

विमल इलायची विज्ञापन मामले में तुकाराम मुंढे का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे ने विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को जारी नोटिस पर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का सेलिब्रिटी होना उसे कानून के दायरे से बाहर नहीं करता। विज्ञापन में किसी उत्पाद का प्रचार करने वाले व्यक्ति की भी कानूनी जिम्मेदारी होती है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने तीनों अभिनेताओं को विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। 11 अगस्त को जारी हुए थे नोटिस महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने 11 अगस्त को शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को नोटिस जारी किए थे। विभाग ने विज्ञापन को लेकर सवाल उठाया था कि कहीं विमल इलायची के नाम पर प्रतिबंधित पान मसाला का अप्रत्यक्ष या छद्म प्रचार तो नहीं किया जा रहा। तीनों अभिनेताओं को इस संबंध में जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया था। तुकाराम मुंढे ने क्या कहा? मुंढे के अनुसार, विज्ञापन करने वाले व्यक्ति की जिम्मेदारी केवल नैतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि खाद्य उत्पादों के विज्ञापन से जुड़े नियमों में भी उसकी जवाबदेही तय की गई है। उन्होंने कहा कि उनके लिए ये लोग केवल सेलिब्रिटी नहीं हैं, बल्कि ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने संबंधित उत्पाद का विज्ञापन किया है और इसलिए कानून के तहत उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। एक अभिनेता के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया मुंढे ने बताया कि तीनों अभिनेताओं में से दो ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नोटिस का जवाब दिया है, जबकि एक की ओर से जवाब नहीं मिलने पर उसके खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि, उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया कि किस अभिनेता ने नोटिस का जवाब नहीं दिया है। इससे पहले अगस्त में विभाग ने तीनों से विज्ञापन में उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टीकरण मांगा था। अभिनेताओं ने कंपनी की जिम्मेदारी का तर्क दिया रिपोर्ट के अनुसार, जिन दो अभिनेताओं की ओर से जवाब दिया गया, उनमें यह तर्क रखा गया कि उत्पाद के निर्माण की जिम्मेदारी संबंधित कंपनी की है। मुंढे ने इस तर्क को अंतिम रूप से स्वीकार नहीं किया और कहा कि विज्ञापन करने वाले व्यक्ति की भी जिम्मेदारी निर्धारित है। विभाग संबंधित पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर देगा और नोटिस जारी करने वाले अधिकारी ही मामले की सुनवाई करेंगे। दिल्ली हाईकोर्ट में भी पहुंचा मामला इस मामले में विमल इलायची बनाने वाली कंपनी पीबी एग्रो एलएलपी ने भी दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था और अभिनेताओं को जारी नोटिस पर आपत्ति जताई थी। 14 सितंबर 2026 को दिल्ली हाईकोर्ट ने कंपनी की याचिका खारिज कर दी, जिससे महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन की जांच आगे बढ़ने का रास्ता खुला रहा। विज्ञापन और छद्म प्रचार को लेकर जांच जारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन का कहना है कि विमल इलायची के विज्ञापन की प्रस्तुति, ब्रांड पहचान और व्यापक बाजार संदर्भ को देखते हुए यह जांच जरूरी है कि क्या इसके जरिए प्रतिबंधित पान मसाला का अप्रत्यक्ष प्रचार किया जा रहा था। मामले में संबंधित अभिनेताओं और कंपनी की भूमिका पर विभाग की प्रक्रिया जारी है।

लाडकी बहिन योजना पर श्वेत पत्र जारी करें, सुप्रिया सुले ने महायुति सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

लाडकी बहिन योजना पर सुप्रिया सुले ने मांगा श्वेत पत्र, अपात्र लाभार्थियों को भुगतान पर सरकार से मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना में अपात्र लाभार्थियों को भुगतान को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने राज्य सरकार से योजना पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अपात्र लोगों को दी गई राशि, लाभार्थियों की जांच और उन्हें सूची से हटाने की पूरी जानकारी जनता के सामने रखी जानी चाहिए। 92 लाख लाभार्थियों को हटाने पर भी सवाल सुप्रिया सुले ने योजना में लाभार्थियों की संख्या को लेकर सामने आए अलग-अलग आंकड़ों पर भी सवाल उठाया। जुलाई 2026 में सामने आई सरकारी जानकारी के अनुसार सत्यापन के बाद करीब 92 लाख लाभार्थियों को योजना से हटाया गया था। भारतीय एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार यह संख्या सरकार की ओर से पहले सार्वजनिक किए गए आंकड़ों से काफी अधिक थी। सुले ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि कितने लोगों को अपात्र पाया गया, उन्हें कितने समय तक भुगतान हुआ और कुल कितनी राशि उनके खातों में गई। उनका कहना है कि इन सभी सवालों का जवाब श्वेत पत्र के माध्यम से जनता के सामने आना चाहिए। आरटीआई के आंकड़ों में 9,605 करोड़ रुपये का भुगतान लाडकी बहिन योजना को लेकर अगस्त 2026 में सामने आए आरटीआई आंकड़ों के मुताबिक, जून 2026 तक करीब 92 लाख अपात्र लाभार्थियों को कुल 9,605 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। इनमें ऐसे लोग भी शामिल थे जिनकी पारिवारिक आय निर्धारित सीमा से अधिक थी, सरकारी कर्मचारी थे या अन्य सरकारी योजनाओं से लाभ ले रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, कई चरणों में लाभार्थियों का सत्यापन किया गया और बड़ी संख्या में नाम हटाए गए। हालांकि, सरकार ने अधिकांश अपात्र लाभार्थियों से पहले दी गई राशि वापस नहीं लेने का निर्णय लिया है। सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों से भुगतान की वसूली की प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी सामने आई है। योजना पर खर्च को लेकर भी बहस मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना जुलाई 2024 में शुरू की गई थी। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के लाभार्थियों की संख्या और इसके वित्तीय प्रभाव को लेकर पिछले कुछ महीनों से राज्य में राजनीतिक बहस चल रही है। भारतीय एक्सप्रेस की रिपोर्ट में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से योजना के वित्तीय प्रबंधन को लेकर भी कुछ कमियों का उल्लेख किए जाने की जानकारी दी गई है। सुप्रिया सुले ने सरकार से मांगा स्पष्ट जवाब सुप्रिया सुले का कहना है कि योजना में अपात्र लोगों तक राशि पहुंचने के लिए जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और जनता को बताया जाना चाहिए कि सत्यापन की प्रक्रिया में इतनी बड़ी संख्या में नाम कैसे शामिल रहे।

NCP फिर से एकजुट होने वाली थी और नेतृत्व अजित दादा को सौंपा जाना था

एनसीपी फिर एकजुट होने वाली थी, नेतृत्व अजित पवार को सौंपने की थी योजनाः युगेंद्र पवार का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बारामती। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो गुटों के बीच फिर से एकजुट होने की चर्चाओं को लेकर एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के युवा नेता युगेंद्र पवार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि जब अजित पवार जीवित थे, तब दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत चल रही थी और एकजुट होने के बाद पार्टी का नेतृत्व अजित पवार को सौंपने की योजना थी। हालांकि, युगेंद्र पवार ने स्पष्ट किया कि उन्हें मौजूदा समय में वरिष्ठ नेतृत्व के स्तर पर किसी बातचीत की जानकारी नहीं है। बारामती में पत्रकारों से बातचीतकहा कि जब अजित पवार पार्टी में सक्रिय थे, तब परिस्थितियां अलग थीं। उस समय दोनों एनसीपी गुटों को एक साथ लाने को लेकर बातचीत चल रही थी। उनके अनुसार, योजना एकजुट पार्टी बनाने और नेतृत्व अजित पवार को सौंपने की थी। युगेंद्र पवार ने यह भी कहा कि वह विलय जैसे बड़े राजनीतिक फैसले पर टिप्पणी करने के लिए पार्टी के बहुत छोटे कार्यकर्ता हैं। उनके मुताबिक, मौजूदा समय में दोनों गुटों के बीच बातचीत रुकी हुई है और उन्हें यह जानकारी नहीं है कि वरिष्ठ नेताओं के बीच पर्दे के पीछे कोई चर्चा चल रही है या नहीं। युगेंद्र पवार ने बारामती की सोमेश्वर सहकारी चीनी मिल के चुनाव को लेकर भी अपनी रणनीति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से स्वतंत्र 'शेतकरी पैनल' के जरिए चुनाव लड़ने की तैयारी है। 7 सितंबर को उन्होंने चुनाव में पैनल उतारने की घोषणा की थी। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार मतदान 11 अक्टूबर को और मतगणना 12 अक्टूबर को प्रस्तावित है। युगेंद्र पवार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की शुरुआत से ही इच्छा थी कि स्वतंत्र पैनल के साथ चुनाव लड़ा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में वरिष्ठ नेता शरद पवार से प्रचार सभा करने का अनुरोध किया जाएगा। सुप्रिया सुले और रोहित पवार के भी चुनाव में समर्थन देने की बात उन्होंने कही। गठबंधन के प्रस्ताव पर बोले- अभी कोई प्रस्ताव नहीं चुनाव में किसी दूसरे गुट या संगठन के साथ गठबंधन को लेकर युगेंद्र पवार ने कहा कि अभी तक उनकी ओर से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। यदि भविष्य में कोई प्रस्ताव आता है तो उस पर विचार किया जाएगा। फिलहाल उनकी तैयारी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की है। सोमेश्वर चुनाव में बढ़ी राजनीतिक हलचल सोमेश्वर सहकारी चीनी मिल का चुनाव बारामती के साथ-साथ पुरंदर और फलटण क्षेत्र की राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। युगेंद्र पवार के स्वतंत्र पैनल की घोषणा के बाद चुनाव में अलग-अलग गुटों के आमने-सामने आने की स्थिति बनी है। वहीं, दोनों पक्षों के बीच सहमति की संभावनाओं को लेकर भी बयान सामने आते रहे हैं। ऐसे में अंतिम उम्मीदवार सूची और चुनावी समीकरण स्पष्ट होने के बाद ही मुकाबले की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी।

27 सितंबर के नासिक सम्मेलन से पहले नए अभियान की अटकलें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

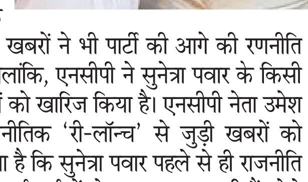

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और सुनेत्रा पवार को लेकर नई रणनीति की चर्चाएं तेज हो गई हैं। 27 सितंबर को नासिक में होने वाले पार्टी सम्मेलन से पहले 'आपल्या वहिनी आहेत ना!' यानी 'हमारी भाभी हैं ना!' नाम से नए अभियान की चर्चा सामने आई है। इसके साथ ही चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार की मुलाकात की खबरों ने भी पार्टी की आगे की रणनीति को लेकर अटकलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, एनसीपी ने सुनेत्रा पवार के किसी राजनीतिक 'री-लॉन्च' की खबरों को खारिज किया है। एनसीपी नेता उमेश पाटिल ने सुनेत्रा पवार के राजनीतिक 'री-लॉन्च' से जुड़ी खबरों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि सुनेत्रा पवार पहले से ही राजनीति में सक्रिय हैं और लगातार पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रही हैं। ऐसे में उनके दोबारा राजनीतिक शुरुआत करने की बात सही नहीं है। पाटिल ने यह भी कहा कि बिना नाम वाले सूत्रों के आधार पर सामने आई खबरों को पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं माना जाना चाहिए। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पार्टी अपने पुराने नारे 'एकच वादा, अजित दादा' से आगे बढ़ते हुए सुनेत्रा पवार को केंद्र में रखकर नया संदेश तैयार कर सकती है। इसी क्रम में 'आपल्या वहिनी आहेत ना!' अभियान की चर्चा सामने आई है। माना जा रहा है कि इसके जरिए सुनेत्रा पवार की कार्यकर्ताओं और जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया जा सकता है। हालांकि, पार्टी ने इसे किसी औपचारिक 'मेकओवर' या 'री-लॉन्च' के रूप में स्वीकार नहीं किया है। सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार की चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से मुलाकात की खबरों के बाद पार्टी की संचार और संगठनात्मक रणनीति को लेकर चर्चाएं और तेज हो गईं। बताया गया कि मुलाकात में संगठन को मजबूत करने, जनता तक पार्टी का संदेश पहुंचाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। हालांकि, पार्टी से जुड़े सूत्रों ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है।27 सितंबर को नासिक में होने वाला एनसीपी का सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब पार्टी संगठन और नेतृत्व को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। वरिष्ठ नेताओं की भूमिका, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर पार्टी के भीतर मंथन की स्थिति है। ऐसे में सम्मेलन में सामने आने वाले संदेश और संगठन से जुड़े फैसलों पर राजनीतिक हलकों की नजर रहेगी।

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (शनिवार) 19 सितंबर 2026

एलिवेट कैंपस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

एलिवेट कैंपस लिमिटेड का 2,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 343-362 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार तीन दिन का सार्वजनिक निर्गम 25 सितंबर को बंद होगा। शेयर के 30 सितंबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक नहीं है। कंपनी उच्च शिक्षा संस्थानों में परिसर के भीतर छात्र आवास सुविधाओं का स्वामित्व, संचालन और प्रबंधन करती है। इसके पास के-12 शिक्षा से जुड़ी परिसंपत्तियां भी हैं।एलिवेट कैंपस अपने मंच के जरिये संस्थानों को छात्र आवास, भोजन, सुरक्षा और परिसर संचालन सहित एकीकृत गैर-शैक्षणिक सेवाएं उपलब्ध कराती है।निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल के-12 संस्थाओं और परिसरों के अधिग्रहण, कर्ज चुकाने और सामान्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

सरकारी बैंकों के विलय का वायरल दावा फर्जी, सरकार ने लोगों को किया सतर्क

पीआईबी फैक्ट चेक ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स के तीन बड़े बैंकों में विलय संबंधी दस्तावेज को बताया नकली

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया पर इन दिनों सरकारी बैंकों के विलय से जुड़ा एक दस्तावेज तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स (पीएसबी) को तीन बड़े बैंकों - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा में मिलाने का फैसला किया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस दावे को फर्जी बताया है और लोगों को ऐसी भ्रामक खबरों से सतर्क रहने को कहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने इस वायरल दस्तावेज की जांच के बाद इसे फर्जी करार दिया है। पीआईबी के अनुसार, यह दस्तावेज वित्त मंत्रालय ने जारी नहीं किया है। दरअसल, दो पेज के इस नकली गजट में दावा किया गया था कि इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को मिलाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रुप बनाया जाएगा। इसी तरह, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक को पंजाब नेशनल बैंक में, जबकि केनरा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और यूको बैंक को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय करने की बात कही गई थी। सरकार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली ऐसी खबरों पर तुरंत भरोसा न करें। किसी भी सरकारी फैसले की जानकारी के लिए आधिकारिक और भरोसेमंद स्रोतों को ही देखें। फिलहाल ग्राहकों को अपने बैंक खाते, जमा पैसे या बैंकिंग सेवाओं को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

सोना 84 रुपए और चांदी 1170 रुपए महंगी

सोना 1,53,065 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,39,375 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 84 रुपये चढ़कर 1,53,065 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, जबकि चांदी 1170 रुपये की तेजी के साथ 2,39,375 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया। अंतरराष्ट्रीय कॉमैक्स बाजार में सोना हल्की गिरावट के साथ 4397 डॉलर प्रति औंस पर रहा, जबकि चांदी 0.63 फीसदी उछलकर 66.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कच्चे तेल की कीमतों में लगभग एक फीसदी की गिरावट और डॉलर के हालिया उच्च स्तर से नीचे आने से सोने को समर्थन मिला है। डॉलर के कमजोर होने से विदेशी खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है, जिससे इसकी मांग बढ़ती है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के आगामी फैसलों पर भी बाजार की नजर है। प्रमुख भारतीय शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत चेन्नई, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 15,283 रुपये प्रति ग्राम रही, जबकि दिल्ली में यह 15,298 रुपये प्रति ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का भाव अधिकांश शहरों में 14,009 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया, वहीं दिल्ली में 14,024 रुपये प्रति ग्राम रहा। 18 कैरेट सोने की दरें चेन्नई में 11,779 रुपये और दिल्ली में 11,482 रुपये प्रति ग्राम थीं।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाया, 7 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद

वैश्विक झटकों के बीच अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती; तेल की ऊंची कीमतें और अल नीनो बन सकते हैं चुनौती

नई दिल्ली ।
मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है, जो पहले छह प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष जैसे वैश्विक झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। हालांकि, उसने तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के असर से महंगाई बढ़ने के संभावित जोखिमों के प्रति आगाह भी किया है। इस वृद्धि के पीछे मजबूत निजी खपत, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहा खर्च, और सेवा क्षेत्र का निरंतर बेहतर प्रदर्शन प्रमुख कारण हैं। मूडीज के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई, जो मजबूत आर्थिक गति का संकेत देती है। एजेंसी ने निजी क्षेत्र के निवेश में संभावित सुधार को भी सकारात्मक माना है। हालांकि, मूडीज ने कुछ जोखिमों के प्रति भी आगाह किया है। एजेंसी ने कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है, तो तेल की ऊंची कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में औसत मुद्रास्फीति को उसके 4.8 प्रतिशत के अनुमान से ऊपर ले जा सकती हैं। इसके अलावा, अल नीनो के प्रभाव से खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ने और निजी खपत व आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। एजेंसी ने देश पर कर्ज के उच्च बोझ और ब्याज लागत को भी कर्ज चुकाने की क्षमता के लिए धीमी चुनौती बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत के कच्चे तेल आयात स्रोतों का विविधीकरण और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं। मूडीज ने यह भी उम्मीद जताई है कि भारत अन्य जी20 देशों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगा। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में जापान की जेसीआर ने भी 35 साल बाद भारत की रेटिंग को ए- तक बढ़ाया था, जो देश की मजबूत आर्थिक स्थिति का एक और प्रमाण है। आरबीआई के अनुमान से अधिक, वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

कच्चे तेल में तीसरे दिन भी नरमी

ब्रेंट क्रूड आयल 104 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शुक्रवार गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, सऊदी अरब से तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान की आशंका कम होने से बाजार को राहत मिली है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड लगभग 1 फीसदी गिरकर 103.77 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 100.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट की मुख्य वजह सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द बहाल होने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह ड्रोन हमले के बाद इस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा था, जिससे आपूर्ति प्रभावित होने का डर था।

साथ ही, सऊदी अरब ओमान के सोहर बंदरगाह के जरिए एशियाई खरीदारों को वैकल्पिक रास्ते से तेल पहुंचा रहा है, जिससे बाजार में तेल की कमी का खतरा कुछ कम हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव बरकरार है, लेकिन बाजार का ध्यान अब वास्तविक तेल आपूर्ति पर है। पिछली तेजी के बाद मुनाफावसूली भी हुई है।

ब्रेंट क्रूड अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, और आपूर्ति जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अगर पाइपलाइन की मरम्मत में देरी हुई या क्षेत्र में कोई नया बड़ा हमला हुआ तो कीमतें फिर से तेजी पकड़ सकती हैं।

भारतीय उत्पादों का ग्लोबल फेस्टिवल, घरेलू बिक्री 5 साल के शिखर पर

त्योहारी रौनक ने खाद्य उत्पाद, वस्त्र और हस्तशिल्प की मांग बढ़ाई

नई दिल्ली ।

गणेशोत्सव से शुरू हुए त्योहारी सीजन ने घरेलू बाजारों में खरीदारी का उत्साह पांच साल के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया है। साथ ही, दुनिया भर में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग ने निर्यात को भी नया आयाम दिया है। देश में मिठाई, कपड़े और सजावटी सामान की बिक्री में तेजी है। वहीं, अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और भारतीय प्रवासी बहुल बाजारों में भारतीय स्वाद, संस्कृति और उत्पादों, जैसे खाद्य पदार्थ, पारंपरिक परिधान और हस्तशिल्प की मांग में भारी इजाफा हुआ है। अगस्त में भारत का माल निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 43.8 बिलियन डॉलर रहा, जिसमें त्योहारी ऑर्डर और अमेरिकी मांग ने अहम भूमिका निभाई। यूरोप में भारतीय खाद्य उत्पादों के ऑर्डर 20 फीसदी तक बढ़े हैं, जबकि अमेरिका में टेक्सटाइल और तैयार कपड़ों के ऑर्डरों में 30-40 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वे के अनुसार, 52 फीसदी परिधान निर्माताओं को बेहतर बिक्री की उम्मीद है। मावा की मिठाइयों की मांग 145 फीसदी बढ़ी है, जिसमें खाड़ी देश एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरे हैं। कुवैत, ओमान और बहरीन में मिठाइयों, ड्राई फ्रूट्स, नमकीन और मसालों की लगातार खरीद हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और चीन पर निर्भरता कम होने से भारतीय निर्यातकों को नए अवसर मिल रहे हैं। छोटे शहरों में भी कारोबार तेज होने से समग्र बाजार भावना सकारात्मक बनी हुई है।

शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद

सेंसेक्स 19 अंक गिरा, निफ्टी 75 अंक उछला

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेतों और आईटी शेयरों में गिरावट से बाजार उठ नहीं पाया। आज केवल व्यापक बाजार ने ही बाजार में गिरावट पर अंकुश लगाये रखा। बेंचमार्क इंडेक्स दिनभर एक सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आए।

दिन भर के कारोबर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 19.63 अंक नीचे आकर 74,294.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75.80 अंक की बढ़त लेकर 23,346.40 के स्तर पर बंद हुआ। .

यह पहली बार है जब निफ्टी 23,300 के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बंद हुआ है। आज कारोबार में छोटे और मझोले शेयरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.24 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.74 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

आज दिग्गज शेयरों में खरीदारी भी रही। निफ्टी पर अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.

वहीं मेटल, रियलिटी, ऑयल एंड गैस, सीमेंट और केमिकल सेक्टर्स में आज सबसे ज्यादा तेजी रही। . कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में गिरावट से इन क्षेत्रों को सहारा मिला जबकि आईटी सेक्टर में

आज सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई और यह बाजार पर दबाव बनाने का काम करता रहा। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। वैश्विक संकेतों और तेल की कीमतों में कमी आने से प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला और वे हरे निशान पर खुल गए, जिससे निवेशकों में उत्साह देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.37 अंकों की बढ़त के साथ 74,479.96 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 52.35 अंक बढ़कर 23,322.95 पर खुला।

जापान ने भी बढ़ाई ब्याज दर, 31 साल का रिकॉर्ड टूटा

बैंक ऑफ जापान ने मुख्य दर बढ़ाकर 1.25 फीसदी की

नई दिल्ली ।

जापान के केंद्रीय बैंक, बैंक ऑफ जापान ने महंगाई पर लगाम लगाने और अपनी कमजोर मुद्रा येन को सहारा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को बैंक ने अपनी मुख्य ब्याज दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी करते हुए इसे 1.25 फीसदी कर दिया। यह पिछले 31 सालों में जापान में ब्याज दर का सबसे उच्चतम स्तर है, जो अंतिम बार 1995 में इस स्तर पर थी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब वैश्विक ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध और घरेलू चुनौतियों से जापान की अर्थव्यवस्था जूझ रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई और विशेषकर ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल व गैस की कीमतों में आए उछाल ने जापान पर भारी दबाव डाला है। जापान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान का सीधा असर उस पर पड़ता है। देश पहले से ही तीनहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है - लगातार कमजोर होता येन, बढ़ती कीमतें और घटता कार्यबल। ऊर्जा महंगी होने से जापान का आयात बिल बढ़ रहा है, जिसका सीधा बोझ आम लोगों पर पड़ने की आशंका है। लंबे समय तक जापान अपनी बेहद कम ब्याज दरों के लिए जाना जाता था, जहां दशकों तक कीमतों में गिरावट (डिफ्लेशन) एक बड़ी समस्या थी। बैंक ऑफ जापान ने 2024 तक (नकारात्मक -0.1 फीसदी) जैसी बेहद कम दरों पर भी काम किया है। हालांकि, अब हालात बदल रहे हैं; पिछले ढाई सालों में बैंक ने छह बार दरें बढ़ाई हैं, जो अब 1.25 फीसदी पर पहुंच गई हैं। यह दिखाता है कि देश अब बढ़ती कीमतों की नई चुनौती का सामना कर रहा है। हालिया सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में जापान की मुख्य महंगाई दर 1.7 फीसदी रही, जो जुलाई के 1.8 फीसदी से थोड़ी कम है, लेकिन बैंक ऑफ जापान के 2 फीसदी के लक्ष्य के करीब बनी हुई है। दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले जापान में महंगाई बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन जापान के लिए लगातार बढ़ती कीमतें पिछले कुछ दशकों के मुकाबले एक बड़ा बदलाव हैं। जापानी येन पिछले कई महीनों से दबाव में है और अगस्त में यह 40 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था। येन की गिरावट को रोकने के लिए जापान और अमेरिका को बाजार में संयुक्त हस्तक्षेप करना पड़ा था। आम तौर पर किसी देश में ब्याज दर बढ़ने से उसकी मुद्रा को मजबूती मिलती है क्योंकि विदेशी निवेशकों के लिए वहां निवेश करना अधिक आकर्षक हो जाता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.93 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 16 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में खरीदारी और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में तेज बढ़ोतरी के बाद कच्चे तेल की कीमतों के 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भारतीय मुद्रा पर दबाव कम हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल भी रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में थोड़ा मजबूत होकर 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे मजबूत होकर 95.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सिंगापुर-भारत व्यापार को नई दिशा देगा एसआईसीसीआई- मेनन

सिंगापुर ।

सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रदीप मेनन ने संगठन की नई रणनीतिक रूपरेखा का अनावरण किया है। इसके तहत एसआईसीसीआई भारत सरकार, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने की योजना बना रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करना और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देना है। मेनन ने बताया कि अगले तीन से छह महीनों में, एसआईसीसीआई भारत के नेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के लोगों के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा।

संगठन प्रमुख भारतीय राज्यों में लक्षित व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भेजेगा, जिसकी शुरुआत तमिलनाडु से होगी, ताकि सिंगापुर स्थित कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर खोले जा सकें। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारस्परिक लाभ वाले संबंध पर जोर दिया।

मेनन के अनुसार भारतीय कंपनियों को सिंगापुर से कारोबार की उत्पादकता बढ़ाने वाली विशेषज्ञता मिलती है, जबकि सिंगापुर की कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और प्रतिभा के बड़े समूह तक पहुंच मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सिंगापुर के लिए मानव संसाधन का एक प्रमुख स्रोत है, जो प्रतिभा की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण है। एसआईसीसीआई का लक्ष्य क्षेत्रीय पूंजी के लिए सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका को भी मजबूत करना है, विशेष रूप से आसियान निवेशकों के लिए जो भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में पारदर्शी निवेश करना चाहते हैं। मेनन ने पिछले महीने ही एसआईसीसीआई के सीईओ का पद संभाला है; वह 2003 से 2010 तक भी इस पद पर रह चुके हैं।

टाटा संस पर आरबीआई फैसले का शापूर मिस्त्री ने किया स्वागत

- मिस्त्री ने कहा- यह कदम कंपनी में जवाबदेही बढ़ाएगा, शेयरधारकों और ट्रस्ट के बीच बनेगा पुल

नई दिल्ली ।

शापूरजी पल्लोनजी समूह के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने टाटा संस को अपर-लेयर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (बीएफसी) के नियमों के तहत लाने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत किया है। मिस्त्री ने इस कदम को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण बताया, जिससे इसके सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। उनके परिवार के स्वामित्व वाले शापूरजी पल्लोनजी समूह की टाटा संस में लगभग 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आरबीआई ने 11 सितंबर को टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया था और उसे नियामक ढांचे का पालन करने का निर्देश दिया था। इस फैसले से वर्षों से निजी स्वामित्व वाली कंपनी का दर्जा बनाए रखने के प्रयासों के बाद, अब टाटा संस के सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का रास्ता खुल गया है। मिस्त्री ने जोर देकर कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले को किसी एक हिस्सेदार की दूसरे पर जीत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टाटा संस की सूचीबद्धता शेयरधारकों और टाटा ट्रस्ट्स के बीच तथा निजी स्वामित्व एवं सार्वजनिक जवाबदेही के बीच एक सेतु बन सकती है। मिस्त्री ने आगे कहा कि सूचीबद्धता से होल्डिंग कंपनी के मूल्य के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, व्यावसायिक कामकाज मजबूत होगा और टाटा ट्रस्ट्स की परोपकारी गतिविधियों के लिए मूल्य का अधिक टिकाऊ प्रवाह सुनिश्चित होगा।

सत्य नडेला ने सराही भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी, एआई पर दिया जोर

सिएटल में आइडियाज4इंडिया फोरम में 40 से अधिक भारतीय मूल के टेक सीईओ और सीटीओ हुए शामिल

न्यूयॉर्क ।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने सिएटल में भारतीय-अमेरिकी प्रौद्योगिकी समुदाय और भारत के साथ इसके बढ़ते मजबूत संबंधों की सराहना की। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) ञ्को एक ऐसी सामान्य उपयोग वाली प्रौद्योगिकी बताया, जिसके लाभ इसके व्यापक अपनाने पर निर्भर करेंगे। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित आइडियाज4इंडिया- इंडियन अमेरिकन टेक सीईओ फोरम- अनलॉकिंग द टेक डिविडेंड कार्यक्रम में नडेला ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भारतीय मूल के सीईओ को संबोधित किया।

उन्होंने पिछले 35 वर्षों में सिएटल के प्रौद्योगिकी समुदाय की प्रगति और भारत के साथ उसके संबंधों के सुदृढ़ीकरण पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने भारतीय मूल के सीईओ तथा कार्यक्रम के अन्य प्रतिभागियों की भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी को और गहरा करने की मजबूत इच्छा का स्वागत किया। क्वात्रा ने दोहराया कि भारत का एआई मिशन समावेशिता, खुलेपन, संप्रभुता, सभी के लिए समान पहुंच, सुरक्षा और भरोसे के सिद्धांतों पर मजबूती से आधारित रहेगा। इस विशेष कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, बोइंग, ओपनएआई, एंथ्रोपिक और इंटेल जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के 40 से अधिक भारतीय मूल के सीईओ और सीटीओ शामिल हुए। इनमें से कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से कार्यरत हैं।

भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा मजबूत- टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

गुजरात और असम में 14 अरब डॉलर की परियोजनाएं ट्रैक पर

नई दिल्ली ।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रमुख अ धिकारी ने घोषणा की है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा बेहद मजबूत दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने सेमीकॉन 2.0 के तहत मिली नीतिगत स्थिरता को उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बताया, जिससे कार्ययोजना में महत्वपूर्ण निरंतरता बनी हुई है। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में अपनी मजबूत जगह बनाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है और इस प्रयास में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अ धिकारी ने सेमीकॉन इंडिया के मौके पर कहा

कि हमारे कारोबार में निरंतरता महत्वपूर्ण है और सेमीकंडक्टर एक कार्ययोजना आधारित यात्रा है। सेमीकंडक्टर 1.0 योजना के बाद सरकार द्वारा सेमीकंडक्टर 2.0 लाना उत्साहजनक है, जो इस क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि जैसे-जैसे कंपनी नकदी प्रवाह उत्पन्न करेगी, वह लगातार निवेश करती रहेगी और इस यात्रा को आगे बढ़ाएगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में भारत का पहला वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण संयंत्र (फैब) स्थापित कर रहा है, जिसमें 91,000 करोड़ रुपये (लगभग 11 अरब डॉलर) का निवेश किया जा रहा है। यह संयंत्र 28 नैनोमीटर से 110 नैनोमीटर तक की प्रौद्योगिकी नोड पर चिप बनाएगा, जिनका उपयोग वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटिंग और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी असम के जागीरोड में देश की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण सुविधा के लिए तीन अरब डॉलर का निवेश कर रही है। दोनों परियोजनाओं में कुल 14 अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने पुष्टि की कि धोलेरा का विनिर्माण संयंत्र और जागीरोड की पैकेजिंग सुविधा दोनों सरकार के साथ तय समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। सेमीकॉन इंडिया के दौरान टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा हस्ताक्षरित 16 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का उद्देश्य उपकरण, बुनियादी ढांचा, गैस एवं रसायन तथा प्रतिभा विकास सहित एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है।

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ ह्दय और ह्दय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

मशरुम की खेती

मशरुम की उपयोगिता

भारत में मशरुम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है। आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्रोरोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) ़ 150-180 डिग्री से; नमी़ 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत़ 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

1. धान के तिनके – फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

2. 400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट – एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

3. लकड़ी के सांचे – 45ङ्30ङ्15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44ङ्29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

4. तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

5. तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

6. जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

7. टाट के बोरे 8. स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

9. एक स्प्रेयर 10. तिनकों के भंडारण के लिए शेड 10ङ्8 मी. आकार का।

स्पानिंग

प्रक्रिया

कूड़ा खाद तैयार करना

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूड़ा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूड़ा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अत़, इन सबस्ट्रूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठमायन कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंतर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत़ सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत़ सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत़ दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0X2.5X2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें। चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए। स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुऩ स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए। अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए। बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत़ जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए। जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है।

मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

रोग एवं पीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

1. हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

1. नियंत्रण : फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीड़े

2. मक्खियां : देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

3. कुटकी : ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण : घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

4. शम्बूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

एशियाडः भारतीय खिलाड़ियों के लिए बुक कराने पड़े अतिरिक्त कमरे

शटलर-वेटलिफ्टर भी एयरपोर्ट पर करते रहे इंतजार

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के शुरू होने से पहले ही जापान में भारतीय खिलाड़ियों की परेशानियां दूर होने का नाम नहीं ले रही हैं। आयोजकों की खामी के चलते रोइंग, शूटिंग के बाद बैडमिंटन और वेटलिफ्टिंग टीम को नागोया में कई घंटे एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा।

नागोया में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से बुक कराए गए कमरों की संख्या पहले से ही कम कर दी गई है। 20 और 21 सितंबर को सभी भारतीय खिलाड़ी नागोया पहुंच रहे हैं। खिलाड़ियों के लिए कमरों की देखते हुए भारतीय दल के शेफ डी मिशन सहदेव यादव ने एजेंट के जरिये बृहस्पतिवार को होटल में 15 अतिरिक्त कमरे बुक कराए हैं। आयोजकों ने भारतीय खिलाड़ियों के तकरीबन 40 कमरे कम बुक किए हैं।

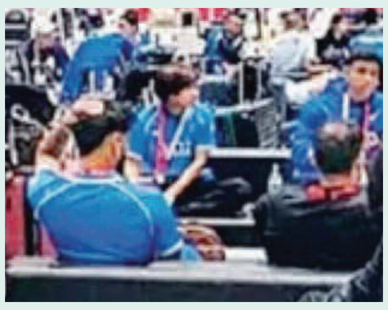

खिलाड़ियों के लिए बुक नहीं थे कमरे

सहदेव यादव का कहना है कि अभी खिलाड़ियों के ठहरने को लेकर कोई दिक्कत नहीं आ रही है, लेकिन 20 और 21 सितंबर को जब पूरा भारतीय दल यहां पहुंचेगा तो सभी के रुकने के लिए कमरे नहीं हैं। कोई परेशानी न हो इसलिए नागोया से एक घंटे की दूरी पर 15 अतिरिक्त कमरे बुक कराए गए हैं। जिन खिलाड़ियों को यहां ठहरने की व्यवस्था नहीं होगी। उन्हें इस होटल में ठहराया जाएगा।

मीरा भी एयरपोर्ट पर फंसी रहीं

भारतीय खिलाड़ियों को ट्रांसपोर्ट के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा रहा है। भारतीय शूटिंग टीम को ट्रांसपोर्ट नहीं मिलने से उनकी ट्रेनिंग बाधित हुई है। बैडमिंटन टीम बुधवार की रात तकरीबन छह घंटे तक एयरपोर्ट पर फंसी रही। यही नहीं कोच विजय शर्मा के साथ बृहस्पतिवार को नागोया पहुंची मीराबाई चानू को भी एयरपोर्ट पर कई घंटे बैठे रहना पड़ा। बुधवार को रोइंग टीम को क्रूज शिप में ठहरने के लिए नौ से 10 घंटे इंतजार करना पड़ा था। रोइंग टीम ने अपने पास से खाना खाया। हालांकि आईओए ने रोइंग दल से कहा है कि उनके खाने के पैसे का भुगतान कर दिया जाएगा।

चार खिलाड़ियों को बदला जाएगा

आईओए ने चार चोटिल खिलाड़ियों के बदलाव के लिए आयोजकों से प्रार्थना की है। चोटिल लॉन्ग जंपर शाहनवाज खान की जगह डेविड सोलोमन, क्रिकेटर वरुण चक्रवर्ती की जगह विप्रज निगम, तलवारबाज प्राची मोहन की जगह अनुप्रिया और रग्बी खिलाड़ी प्रभाती हंसदा की जगह मामा नायक को बदलने के लिए कहा गया है। इन बदलाव के लिए आयोजकों की हरी झंडी का इंतजार है।

शेफाली-श्री चरणी का धमाका!

भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में

निशिन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। जापान के निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने जापान को आठ विकेट से हरा दिया। 58 रन के लक्ष्य को भारत ने पांच ओवर में हासिल कर लिया। शेफाली वर्मा ने विनिंग सिक्स लगाया। वह 15 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं, ऋचा घोष छह गेंद में दो चौके की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब सेमीफाइनल में 20 सितंबर को भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में उसी दिन पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें आमने-सामने होंगी।

जापान की पारी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। जापान की टीम 19.5 ओवर में 57 रन पर सिमट गई थी। टीम को पहला झटका सातवें ओवर में लगा था। हालांकि, इसके बाद जैसे ही पहला विकेट गिरा, जापान की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। हारुना इवासाकी 10 रन, अयाका कातो स्टैफर्ड 47 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुईं। ये दोनों ओपनर्स ने ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। इसके बाद कप्तान माई यानागिदा खाता खोले बिना पवेलियन लौटीं।

वहीं, एरिका ओडा पांच रन, शिमाको कातो तीन रन, अकारी निशिमुरा कानो दो रन, हीनासी गोतो एक रन बना सकीं। अहिल्या चंदेल और एरिका तोगुची क्विन खाता खोले बिना आउट हुईं। भारत के लिए श्री चरणी ने चार विकेट झटके, वहीं शेफाली वर्मा को दो विकेट मिले। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने मलेशिया को हराया था

वहीं, श्रीलंका ने मलेशिया को 86 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। कप्तान चमारी अटापट्टू की 37 गेंदों पर तीन छक्कों और सात चौकों की मदद से खेली गई 63 रनों की पारी के दम पर श्रीलंका ने 20 ओवर में चार विकेट पर 160 रन बनाए थे। चमारी के अलावा काविशा दिल्हारी ने 27 गेंदों पर छह चौकों की मदद से नाबाद 44, हर्षिता समरविक्रमा ने 18 गेंदों पर 25 और हसिनी परेरा ने 23 रन की पारी खेली। मलयेशिया की तरफ से नूरीन इमानिना ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए।161 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी मलयेशिया की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 74 रन ही बना सकी और 86 रन से मैच हार गई। मलेशिया के लिए विनीफ्रेड दुरैसिंगम ने 28 और माहिरा इज्जती इस्माइल ने 24 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सकीं। श्रीलंका के लिए मिथाली अयोध्या, काविशा दिल्हारी और कप्तान चमारी ने दो-दो विकेट लिए।

पाकिस्तान की टीम को जूझना पड़ा

वहीं, पाकिस्तान ने क्वार्टर फाइनल में थाइलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पाकिस्तान को थाइलैंड पर जीत बहुत मुश्किल से मिली थी। पाकिस्तान ने थाइलैंड के दिए 92 रन के लक्ष्य को हासिल करने में अपने सात विकेट गंवा दिए थे। निर्धारित 11 ओवर के मैच में पाकिस्तान को दो गेंद पहले जीत मिली थी।

बांग्लादेश भी अंतिम-चार में

इसके अलावा बांग्लादेश ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उसका और चीन का सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। बेहतर सीडिंग की वजह से बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंच गया। सेमीफाइनल में उसका सामना 20 सितंबर को भारत और जापान के बीच जीत दर्ज करने वाली टीम से होगा।

शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगाः मनीषा

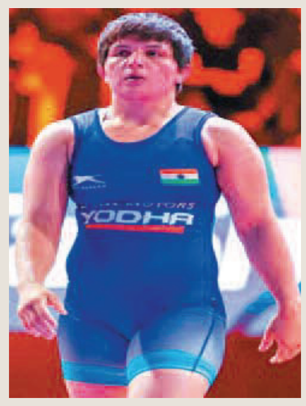

नई दिल्ली । भारतीय रेसलर मनीषा एशियन गेम्स 2026 में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके सामने एक नई चुनौती है क्योंकि उन्होंने 62 किलोग्राम कैटेगरी से 57 किलोग्राम कैटेगरी में बदलाव किया है। इस बदलाव के दौरान उन्होंने अपनी ताकत और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है, साथ ही दोनों तरह के स्टांस (मुद्रा) से रेसलिंग करने की काबिलियत विकसित करके अपने खेल में बड़ा बदलाव किया है। मनीषा ने कहा, 'मैं पहले ज्यादातर दाईं ओर से खेलती थी, लेकिन अब मैंने बाईं ओर से भी खेलना शुरू कर दिया है। मैं दोनों स्टांस पर काम करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं दोनों तरफ से खेलने में सहज महसूस करना चाहती हूं। मैं अपनी ताकत और तकनीक पर काम कर रही हूं, लेकिन सबसे जरूरी बात अपनी सोच बदलना और नई कैटेगरी के हिसाब से खुद को ढालना भी है।'

'बॉल-टैम्परिंग' की घटना कभी-कभी दिमाग में आ जाती है, दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले स्टीव स्मिथ का बयान

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाने वाली है। सीरीज से पहले टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उन्हें 2018 दौरे के दौरान हुई बॉल-टैम्परिंग की घटना अभी भी कभी-कभी दिमाग में आ जाती हैं। हालांकि, स्मिथ इस बात को लेकर चिंतित नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका में उनका स्वागत किस तरह होगा। मार्च 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के दौरान हुए विवाद में स्मिथ मुख्य लोगों में से एक थे। सैंडपेपर का इस्तेमाल करके गेंद की हालत बदलने की योजना में शामिल होने की बात मानने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटाते हुए घर भेज दिया गया था और एक साल के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट से निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर भी एक साल का बैन लगाया गया था।

कैमरन बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबति किया गया था। उस दौरे के लगभग आठ साल बाद, स्मिथ 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी कर रहे हैं।स्मिथ ने कहा, 'निलंबन से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह भूलना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मीडिया में उन्हें जबरदस्त चर्चा मिली थी। '

एशियाई खेलः भारत के लिए सरप्राइज पैकेज साबित हो सकते हैं ये पांच खिलाड़ी

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 का आगाज 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने जा रहा है। भारत ने इस बार कुल 503 एथलीट का दल भेजा है, जो कुल 35 खेलों में हिस्सा लेंगे। हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जो इस मेगा इवेंट में भारत के लिए सरप्राइज पैकेज साबित हो सकते हैं। ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में जो पदक ला सकते हैं...

साक्षी चौधरीः महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने बेहद कम समय में अपनी खास पहचान बनाई है। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में साक्षी का प्रदर्शन जबरदस्त रहा था और वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही थीं। साक्षी ने फाइनल में रूबी व्हाइट के 68 मैचों से चले आ रहे जीत के सिलसिले को भी तोड़ दिया था। भले ही वह पहली बार एशियाई खेलों में हिस्सा ले रही हों, लेकिन वह अपने प्रदर्शन से हर किसी को हैरान करने का दमखम रखती हैं, जिसकी झलक वो कॉमनवेल्थ गेम्स में ही दिखा चुकी हैं।

अनाहत सिंहः महज 18 साल की उम्र में एशियाई खेल 2026 में हिस्सा लेने जा रहीं अनाहत सिंह स्क्वैश के खेल में दमदार प्रदर्शन कर सकती हैं। अनाहत ने अभी हाल ही में विश्व

स्क्वाश में भी मिल सकती है सफलता

जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीती थी। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थीं। अनाहत अपनी हालिया फॉर्म को अगर बरकरार रखने में सफल रहीं, तो वह देश की झोली में मेडल डाल सकती हैं।

अनुष्का यादवः एशियन गेम्स 2026 की एथलेटिक्स टीम में जगह बनाने वालीं अनुष्का यादव टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ सकती हैं। अनुष्का हैमर थ्रो स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम कर चुकी हैं। अब वह एशियाई खेलों में दमदार प्रदर्शन करके विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने को बेकरार होंगी।

आयुष शेट्टीः बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी ने अपने खेल से हर किसी को हैरान कर दिया था। उन्होंने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को हराते हुए बड़ा उलटफेर किया था। 21 वर्षीय आयुष पहली बार एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने जा रहे हैं। 6 फीट और 4 इंच का यह खिलाड़ी अपनी दमदार स्मैश और खेल के बूते एशियन गेम्स में भारत को मेडल दिला सकते हैं।

सिंड्रेला दासः टेबल टेनिस में सिंड्रेला ने अपने खेल से हर किसी का ध्यान खींचा है। सिंड्रेला की उम्र महज 17 साल है, लेकिन अपनी फुर्ती और शानदार खेल से वह बड़ी सी बड़ी खिलाड़ियों पर हावी नजर आई हैं।

34 गेंदों में 108 रन अभिषेक ने मचाई तबाही

भारत-अफगानिस्तान... टूट गए टी20 के 12 रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने ऐसी पारी खेली, जिसने टी20 क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में कई नए पन्ने जोड़ दिए। उन्होंने महज 34 गेंदों में 108 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 317.64 रहा। अभिषेक ने अपनी पारी में नौ चौके और 11 छक्के लगाए। उनकी इस पारी का सबसे बड़ा आकर्षण 30 गेंदों में पूरा हुआ शतक रहा। यह भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगाया गया सबसे तेज शतक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था, लेकिन अभिषेक का रिकॉर्ड सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ भी सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

30 गेंदों में शतक, भारत के लिए सबसे तेज

अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक है। इससे पहले भारत के लिए सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था। रोहित ने 22 दिसंबर 2017 को इंदौर में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था।अभिषेक ने इस रिकॉर्ड को पांच गेंद से बेहतर किया। इतना ही नहीं, किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी यह सबसे तेज शतक है। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 2026 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया था।

102 रन सिर्फ चौके-छक्कों से

अभिषेक ने अपनी 108 रन की पारी में 102 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से बनाए। यानी उनकी कुल पारी के 94.44 प्रतिशत रन बाउंड्रीज से आए। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाने वाले बल्लेबाज की पारी में बाउंड्रीज से आए रनों का यह सबसे बड़ा अनुपात है। इससे पहले यह रिकॉर्ड मुहम्मद फहद के नाम था। उन्होंने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ 120 रन बनाए थे, जिसमें 112 रन चौकों और छक्कों से आए थे। यह 93.33 प्रतिशत था। अभिषेक ने इस मामले में भी नया रिकॉर्ड बना दिया। उनकी 108 रन की पारी में सिर्फ छह रन ऐसे रहे, जो चौके या छक्के के अलावा आए।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय... तीसरा सबसे तेज शतक

अभिषेक का 30 गेंदों में आया शतक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे आगे सिर्फ एस्टोनिया के साहिल चौहान और तुर्किये के मुहम्मद फहद हैं। साहिल चौहान ने 2024 में साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में शतक लगाया था, जबकि मुहम्मद फहद ने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ 29 गेंदों में यह कारनामा किया था। अभिषेक शर्मा ने अपने शतक तक पहुंचने के लिए पारी के 8.3 ओवर का समय लिया। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह किसी बल्लेबाज के व्यक्तिगत शतक तक पहुंचने के लिए दूसरा सबसे कम ओवर है। इस मामले में भी उनसे आगे मुहम्मद फहद हैं। फहद ने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ सिर्फ 7.4 ओवर में अपना शतक पूरा कर लिया था। यानी अभिषेक ने यहां भी एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जहां उनसे आगे सिर्फ एक बल्लेबाज है। अभिषेक की पारी का असर सिर्फ उनके व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स तक सीमित नहीं रहा। भारत ने शुरुआती छह ओवरों में ही ऐसा स्कोर खड़ा कर दिया, जो उसके टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में नया रिकॉर्ड बन गया। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती छह ओवरों में बिना कोई विकेट गंवाए 100 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले भारत का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर 95 रन था, जो उसने 2025 में वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। उस दौरान भारत ने एक विकेट गंवाया था। दिलचस्प बात यह भी है कि उपलब्ध गेंद-दर-गेंद आंकड़ों के अनुसार भारत से पहले पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में आठ टीमें पावरप्ले में 100 या उससे ज्यादा रन बना चुकी थीं। अब भारत भी इस सूची में शामिल हो गया।अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ 108 रन की पारी के दौरान 11 छक्के लगाए।

प्रियदर्शन की फिल्म में वन्य संरक्षक जिम से प्रेरित किरदार करेंगे अक्षय

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दोनों की साथ में यह 9वीं फिल्म 1960 के दशक के भारत की पृष्ठभूमि पर बनी लाइट-हार्टेड कॉमिक थ्रिलर होगी। फिल्म में अक्षय का किरदार प्रसिद्ध शिकारी और वन्यजीव संरक्षक जिम कॉर्बेट से प्रेरित होगा। वह एक ट्रैकर और शिकारी की भूमिका में दिखेंगे, जो गांव को आदमखोर बाघों और तेंदुओं से बचाने के लिए हथियार उठाता है। बाद में जंगलों की कटाई और शिकारियों की क्रूरता देखकर उसका नजरिया बदलता है और वह जानवरों व प्रकृति का संरक्षक बन जाता है।

रियल लोकेशन पर होगी शूटिंग

अक्षय स्टारर इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी शूटिंग का तरीका होगा। प्रियदर्शन ने इस प्रोजेक्ट में भारी एआई या आर्टिफिशियल ग्रीन स्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया है। राजस्थान और गुजरात के घने जंगलों में स्टार्ट-टू-फिनिश शेड्यूल में इसकी शूटिंग की जाएगी। दर्शकों को स्क्रीन पर असली लोकेशन और जंगल का अनुभव मिलेगा। बता दें कि हालिया डार्क थ्रिलर 'हैवान' के बाद यह जोड़ी एक बार फिर रोमांच और कॉमेडी का नया कॉम्बिनेशन लाएगी।

अगले साल से शुरू होगी शूटिंग, कास्टिंग जारी है

अक्षय की इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन अक्टूबर में लोकेशन तलाशने के काम के साथ शुरू होगा, जबकि शूटिंग अगले साल जनवरी से शुरू की जाएगी। फिलहाल हीरोइन के लिए कास्टिंग की प्रोसेस जारी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी सिर्फ आदमखोर जानवरों के शिकार और एक्शन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जंगल, वन्यजीव और इंसान के बीच बदलते रिश्ते को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है।

'हैवान' के लिए भी अक्षय ही आगे आए थे...

वहीं अक्षय-प्रियदर्शन की 'हैवान' भी जल्द ही रिलीज होने वाली है। प्रियदर्शन ने कहते हैं...'इस फिल्म की स्क्रिप्ट कई एक्टर्स के पास से गुजरी, सभी ने इंकार कर दिया था, मगर अक्षय ने इस रोल के लिए खुद इसमें रुचि दिखाई। जबकि मैंने कभी अक्षय को लेने के बारे में नहीं सोचा था। वह खुद आगे आए और इसका हिस्सा बन गए।'

'समुक' में रुक्मिणी मैत्र की हुई एंट्री

अक्षय के खाते में एक और फिल्म 'समुक' है, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। अब रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में उनके अपोजिट बंगाली एक्ट्रेस रुक्मिणी मैत्र को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'सनक' और 'इनसाइड एज' का निर्देशन किया है। 'समुक' एक सर्वाइवल हॉरर-एलियन थ्रिलर है। इस फिल्म को इंटरनेशनल स्केल पर तैयार किया जा रहा है।

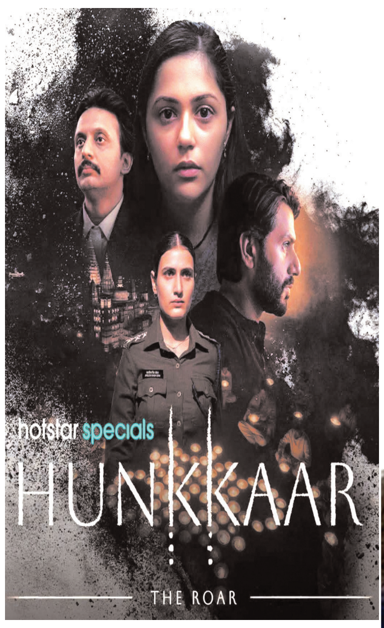

हुंकार : शोषण के खिलाफ अनीत पड्डा ने उठाई आवाज

फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों का दिल जीतने वाली अनीत पड्डा अब अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार-द रोर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसका ट्रेलर जारी हो गया है। क्राइम थ्रिलर सीरीज में अनीत पड्डा शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। वहीं, फातिमा सना शेख इस मामले की जांच करती हैं। क्राइम थ्रिलर सीरीज 'हुंकार' जियो हॉटस्टार पर आएगी। अनीत साहसी और निर्भीक मीनू की भूमिका में हैं। 17 साल की मीनू अपने खिलाफ होने वाले शोषण का विरोध करती है। मीनू बापजी पर शोषण का आरोप लगाती है, जो बेहद प्रभावशाली शख्सियत है। मामला पुलिस तक पहुंचता है। फातिमा सना शेख पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। केस की पड़ताल करते हुए कई चुनौतियां मीनू (अनीत) के सामने आती हैं। अपने भी संदेह करने लगते हैं।

फातिमा सना शेख ने की पड़ताल

मीनू के आरोपों की जांच की कड़ी में कई सनसनीखेज खुलासे होते हैं। मुश्किल वक्त में अपने साथ छोड़ते हैं। मगर, मीनू ऐसे विपरीत हालात में भी साहस का परिचय देती और निर्भीक होकर सच बताती है। फातिमा इस सच को साबित करने के लिए सबूत जुटाती हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया ने किया है। इसे बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। प्रियंका चोपड़ा इस सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फ्रेंच-इंडियन फिल्म 'स्टे' में नजर आएंगी पल्लवी शारदा

अभिनेत्री पल्लवी शारदा जल्द ही फ्रेंच-इंडियन रोमांस फिल्म 'स्टे' में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि सिनेमा दुनिया का एक ऐसा अजूबा है, जो कैमरा बंद होने के बाद भी एक्टर्स को क्रिएशन के भंवर में खींच लेता है। पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर पब्लिकेशन की तरफ से गई अनाउमेंट को शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस फिल्म में सायली नाम की एक तलाकशुदा महिला के किरदार में नजर आएंगी, जो भारत में रहती है और जिसे अपने पिता की सफल कंपनी को संभालने के लिए तैयार किया गया है। पेरिस की एक ट्रिप के दौरान उसे लियो से प्यार हो जाता है, जो एक डिलीवरी ड्राइवर है और एक्टर बनने का सपना देखता है। उनके रिश्ते की परीक्षा परिवार के दबाब, क्लास के फर्क और फ्रांस-भारत में उनकी जिंदगियों को अलग करने वाली आर्थिक और सांस्कृतिक हकीकतों से होती है।

अभिनेत्री फिल्ममेकर रोहेना गेरा के साथ अपने लेटेस्ट प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए लिखा, 'आप फिल्म बनाते और बेचते हैं। यही तरीका है, लेकिन किसी भी फिल्म के मूल में एक आइडिया, एहसास, वाइब्रेशन होता है। हम बस उसे जिंदा करने में मदद करते हैं। इस फिल्म से पहले जब भी मुझे रोहेना के साथ जूम पर बात करने का मौका मिला, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि हमने एक महिला के तौर पर अपने एहसासों और हमारे आसपास की कहानियों पर गहराई से बात की, जो अलग-अलग देशों और संस्कृतियों में काम कर रही हैं।' उन्होंने लिखा, 'लगातार दो संस्कृतियों के बीच झूलने की अजीबोगरीब स्थिति को समझने की कोशिश की। फिल्में एक अजीब दुनिया हैं। ये आपको क्रिएशन के भंवर में खींच लेती हैं, जिसका एहसास कैमरा बंद होने के बाद भी उतना ही रहता है। सेट के बीच के ठहराव में कभी-कभी खालीपन, बेचैनी महसूस होती है लेकिन साथ ही सब कुछ जुड़ता भी है। एक एक्टर के लिए हर फिल्म का अनुभव आपको अपने अंदर इतना गहरा ले जाता है कि उसे समझने के लिए बीच में ठहराव की जरूरत होती है। मैं अभी भी इस फिल्म को समझ रही हूं।'

'द रिवोल्यूशनरीज' ने एक्ट्रेस के तौर पर मेरी परीक्षा ली

एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने बताया कि 'द रिवोल्यूशनरीज' उन प्रोजेक्ट्स में से एक था, जिसमें एक एक्ट्रेस के तौर पर उनसे बहुत कुछ करने की उम्मीद की गई थी। प्रतिभा ने रविवार को 'प्रतिभा लाहिड़ी' का किरदार निभाने और उससे मिली सीख के बारे में एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी 'द रिवोल्यूशनरीज' के बारे में बिना भावुक हुए बात कर पाऊंगी। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसने एक एक्टर के तौर पर मुझसे बहुत कुछ मांगा और बदले में मुझे उससे कहीं ज्यादा दिया। मुझे ऐसे सीन करने को मिले, जो मैं हमेशा से करना चाहती थी, ऐसे सीन जिन्होंने मेरी परीक्षा ली, मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और मुझे खुद के उन पहलुओं को खोजने में मदद की, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि मैं उन्हें किसी किरदार में ला सकती हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रतिभा लाहिड़ी के जरिए मुझे ऐसी महिलाओं को महसूस करने और उन्हें पर्दे पर उतारने का मौका मिला जो गहराई से प्यार करती हैं, बहुत सारी जिम्मेदारियां उठाती हैं, और फिर भी आगे बढ़ने और मजबूत बने रहने का रास्ता ढूंढ लेती हैं। महिलाएं जिस तरह से अपनी जिंदगी को संभालकर रखती हैं, उसमें एक शांत मजबूती होती है, और प्रतिभा के जरिए उस पहलू को समझने का मौका मिलने के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी।' प्रतिभा ने इस किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए डायरेक्टर निखिल आडवाणी का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने आगे कहा, 'निखिल आडवानी, प्रतिभा का किरदार मुझ पर सौंपने और मुझे इस खूबसूरत दुनिया का हिस्सा बनाने के लिए आपका शुक्रिया। जब मैं अपने पहले फिल्मफेयर अवॉर्ड और जिस तरह से सब ने मेरा हौसला बढ़ाया, उसके बारे में सोचती हूं तो मैं अब भी भावुक हो जाती हूं। निखिल सर, आपको मेरे लिए चीयर करते और उस पल को मेरे साथ सेलिब्रेट करते देखना एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा अपने साथ संजोकर रखूंगी।' इस शो के म्यूजिक के बारे में बात करते हुए प्रतिभा ने बताया कि 'और आएंगे' इस सीरीज के उनके सबसे पसंदीदा गानों में से एक है।

प्रतिभा ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अब भी सब कुछ महसूस कर रही हूं। अब भी थोड़ी भावुक हूं और सबसे ज्यादा इस प्रोजेक्ट, इस किरदार, इस टीम और 'द रिवोल्यूशनरीज' को मिले इतने प्यार के लिए मैं बहुत आभारी हूं।

हमें ऐसी कहानी चाहिए जो आज भी मायने रखने वाली साधारण और खूबसूरत बातों की याद दिलाएं

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस मानसी पारेख, जो अपनी आने वाली गुजराती फिल्म 'मित्रता: फ्रेंडशिप नी लव स्टोरी' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने उन कहानियों की अहमियत के बारे में बात की है, जो हमें उन साधारण और खूबसूरत चीजों की याद दिलाती हैं जो आज भी मायने रखती हैं। इस फिल्म में विराज घेलानी, दीप वैद्य और विशाल पारेख भी हैं। यह दोस्ती के विषय पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया गया, जिसमें 3 दोस्तों की जिंदगी और उनके बीच के रिश्तों को दिखाया गया है। फिल्म दोस्ती के कई पहलुओं और जिंदगी के बदलते दौर में मजबूत होने वाले रिश्तों को दिखाती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सोल सूत्र के प्रोड्यूसर मानसी पारेख और पार्थिव गोहिल ने कहा, ''मित्रता' के केंद्र में एक बहुत ही सरल और आम भावना है: दोस्ती। आज के निराशावादी दौर में हमें ऐसी कहानियों की जरूरत है जो हमें उन सरल, खूबसूरत चीजों की याद दिलाएं जो आज भी मायने रखती हैं, और दोस्ती उनमें से एक है। हम सभी की जिंदगी में ऐसे लोग होते हैं, जिन्होंने हमारे अलग-अलग रूप देखे हैं और हर हाल में हमारे साथ रहे हैं। ओनिल ने उस भावना को एक ऐसी दुनिया में उतारा है, जो मनोरंजक, गर्मजोशी से भरी और भावनाओं से भरपूर है। हम आखिरकार दर्शकों के साथ 'मित्रता' की दुनिया को साझा करने के लिए उत्साहित हैं।' यह फिल्म उनकी गुजराती ब्लॉकबस्टर 'झमकूड़ी' के बाद एक्ट्रेस और उनके (को-स्टार) के फिर से साथ आने का मौका है।

विराज घेलानी ने कहा, 'दोस्ती शायद उन कुछ रिश्तों में से एक है जहां आप बिना किसी दिखावे के खुद जैसे हो सकते हैं, और यही बात 'मित्रता' को इतना अपना-सा बनाती है। फिल्म में दोस्तों के ग्रुप से उम्मीद की जाने वाली मजाक-मस्ती और पागलपन तो है ही, लेकिन इसमें कुछ शांत पल भी हैं जो आपको याद दिलाते हैं कि ये रिश्ते इतने मायने क्यों रखते हैं। सेट पर हम सभी के बीच की एनर्जी बहुत नैचुरल थी, और मुझे लगता है कि यह ट्रेलर में भी झलकती है। मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक इन किरदारों से मिलें और उनके सफर का अनुभव करें।' फिल्म ने अमित त्रिवेदी द्वारा कंपोज किए गए 'मित्रता एंथम' के साथ पहले ही लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है, जो कहानी के केंद्र में दोस्ती की भावना को दर्शाता है। गाने की लाइन 'तारी मारी दोस्ती' सोशल मीडिया पर तुरंत हिट हो गई है और दर्शक अपने दोस्तों के ग्रुप के साथ इसके स्टेप्स को रीक्रिएट कर रहे हैं। सोल सूत्र द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म के डायरेक्टर ओनिल कार्निक हैं, इसे पार्थिव गोहिल और मानसी पारेख ने प्रोड्यूस किया है, और यह 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शनिवार) 19 सितंबर 2026

TMC नाम और प्रतीक विवादः
बंगाल उपचुनाव में दोनों गुटों को मिले नए नाम और चिह्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकत्ता। पश्चिम बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम तथा 'फुटबॉल खिलाड़ी' चिह्न मिला है, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' आवंटित हुआ है। इससे पहले आयोग ने मूल नाम और 'फूल-घास' चिह्न का उपयोग रोक दिया था। नंदीग्राम और रेजीनगर सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान होगा। ममता बनर्जी ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि वे सिर नहीं झुकाएंगी और इस कदम के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगी।

कोहाट की मस्जिद के पास बम धमाका, 16 लोगों की मौत, 50 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में शुक्रवार को नमाज के दौरान एक मस्जिद के पास जोरदार धमाका हुआ। इस हमले में 5 पुलिसकर्मियों और 11 नागरिकों समेत 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हैं। शुरुआती जांच के अनुसार, पुराने पुलिस लाइंस के गेट से विस्फोटक से भरी गाड़ी टकराने के कारण यह हादसा हुआ। घटना के बाद घुसे 6 आतंकियों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया।

हमले की जिम्मेदारी 'इत्तेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान' ने ली है। प्रांतीय मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने हमले की निंदा करते हुए रिपोर्ट मांगी है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान में इस साल अब तक 990 आतंकी हमलों में 1,100 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं।

गांधीनगर में डेयरी पार्लरों से दूध के कार्टन चुराने वाला गिरोह पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। सेक्टर-21 पुलिस स्टेशन की टीम ने डेयरी पार्लरों को निशाना बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गोकुलपुरा से 23 वर्षीय मुख्य आरोपी शिवभाई रणछोड़भाई भरवाड़ और उसके एक नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह तड़के 2:30 से 6:00 बजे के बीच पार्लर मालिकों की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर लोहे के पिंजरों के ताले तोड़ता था और दूध, दही व छाछ से भरे कार्टन चुरा लेता था।

शहर में पिछले नौ दिनों में ऐसी सात घटनाएं सामने आई थीं। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी में इस्तेमाल स्विफ्ट कार, 91 अमूल प्लास्टिक कार्टन, 5 मोबाइल फोन और लोहे का सरिया जब्त किया। इस कार्रवाई से तीन अनसुलझे मामलों की गुत्थी सुलझ गई है। वहीवटदारी बेपरवाही पर तीखे सवालः शहर की नाक के नीचे लगातार नौ दिनों तक बेधड़क होती चोरियों पर वहीवटदार की गश्त टीम क्या सो रही थी? क्या सार्वजनिक सुरक्षा की यह बदहाली यह साबित नहीं करती कि व्यापारियों की संपत्ति की सुरक्षा के प्रति स्थानीय प्रशासन पूरी तरह बेपरवाह है?

नाना चिलोडा के पास 55 लाख कीमत की मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ बेंगलुरु का एक युवक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नरोदा पुलिस ने अहमदाबाद में नाना चिलोडा सर्कल के पास 55.50 लाख कीमत की 1.85 kg एमडी ड्रग्स के साथ एक 24 साल के युवक को गिरफ्तार किया है। बेंगलुरु, कर्नाटक का रहने वाला निखिलेश नाम का यह युवक एक नाइजीरियन फ्रैंक के कहने पर चंडीगढ़ से ड्रग्स की एक क्वांटिटी लेकर अहमदाबाद आया था। पुलिस ने 55.56 लाख कीमत की खेप जब्त कर ली है और आगे की जांच कर रही है। खास जानकारी के आधार पर, नरोदा पुलिस ने नाना चिलोडा सर्कल के पास चामुंडा टायर शॉप के सामने पब्लिक रोड पर वॉच लगाकर बेंगलुरु, कर्नाटक के एक 24 साल के युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 55.50 लाख कीमत की 1.85 किलोग्राम (1850 ग्राम) गैर-कानूनी मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की गई हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, नरोदा पुलिस स्टाफ को जानकारी मिली कि ग्रे जींस और सफेद शर्ट पहना एक आदमी नाना चिलोडा सर्कल से नाना चिलोडा चौराहे की तरफ जा रहा है, उसके पास ड्रग्स से भरा एक बैग है। इस जानकारी के आधार पर, पुलिस ने दो निष्पक्ष पंचायतों के साथ मिलकर चामुंडा टायर के सामने वाली सड़क पर लगाए गए पहरे के दौरान संदिग्ध युवक को घेर लिया।

प्रधानमंत्री आवास पर भूपेश बघेल की चुनौती और विजय शर्मा का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनंदगांव। महाभारत का युद्ध चल रहा था। महाभारत का एक पात्र रहे संजय, जिन्हें दिव्य दृष्टि का वरदान प्राप्त था यानी कि वे दूर की चीजों को देखकर भी उनका हूबहू वर्णन कर सकते थे। उन्होंने धृतराष्ट्र को महाभारत में जो कुछ भी घटनाक्रम चला था, उसका आंखों देखा हाल सुनाया। कालांतर में दूरदर्शन का आविष्कार हुआ और आज दूरदर्शन के अलावा सैकड़ों समाचार चैनल और टीवी चैनल वर्तमान में उपलब्ध हैं। राजनेताओं को भी अब टीवी समाचार चैनलों में बहस करना पसंद आता है। मामला था प्रधानमंत्री आवास का। भारत सरकार ने आंकड़ा जारी किया कि इतने लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तिलमिला गए। उन्होंने छत्तीसगढ़ के मंत्रियों को चुनौती दे दी कि वे टीवी बहस में आएं और प्रधानमंत्री आवास पर आमने-सामने अपनी बात रखें। तब गृह मंत्री विजय शर्मा, जो कि ग्रामीण एवं पंचायत मंत्री हैं, उन्होंने चुनौती को स्वीकार किया और प्रेस क्लब भवन में दोनों की बहस की महफिल सज गई। लेकिन यह क्या! यहां भी टीवी चैनल की चकाचौंध और सीधा प्रसारण। यानी राजनेताओं को मुद्दा कोई भी रहे, सुर्खियों में रहने से मतलब है। आंकड़ों की बाजीगरी पर अगर बात की जाए, तो 18 लाख प्रधानमंत्री आवास को लेकर सरकार के दावों के बीच उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दावा किया कि 18 लाख आवास का संकल्प केंद्र और राज्य के प्रयासों से पूरा हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट की युवा वकीलों को नसीहतः वरिष्ठों से प्रशिक्षण के बिना नहीं सीख पाएंगे पेशे की बारीकियां

जस्टिस बीवी नागरत्ना बोलीं- अदालत में क्या बोलना है और क्या नहीं, यह जानना जरूरी; डिग्री और कार्यालय खोलने के साथ व्यवहार-कौशल भी विकसित करें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को युवा वकीलों को पेशे की बारीकियां सीखने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ प्रशिक्षण लेने की सलाह दी। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वरिष्ठों के मार्गदर्शन के बिना युवा वकील अदालत में काम करने का व्यावहारिक अनुभव हासिल नहीं कर पाएंगे। उन्हें यह समझना जरूरी है कि न्यायालय में क्या बोलना चाहिए और किन बातों से बचना चाहिए। पीठ ने ये टिप्पणियां बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश से संबंधित याचिका पर सुनवाई के दौरान कीं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि कुछ युवा वकील बिना प्रशिक्षण के सीधे अपना काम शुरू कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि युवा वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ताओं के पास जाकर उनसे सीखना चाहिए। वरिष्ठ उन्हें सही दिशा दिखा सकते हैं और अदालत में काम करने के तौर-तरीकों से परिचित करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल युवा महत्वाकांक्षी हैं, लेकिन

वरिष्ठों के साथ प्रशिक्षण के बिना वे पेशे को पूरी तरह नहीं सीख पाएंगे। पीठ ने कहा कि यह प्रक्रिया पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आई है। सम्मानित कानूनी पेशे की बारीकियां और अच्छी कार्यप्रणालियां इसी तरह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती हैं। पीठ ने युवा वकीलों के अदालत में बैठकर कार्यवाही देखने के महत्व पर भी जोर दिया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि आजकल कुछ युवा कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जल्द ही अपना कार्यालय शुरू कर देते हैं, लेकिन पेशे में व्यवहार-कौशल भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि वकीलों के पास कानूनी ज्ञान और काम करने के साधन हो सकते हैं, लेकिन व्यवहार-कौशल प्रतिदिन विकसित करना पड़ता है। अदालत में किस तरह अपनी बात रखनी है, न्यायाधीशों के सवालों का जवाब कैसे देना है और पेशेवर आचरण कैसा होना चाहिए, यह अनुभव से सीखा जाता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि उन्हें अधिवक्ता समुदाय और उसके भविष्य की चिंता है। युवा वकील नियमित रूप से अदालत की कार्यवाही देखकर यह समझ सकते हैं कि कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए और न्यायालय में किस तरह पेश आना चाहिए। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने वकील के रूप में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उस समय कभी-कभार उनके पास केवल एक मामला या किसी विषय का उल्लेख करने का अवसर होता था। इसके बावजूद वह अलग-अलग अदालतों में जाकर बैठती थीं, खासकर उन न्यायालयों में जहां न्यायाधीशों का रवैया सख्त माना जाता था। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से उन्हें न्यायाधीशों के सख्त रवैये के अनुरूप खुद को तैयार करने में मदद मिली। जब अगली बार उनके सामने वहां मामला आता, तो उन्हें पहले से अंदाजा होता था कि न्यायाधीश के सवालों का जवाब कैसे देना है और अपनी बात किस तरह रखनी है।

अहमदाबाद के ऐतिहासिक पोल में पुराने घर जो मौत की घंटी जैसे लग रहे हैं

बारिश तो वजह है, असली वजह वहीवटदार का पाप और निगम की लापरवाहीः खतरनाक इमारतों पर नोटिस चिपकाकर खुश हो रहे अधिकारियों के खिलाफ लोगों का गुस्सा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कालूपुर इलाके में ऐतिहासिक दोशीवालानी पोल में गोपीनाथजी की हवेली की खिड़की के पास एक पुराने घर का बड़ा हिस्सा अचानक गिरने से सनसनीखेज घटना सामने आई है। मानसून की बारिश के बीच जैसे ही जर्जर इमारत का एक हिस्सा धड़ाम से गिरा, पूरे पोल में चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमाके से मलबा गिरने लगा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोशीवालानी पोल में इस पुराने घर की हालत काफी समय से बहुत खराब थी। बारिश के पानी की वजह से घर की दीवारें गिर गई थीं और अचानक एक बड़ा हिस्सा गिर गया। धमाके की आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग और व्यापारी मौके पर दौड़े। किस्मत से, जिस समय घर का हिस्सा गिरा, उस समय नीचे से कोई गाड़ी या पैदल चलने वाला नहीं गुज़र रहा था, इसलिए बड़ी जान का नुकसान टल गया। लेकिन

अगर यह घटना व्यस्त समय में होती, तो कई बेगुनाह लोग मारे जाते! निगम के काम करने के तरीके पर तीखे सवालः सिर्फ़ नोटिस चिपकाकर कागज़ों पर इतिहास? घटना की खबर मिलते ही दमकल विभाग और अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) मौके पर पहुँचे और मलबा हटाने और आस-पास के इलाके को बैरिकेडिंग करके सुरक्षित करने का काम शुरू किया। लेकिन यहाँ सवाल यह उठता है कि वहीवटदार हमेशा किसी बड़े हादसे का इंतज़ार क्यों करता है? एएमसी की बेपरवाहीः हर साल मानसून से पहले, वहीवटदार कोट इलाके के वार्डों में खतरनाक घरों को सिर्फ़ कागज़ों पर नोटिस देकर अपनी ज़िम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। सुरक्षा कब?: जो वहीवटदार कर जमा करने में एक दिन की भी देरी बर्दाश्त नहीं करता, वह ऐसे जर्जर घरों को गिराने या उन्हें मज़बूत करने के लिए सही कदम क्यों नहीं उठाता? स्थानीय लोगों में भारी गुस्साः 'वहीवटदार कब जागेगा?' इस घटना के बाद कालूपुर और आस-पास के वार्डों में रहने वाले नागरिकों में निगम के खिलाफ भारी गुस्सा है। पोल के निवासियों की साफ मांग है कि सिर्फ कागजों पर कार्रवाई करने के बजाय, ऐसे सभी बेहद खतरनाक और जर्जर घरों के खिलाफ तुरंत ठोस कार्रवाई की जाए, ताकि आने वाले दिनों में किसी बेगुनाह नागरिक को अपनी जान न गंवानी पड़े।

संजय निषाद ने फूलन देवी की हत्या की जांच की मांग उठाई, सपा पर साधा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने शुक्रवार को फूलन देवी की हत्या की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि फूलन देवी एक पहचान और आवाज थीं। जब उनका समाजवादी पार्टी से मोहभंग हुआ और उन्होंने अपनी अलग पार्टी बनाई, तब उनकी हत्या कर उनकी आवाज दबा दी गई। निषाद ने कहा कि इस मामले में यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि हत्या की सुपारी किसने दी थी। डॉ. संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी पर सवाल उठाते हुए

कहा कि फूलन देवी की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों नहीं की गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या असली चेहरे बेनकाब होने का डर था? निषाद ने कहा कि मछुआरा समाज राजनीतिक धोखों को अब नहीं भूलेगा और हर धोखे का हिसाब लेगा। उन्होंने फूलन देवी की हत्या की जांच कराए जाने की मांग दोहराई। विधानसभा चुनाव को लेकर मंत्री ने मछुआरा समाज से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनावी मौसम शुरू हो गया है। जो लोग साढ़े चार साल तक समाज के सुख-दुख में शामिल नहीं हुए, वे अब पंचायतों के बहाने आसपास नजर आने लगे हैं। निषाद ने ऐसे लोगों पर निशाना साधते हुए उन्हें बरसाती मेंढक की तरह चुनावी मौसम में सक्रिय होने वाला बताया। संजय निषाद की टिप्पणी का संदर्भ समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का हालिया बयान है। अखिलेश यादव ने निषाद समाज के प्रति अपनी पार्टी को सच्चा हितैषी बताया था। उन्होंने कहा था कि समाजवादी पार्टी की सरकार में निषाद समाज को मान-सम्मान, पहचान और अधिकार दिए गए। अखिलेश ने यह भी कहा था कि फूलन देवी को समाजवादी पार्टी ने ही रिहा करवाया था और उन्हें दो बार सांसद बनाया था। फूलन देवी को लेकर दोनों नेताओं के बयानों के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं। संजय निषाद ने उनकी हत्या की जांच और सुपारी देने वाले की पहचान करने की मांग की है, जबकि अखिलेश यादव ने अपने बयान में फूलन देवी को सपा सरकार के कार्यकाल में मिले राजनीतिक अवसरों का उल्लेख किया था।

स्पैम कॉल पर ट्राई का शिकंजाः 5 संदिग्ध नंबर मिलने पर कट सकता है कनेक्शन, एक साल तक प्रतिबंध

स्वचालित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनचाही व्यावसायिक कॉल पर सख्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। फर्जी और अनचाही व्यावसायिक कॉल पर रोक लगाने के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नए नियम लागू किए हैं। इनके तहत अब रोबोटिक कॉल, स्वचालित कॉल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सहायता से पहचानी जाने वाली संदिग्ध कॉल को भी नियामकीय दायरे में लाया गया है। नए प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति या कंपनी के पांच या उससे अधिक नंबर दस दिन के भीतर संदिग्ध पाए जाते हैं, तो उसके दूरसंचार कनेक्शन को बंद करने और एक साल तक प्रतिबंधित करने की कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा, बिना अनुमति या पूर्व सूचना के की जाने वाली स्वचालित कॉल पर पांच पैसे प्रति मिनट का शुल्क लगाने का प्रावधान भी किया गया है। नए नियमों के तहत दूरसंचार कंपनियां अनचाही कॉल और संदेश भेजने वाले नंबरों की पहचान करेंगी। यदि दस दिन के भीतर किसी एक व्यक्ति या कंपनी के पांच नंबर संदिग्ध पाए जाते हैं, तो मामले की जांच शुरू की जाएगी। इस दौरान संबंधित उपभोक्ता या कंपनी की दोबारा पहचान प्रक्रिया यानी पुनः केवाईसी कराई जा सकती है और बाहर जाने वाली कॉल पर रोक लगाई जा सकती है। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित

सिम को स्थायी रूप से बंद करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। कंप्यूटर, रोबोट और पहले से रिकॉर्ड की गई आवाज के माध्यम से की जाने वाली व्यावसायिक कॉल अब कड़े नियमों के अधीन होंगी। ऐसी कॉल करने वाली कंपनियों को पहले ही दूरसंचार सेवा प्रदाता को इस्तेमाल किए जाने वाले नंबरों की जानकारी देनी होगी। बिना पूर्व सूचना के की गई स्वचालित कॉल को अनचाही कॉल मानकर रोका जा सकता है। इसका उद्देश्य लोगों तक पहुंचने वाली फर्जी और अनावश्यक व्यावसायिक कॉल की संख्या कम करना है। नियमों के अनुसार, बिना अनुमति या आवश्यक जानकारी दिए की गई स्वचालित कॉल पर संबंधित कंपनियों को पांच पैसे प्रति मिनट का शुल्क देना होगा। हालांकि, 140 और 160 जैसे निर्धारित आधिकारिक व्यावसायिक नंबरों तथा सरकार से मान्यता प्राप्त कॉल को इस शुल्क से छूट दिए जाने का प्रावधान है। स्पैम कॉल की पहचान और शिकायतों के निपटारे में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता ली जाएगी। पहले किसी नंबर पर कार्रवाई शुरू करने के लिए दस दिन में पांच शिकायतों की आवश्यकता होती थी। नए प्रावधान के तहत यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता किसी नंबर को संदिग्ध बताती है, तो केवल तीन शिकायतें मिलने पर भी उसके विरुद्ध कार्रवाई शुरू की जा सकेगी। यदि किसी उपभोक्ता को स्पैम कॉल की शिकायत के निपटारे से संतुष्टि नहीं मिलती है, तो वह 15 दिन के भीतर अपील कर सकता है। इसके लिए ट्राई के अनचाही कॉल रोकने वाले मोबाइल अनुप्रयोग, संबंधित दूरसंचार कंपनी के इंटरनेट पोर्टल या 1909 नंबर पर कॉल अथवा संदेश भेजने की सुविधा उपलब्ध होगी। नए नियमों का उद्देश्य अनचाही व्यावसायिक कॉल पर नियंत्रण, उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटारा और दूरसंचार सेवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना है।

जयपुर के पुरोहितजी का कटला में दूसरे दिन भी बाजार बंद, अग्निकांड से उजड़े व्यापारियों को मदद का इंतजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। पुरोहितजी का कटला स्थित सेठी कॉम्प्लेक्स में भीषण अग्निकांड के बाद शुक्रवार को दूसरे दिन भी बाजार बंद रहे। गुरुवार को लगी आग में 25 दुकानों का सामान जलकर राख हो गया था। घटना के बाद मणिहारों का कटला और पुरोहितजी का कटला में शुक्रवार को सन्नाटा पसरा रहा। अग्निकांड से प्रभावित व्यापारी अपनी दुकानों के बाहर मायूस खड़े नजर आए। लाखों-करोड़ों रुपए के माल के नुकसान के बाद अब पीड़ित व्यापारियों को प्रशासन और सरकार से आर्थिक सहायता मिलने की उम्मीद है। सेठी कॉम्प्लेक्स में आग से हुए नुकसान के बाद बाजार में कारोबार ठप रहा। जिन व्यापारियों की दुकानें प्रभावित हुई हैं, वे अपने कारोबार को हुए नुकसान और भविष्य की चिंता में घिरे नजर आए। आग में बड़ी मात्रा में सामान जलने के कारण व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। प्रभावित दुकानदार अब प्रशासन और सरकार से राहत तथा सहायता की आस लगाए बैठे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शुक्रवार को अग्निकांड प्रभावित सेठी कॉम्प्लेक्स पहुंचे। यहां उन्होंने पीड़ित व्यापारियों से मुलाकात कर आग लगने की घटना और हुए नुकसान की जानकारी ली। व्यापारियों ने उन्हें अपनी परेशानियों से अवगत कराया और घटना से जुड़ी समस्याएं बताईं। इसके बाद मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि व्यापारियों ने घटना में नगर निगम की कमी की बात बताई है। उन्होंने कहा कि बाजारों और इमारतों में लगे अग्निशमन उपकरणों तथा आग बुझाने की व्यवस्था की समय-समय पर जांच करना नगर निगम की जिम्मेदारी होती है। सरकार बदलने के बाद भी यह देखना जरूरी है कि अग्निशमन सुरक्षा के इंतजाम सही तरीके से काम कर रहे हैं या नहीं। गहलोत ने कहा कि सरकार की ओर से किसी मंत्री को घटनास्थल पर पहुंचकर प्रभावित व्यापारियों की पीड़ा सुननी चाहिए। अग्निकांड में हुए नुकसान के बाद व्यापारियों को सहायता की उम्मीद है। ऐसे में पीड़ितों की समस्याओं को सुनकर उनकी परेशानियों पर ध्यान देना जरूरी है। गहलोत ने निकाय चुनाव परिणामों के बाद भाजपा पर भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा खरीद-फरोख्त के जरिए निकाय बोर्ड बनाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, इस संबंध में उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में यहां कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

आर्यवीर सहवाग ने पदार्पण मैच में बनाए 28 रन, अन्वय द्रविड़ की 18 गेंदों में 38 रन की तेज पारी; यशवर्धन चौहान ने जड़ा अर्धशतक

भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रन से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। भारत अंडर-19 क्रिकेट टीम ने राजकोट में खेले गए पहले युवा एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को सात रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण मुकाबले को 20-20 ओवर का कर दिया गया था। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम सात विकेट पर 175 रन ही बना सकी। मुकाबले में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने पदार्पण किया, जबकि राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने तेज बल्लेबाजी कर भारतीय पारी को मजबूती दी। भारत की ओर से पारी की शुरुआत कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और आर्यवीर सहवाग ने की। आर्यवीर ने 26 गेंदों में 28 रन बनाए, जिसमें पांच चौके शामिल रहे। उन्हें स्पेंसर ग्रीन ने आउट किया। इसके बाद लक्ष्य रायचंदानी 15 और कुशाग्र ओझा 16 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। भारतीय टीम ने 65 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवा दिए थे।

भारत ने 11.5 ओवर में 88 रन पर चौथा विकेट गंवा दिया था। मुश्किल स्थिति में अन्वय द्रविड़ और यशवर्धन चौहान ने पारी को संभाला। अन्वय ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की, लेकिन लय हासिल करने के बाद तेजी से रन बनाए। उन्होंने केवल 18 गेंदों में 38 रन ठोक दिए। उनकी पारी में दो चौके और तीन छक्के शामिल रहे। यशवर्धन चौहान ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 54 रन बनाए। उन्होंने पांच चौके और दो छक्के लगाए। अन्वय और यशवर्धन की पारियों ने भारत को शुरुआती झटकों से उबारकर मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। अन्वय 17.3 ओवर में आउट हुए, तब भारत का स्कोर पांच विकेट पर 157 रन था। इसके बाद यशवर्धन भी 19.4 ओवर में पवेलियन लौट गए। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। नील पटेल ने 31 गेंदों में 45 और हेडन बारबुलोविक ने 24 गेंदों में 40 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान जैक कॉजनसेक ने 27 गेंदों में 55 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया को आखिरी सात गेंदों में जीत के लिए 12 रन चाहिए थे। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और लगातार विकेट लेकर विपक्षी टीम को 175 रन पर रोक दिया। चार्ल्स हेंडरसन 19.5 ओवर में रन आउट हुए, जबकि ब्लेक कैटल अंतिम गेंद पर आउट हो गए। भारत की ओर से यशवर्धन चौहान ने दो विकेट लिए। मोहम्मद उलवा, चिगुरुपति वेंकटा और अर्जुन राजपूत सहित अन्य गेंदबाजों ने भी विकेट हासिल किए। इस जीत के साथ भारत ने श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली।

जुआ प्रकरण में छह आरोपी दोषमुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। डोंगरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम करियाटोला में सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों के माध्यम से रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेलने के आरोप से संबंधित प्रकरण में न्यायालय ने छह आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, राजनांदगांव पार्थ दबे ने 10 सितंबर 2026 को आपराधिक प्रकरण क्रमांक 9951/2024 में निर्णय पारित करते हुए अभियोजन साक्ष्य को दोषसिद्धि के लिए अपर्याप्त माना और आरोपियों को संदेह का लाभ प्रदान किया। अभियोजन के अनुसार, 4 अगस्त 2024 को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम करियाटोला स्थित स्कूल के समीप सार्वजनिक स्थान पर कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों से रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा मौके पर कार्रवाई की गई तथा कमलेश पडौती, निलेश गोड, राकेश निषाद, किशन निर्मलकर, खम्मन दास साहू एवं राजकुमार ठाकुर को पकड़े जाने का उल्लेख प्रकरण में किया गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.